* ओड़िशा संस्करण

www.epaper.azadsipahi.in

28 नवंबर, 2023
मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 38

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

देव दिवालीः वाराणसी में 80 घाटों पर 21 लाख दीये जले, 10 लाख पर्यटक-श्रद्धालु पहुंचे।

THE BLACKBOARD®
Mirror that reflects future...

XI-XII | JEE MAINS/ADVANCED | NEET | SLEET | IX-X
JAC/CBSE/ICSE

presents

B-SAT 2024

UPTO ★100%★ SCHOLARSHIP

REGISTRATION FREE

BLACKBOARD SCHOLARSHIP CUM ADMISSION TEST

For Students of Class XI[th] moving to XII[th]

TEST DATE : 03[rd] December 2023 (Sunday)

Glimpses of 2023

Wing A - Main Office - 2nd Floor, Above TVS Showroom, Dangra Toli Chowk, Purulia Road, Ranchi
Wing B - NEET & JEE Campus - Opp. Audi Showroom, Old Surya Clinic Building, Lane 2, Kumhar Toli, Purulia Road, Ranchi
: 9631072713, 6200438287 : 9631072713 : theblackboard2018@gmail.com
: www.theblackboardranchi.com : theblackboard GET IT ON Google Play : The blackboard

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
189200 Subscribers
VIEWERSHIP 3 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
Subscribe NOW

सर्राफा
सोना (बिक्री) 58,400 रु./10 ग्राम
चांदी 78,000 रु./प्रति किलो

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 28 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in
02

आज भी आदिवासियों के जीवन में विकास का जोहार नहीं

■ 23 साल बाद भी झारखंड में विकास की खोज में हैं राजनेता

■ जमीन बेच कर बाइक खरीदना विकास का पैमाना नहीं हो सकता

■ धर्मांतरण, विस्थापन, स्थानीयता और नियोजन के इर्द-गिर्द भटक रही राजनीति

■ सत्ता पाना प्रथम और आदिवासियों का विकास अंतिम लक्ष्य बन गया है यहां के राजनेताओं का

आजाद सिपाही विशेष

झारखंड बने 23 साल हो चुके हैं। इन 23 सालों में पांच साल रघुवर दास का कार्यकाल छोड़ दें, तो यहां आदिवासी ही मुख्यमंत्री रहे। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी हों, चाहे अर्जुन मुंडा, शिबू सोरेन, मधु कोड़ा या फिर हेमंत सोरेन। सभी मुख्यमंत्रियों ने आदिवासी हितों की बात की, हक-हुकूक दिलाने की बात की, लेकिन सच यही है कि आज 23 साल बाद भी आदिवासी हित मुकाम नहीं पा सका। इन राजनेताओं को समझ में ही नहीं आ पाया कि आखिर आदिवासी हितों की रक्षा है क्या। समझते भी कैसे। आधा समय तो अपनी कुर्सी बचाने में निकल गया। कौन सा विधायक कब किस दल में शामिल हो जायेगा, किसी को अता पता नहीं होता। सत्ता के लिए यहां सब कुछ जायज हो जाता है। एक-दूसरे के कट्टर राजनीतिक विरोधी दल भी अवसर देख कर एक साथ हो जाते हैं। अगर कहा जाये कि झारखंड राजनीतिक अवसरवाद की सबसे बड़ी प्रयोगशाला है, तो इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए। सच तो यही है कि यहां के राजनेताओं या यूं कहें मुख्यमंत्रियों को जब सत्ता या कुर्सी बचाने से समय बचा, तब आदिवासी हित के मुद्दे तलाशे गये। जो मुद्दे झारखंड बनने के समय निर्धारित हुए, वे आज भी जिंदा हैं। यहां स्थानीय नीति, नियोजन नीति, विस्थापन, धर्मांतरण और सबसे अहम मुद्दा नक्सलवाद आज भी राजनीति का आधार बना हुआ है। ऐसा नहीं है कि राज्य गठन के बाद इन मुद्दों पर काम नहीं हुआ। हुआ है, झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने नक्सलवाद के खिलाफ लड़ाई में अपना बेटा भी खोया है। उनका कार्यकाल मात्र 28 महीने का रहा। उसके बाद राजनीतिक अस्थिरता का जो दौर चला, वह 2014 में जाकर खत्म हुआ। 14 साल तो यों ही निकल गये। उसके बाद गैर आदिवासी रघुवर दास की सरकार बनी। इस सरकार से आदिवासी बिदके। फिर 2019 में हेमंत सोरेन दूसरी बार मुख्यमंत्री बने। लेकिन उनके पास भी वही मुद्दे हैं, जो झारखंड बनते वक्त थे। वही 1932 का खतियान, स्थानीयता, नियोजन। भ्रष्टाचार और क्राइम तो छोड़ ही दीजिए। कभी-कभी तो लगता है कि आदिवासी विकास का मुद्दा महज राजनीति के लिए रह गया है। अगर आदिवासी का विकास हो गया तो फिर इन नेताओं के पास आदिवासी हितों की रक्षा और विकास का मुद्दा ही खत्म हो जायेगा, तो फिर झारखंड में राजनीति कैसे होगी। समझा जा सकता है कि 23 सालों में आदिवासियों के विकास के नाम पर वोट मांगे गये, लेकिन स्थिति किसी से छिपी हुई नहीं है। आज भी आदिवासी साफ पानी पीने को तरस रहा है, पानी के बिना खेत भी प्यासे हैं। जो जमीन कभी आदिवासियों की जीविका का मुख्य आधार थी, वह भी अब सुरक्षित नहीं है। गैर आदिवासी की तो बात ही मत कीजिए, अब आर्थिक रूप से मजबूत आदिवासी भी कौड़ी के भाव गरीब आदिवासियों की जमीन खरीद रहा है। उस जमीन को वह या तो व्यापार करने के उद्देश्य से इस्तेमाल कर रहा है या फिर बड़ी कंपनियों को लीज पर दे रहा है। झारखंड में यह खेल खुल कर चल रहा है। यहां एक नया ट्रेंड भी देखने को मिल रहा है। जमीन बेच कर यहां का आदिवासी युवा मोटर साइकिल खरीदने को लालायित है। चार पहिया गाड़ी खरीद रहा है। लेकिन यह विकास का पैमाना नहीं हो सकता। ज्यादातर आदिवासियों की जमीन एक साजिश के तहत बांग्लादेशी घुसपैठिए कब्जियाये हुए हैं। वे यहां की आदिवासी महिलाओं को प्रेमजाल में फांस कर शादी कर रहे हैं और जमीन हथिया रहे हैं। यहां के पुलिसवालों का क्या कहना। अभी-अभी सीबीआइ जांच में सामने आया है कि एक आइपीएस अधिकारी ने देश के कई राज्यों में होटल और जमीन के प्लॉट खरीदे हैं। अधिकतर पुलिसकर्मी तो जमीन के धंधे में पहले से थे, अब तो वे जुआ खेलने और खिलवाने में भी व्यस्त हो गये हैं। झारखंड में आदिवासियों के विस्थापन की समस्या से कौन परिचित नहीं है। विस्थापन की अनगिनत कहानियां आदिवासी रक्त में सनी पड़ी हैं। आंदोलन हुए, आदिवासियों की हत्याएं हुईं, जेल में डाल दिया गया। यहां प्रोजेक्ट्स लगाने के नाम पर कंपनियों की जमीन का अधिग्रहण तो हो गया, लेकिन विस्थापित आज भी अपने हक के लिए आंदोलन कर रहे हैं। झारखंड में सबसे ज्यादा अपराध आदिवासियों के साथ हो रहा है। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर डालें, तो सिर्फ रांची जिले में 351 अपराध एसटी/एससी के विरुद्ध हुए हैं। वहीं, राज्यभर में पिछले तीन साल में 3,387 मामले एसटी/एससी के विरुद्ध सामने आये। आखिर झारखंड में पांच-पांच आदिवासी मुख्यमंत्रियों के बाद भी क्यों नहीं हो पाया आदिवासियों का विकास। इस पर नजर डालने का प्रयास कर रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

बुनियादी जरूरतों से जूझ रहा आदिवासी

राष्ट्रपति बनने के बाद जब द्रौपदी मुर्मू झारखंड दौरे पर आयी थीं, तो उन्होंने कहा था कि झारखंड का जितना विकास होना चाहिए था, उतना नहीं हुआ। यहां ज्यादातर वक्त राज्य के मुख्यमंत्री आदिवासी ही रहे, लेकिन इसके बाद भी इस राज्य का विकास नहीं हो पाया, जितना होना चाहिए था। यह शब्द राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के मुंह से निकलना, अपने आपमें बहुत बड़ी बात थी। वह झारखंड की राज्यपाल भी रह चुकी हैं, लिहाजा उन्हें झारखंड के बारे में ज्ञान भी है। यहां के मुख्यमंत्रियों के कार्यकाल की सूची पर नजर डालते ही पता चल जायेगा कि झारखंड में विकास कितना हुआ और सत्ता या कुर्सी बचाने में जोर कितना लगा। बाबूलाल मरांडी का कार्यकाल 15 नवंबर 2000 से 17 मार्च 2003, आदिवासी मुख्यमंत्री। 18 मार्च 2003 से 2 मार्च 2005 अर्जुन मुंडा, आदिवासी मुख्यमंत्री। 2 मार्च 2005 से 12 मार्च 2005 शिबू सोरेन, आदिवासी मुख्यमंत्री। 12 मार्च 2005 से 14 सितंबर 2006 अर्जुन मुंडा, 14 सितंबर 2006 से 23 अगस्त 2008 मधु कोड़ा, आदिवासी मुख्यमंत्री। 27 अगस्त 2008 से 18 जनवरी 2009 शिबू सोरेन, आदिवासी मुख्यमंत्री। 19 जनवरी 2009 से 29 दिसंबर 2009 राष्ट्रपति शासन। 11 सितंबर 2010 से 18 जनवरी 2013 अर्जुन मुंडा, आदिवासी मुख्यमंत्री। 18 जनवरी 2013 से 12 जुलाई 2013 राष्ट्रपति शासन, 13 जुलाई 2013 से 28 दिसंबर 2014 हेमंत सोरेन, आदिवासी मुख्यमंत्री। 28 दिसंबर 2014 से 29 दिसंबर 2019 रघुवर दास, गैर आदिवासी मुख्यमंत्री। 29 दिसंबर 2019 से हेमंत सोरेन का कार्यकाल जारी है।

मुख्यमंत्रियों के इन कार्यकाल पर नजर डाली जाये, तो इससे यही साबित होता है कि यहां के मुख्यमंत्री अपनी कुर्सी बचाने में ही ज्यादा व्यस्त रहे। सत्ता मिली नहीं कि कुर्सी किसी और ने छीन ली। रात दिन अगर कुर्सी का डर सतायेगा तो विकास कार्य होगा कैसे। यह समझनेवाली बात है। समस्या की जड़ अस्थिरता में ज्यादा है। झारखंड के आदिवासियों ने आखिर यह जानने की कभी कोशिश की कि आदिवासी मुख्यमंत्री रहने के बाद भी उनका विकास क्यों नहीं हो पाया।

राज्य तो आदिवासी के नाम पर बना, लेकिन सबसे ज्यादा शोषित तो वही हैं

1947 से झारखंड आंदोलन में शामिल कई लोग नये आदिवासी राज्य की आशा करते-करते मिट्टी में समा गये। 53 वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद 15 नवंबर 2000 को झारखंड अलग राज्य बना। नया राज्य पाने की खुशियां मनायी गयीं। आदिवासी खूब नाचे, उत्सव मनाया गया। नया राज्य पाकर सभी राज्यवासी बहुत खुश थे। राज्यवासियों को लगा कि अब विकास की धारा बहेगी। उन्हें लगा कि वे भी अब मुख्यधारा में आयेंगे। साधन संपन्न होंगे। रोजगार मिलेगा। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रहन-सहन सुधरेगा। लेकिन उन्हें क्या पता था कि सबसे ज्यादा तकलीफ उन्हें ही होनेवाली है। रेगिस्तान की मरीचिका, जो पानी की तरह दिखाई तो देती है, लेकिन किसी की प्यास नहीं बुझा सकती। वही हाल झारखंड में आदिवासियों का है। झारखंड बना तो आदिवासियों के लिए, लेकिन सुख उनसे कोसों दूर रहा। खेती-किसानी से ज्यादातर आदिवासी आगे नहीं बढ़ पाये। और बाद में तो उन पर मानो पहाड़ ही टूट गया। वह जमीन भी औद्योगिकीकरण के नाम पर उनसे ले ली गयी। वे विस्थापित हो गये। विस्थापन से जो जमीन बची, उसे धर्मांतरण ने डस लिया। धार्मिक संगठनों की नजर भी आदिवासियों पर टिकी रही। उनका ध्येय हो गया कि कैसे लाचार आदिवासियों को धर्म जाल में फांस कर, लालच देकर उन्हें धर्मांतरित कर दिया जाये। धर्मांतरण का रैकेट जिस प्रकार से झारखंड में फला-फुला, उससे सबसे ज्यादा नुकसान किसी को हुआ, तो वह आदिवासी ही है।

सबसे ज्यादा संपदा, लेकिन लाभ अन्य राज्यों को

आदिवासी समुदाय के लोग आज भी समाज की मुख्यधारा में शामिल नहीं हुए हैं। देश की आजादी के समय आदिवासियों की जनसंख्या झारखंड में 37 फीसदी के करीब थी, जबकि वर्ष 2011 की जनगणना में 26 फीसदी हो गयी। इसका मुख्य कारण विस्थापन और पलायन ही है। जरा सोचिये, देश की कुल खनिज संपदा का 40 प्रतिशत झारखंड में है। फिर भी झारखंड पिछड़ा राज्य कहलाता है, क्योंकि यहां की संपदा का इस्तेमाल झारखंडी कहां कर पाता है। संपदा का लाभ तो दूसरे राज्य ले जाते हैं। उद्योग-धंधे लगते भी हैं, तो उसका मुनाफा झारखंड को कहां मिल पाता है। मुख्यालय दूसरे राज्यों में होने के कारण मुनाफा वहां चला जा रहा है। झारखंड में जिस प्रकार से भ्रष्टाचार पैर पसार रहा है, क्राइम का ग्राफ बढ़ रहा है, अवैध कारोबार फल-फूल रहा है, नदियों से बालू गायब हो रहा है, पहाड़ काटे जा रहे हैं, पत्थरों की चोरी हो रही है, कोयला चोरी से शहर के शहर तबाह होने के कगार पर खड़े हैं, भू धंसान चरम पर है, पीने को साफ पानी नहीं है। अगर इस पर विचार नहीं किया गया, तो झारखंड की हवा तक बिक जायेगी।

आरक्षण, नियोजन और खतियान के मकड़जाल में फंस गया युवा

राज्य का आदिवासी युवा तो सपनों में रह गया। वह 1932 के खतियान से आगे नहीं बढ़ पाया। आरक्षण, नियोजन के मकड़जाल में जकड़ कर रह गया। लेकिन उसे किसी ने समझाया नहीं कि गलती कहां हो रही है। आज आदिवासी युवा अपनी जमीन कौड़ियों के भाव बेच रहे हैं और उस पैसे से मोटर साइकिल खरीद रहे हैं। फोर व्हीलर ले रहे हैं। यह सब लेना भी चाहिए, इसमें कोई बुराई नहीं है, लेकिन उन्हें समझना चाहिए कि अपने अस्तित्व को बेच कर यह सब खरीदना कहीं से भी सुरक्षित नहीं है। लेकिन यह कोई राजनेता आपको नहीं बतायेगा। आप बस स्थानीय नीति, नियोजन नीति के भंवरजाल में रह जायेंगे। नेता राजनीति कर के निकल जायेगा, आपका वोट ले लेगा, फिर टाटा बाय-बाय। उसके बाद जब समय निकल जाता है, तो आपके पास उसे कोसने के अलावा कोई चारा नहीं बचता। आदिवासियों की पूंजी उनकी जमीन है। पहले अपनी जमीन को सुरक्षित कीजिए। अगर जमीन नहीं होगी, तो विस्थापन होगा। बड़ी-बड़ी कंपनियां और हस्तियां आपकी ही जमीन पर खूंटा गाड़ कर अरबों का व्यापार करेंगी और आप पाई-पाई के मोहताज हो जायेंगे। उसके बाद आप गलत रास्ता चुनने को मजबूर हो जायेंगे। यहां से बढ़ेगा अपराध।

आदिवासियों पर अपराध चरम पर

अब सोचिए, झारखंड आदिवासी बहुल राज्य है। इसके बाद भी राज्य में हर साल आदिवासियों के विरुद्ध अपराध बढ़ते जा रहे हैं। पिछले तीन साल के आंकड़ों पर नजर डाली जाये, तो सिर्फ रांची में 351 अपराध एसटी-एससी के विरुद्ध हुए हैं। वहीं, राज्यभर में पिछले तीन साल में 3,387 मामले एसटी-एससी के विरुद्ध सामने आये। सबसे अधिक अपराध हर साल रांची जिले में हो रहे हैं। 2021 में रांची में 130 और राज्यभर में 958, वर्ष 2022 में रांची में 111 और राज्य में 1496 और 2023 में सितंबर तक रांची में 110 और राज्य भर में 933 अपराध एसटी/एससी के विरुद्ध हुए हैं। यह चिंता का विषय है कि आदिवासी बहुल राज्य होने के बाद भी आदिवासियों के विरुद्ध अपराध बढ़ रहे हैं। आदिवासियों के विरुद्ध हो रहे अपराध में उन्हें न्याय भी जल्द नहीं मिल पा रहा है। क्योंकि एसटी-एससी मामले में अनुसंधान की जिम्मेदारी अभी तक डीएसपी स्तर के अधिकारियों को ही है। नियम में संशोधन के बाद अब एसटी/एससी आइओ इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी भी हो सकते हैं। डीएसपी स्तर के पदाधिकारियों की संख्या कम होने से एसटी-एससी मामलों के अनुसंधान में भी देरी होती है। डीएसपी स्तर के अधिकारियों पर इनके अलावा अन्य मामलों के सुपरविजन का दायित्व भी होता है। इस वजह से एसटी/एससी के मामले लंबी अवधि तक लंबित रह जाते हैं। एसटी/एससी के विरुद्ध वर्ष 2022 में देवघर जिले में सिर्फ चार महीने में 274 मामले सामने आये। देवघर जिले में सितंबर में 81, अक्टूबर में 78, नवंबर में 63 और दिसंबर महीने में 52 मामले सामने आये, जो कि पिछले तीन माह में सबसे अधिक हैं।

स्थितियों पर नजर दौड़ाने से साफ है कि झारखंड के आदिवासी मात्र वोट बैंक बन कर रह गये हैं। वोट पाने के लिए बातें और वादे तो खूब होते रहे हैं, लेकिन उन्हें धरातल पर उतरते कम ही देखा गया है। सच यही है कि आज भी यहां का आदिवासी अपना वजूद बचाने के लिए संघर्ष करता दिख रहा है। वह दिनोंदिन भूमिहीन होता जा रहा है। उनका पलायन लगातार हो रहा है। उनकी जनसंख्या कम हो रही है। कुछ जनजातियां तो विलुप्ति की कगार पर हैं। इससे सभी वाकिफ हैं, लेकिन आखिर उनका हल क्यों नहीं निकल रहा, यह चिंतनीय है।

राजनीतिक हलचल

भोजपुरी एक्ट्रेस अक्षरा सिंह लड़ेंगी चुनाव !

बिहार को नयी राजनीतिक दिशा देने का दावा करने वाले प्रशांत किशोर ने जन सुराज अभियान में भोजपुरी का तड़का लगाया है। पटना में एक्ट्रेस अक्षरा सिंह ने विधिवत रूप से अभियान की सदस्यता ली। भोजपुरी फिल्मों की अदाकारा अक्षरा सिंह ने कहा कि जिस मकसद से अभियान चल रहा है, वही मकसद उनके राजनीति में आने का है।

प्रशांत किशोर की आइडियोलॉजी से प्रभावित होकर अभियान की सदस्यता ली। अब वो जन सुराज की मेंबर बन चुकी हैं। बिहार की बेटी होने के नाते अपने प्रदेश को शिक्षित बनाना चाहती हूं। उसी मकसद का छोटा-सा कदम है। चुनाव लड़ने के सवाल पर अक्षरा ने कहा कि अगर आने वाले समय में प्रशांत किशोर चाहेंगे तो चुनाव भी लड़ूंगी।

तेलंगाना को बर्बाद करने में कांग्रेस और केसीआर बराबर के पापी: मोदी

तेलंगाना के लोग एक बीमारी को हटा कर दूसरी बीमारी को प्रवेश नहीं दे सकते

तेलंगाना दौरे पर आये पीएम मोदी ने कांग्रेस और केसीआर की पार्टी पर जमकर हमला बोला। पीएम ने कहा कि तेलंगाना के लोग केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस चुके हैं। पीएम मोदी ने कहा कि तेलंगाना में अब भाजपा का आना तय है। महबूबाबाद में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि कुछ लोग तेलंगाना में कांग्रेस को लेकर भ्रम भी फैला रहे हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि तेलंगाना को बर्बाद करने में कांग्रेस और केसीआर बराबर के पापी हैं। इसलिए तेलंगाना के लोग एक बीमारी को हटाकर दूसरी बीमारी को प्रवेश नहीं दे सकते। पीएम ने कहा कि भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए आपका भारी संख्या में आना यह दर्शाता है कि तेलंगाना एक नया इतिहास रचने जा रहा है। पीएम ने कहा कि मुझे एहसास हो गया है कि तेलंगाना के लोगों ने केसीआर सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए कमर कस लिया है। कांग्रेस और केसीआर दोनों पापी हैं, वे दोनों तेलंगाना राज्य को बर्बाद कर रहे हैं। पीएम ने कहा कि केसीआर को भाजपा की बढ़ती हुई ताकत का पहले ही एहसास हो गया था। उन्होंने कहा कि लंबे समय से केसीआर इस कोशिश में थे कि किसी तरह भाजपा से दोस्ती कर लें। जब वो एक बार दिल्ली आये थे, तो मुझसे मिलकर भी केसीआर ने यही रिक्वेस्ट की थी, लेकिन भाजपा तेलंगाना के लोगों की इच्छा के खिलाफ कोई भी काम नहीं कर सकती। पीएम ने कहा कि भाजपा ने केसीआर को मना किया है, तब से केसीआर की बीआरएस, यानी भारत राष्ट्र समिति, बौखलाई हुई है और मुझे गाली देने का कोई मौका नहीं छोड़ रही।

मुस्लिमों के लिए आइटी पार्क बनायेंगे केसीआर !

तेलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने हाल ही में एक रैली के दौरान मुस्लिमों के लिए अलग आइटी पार्क बनाने की घोषणा की। केसीआर के इस एलान को लेकर भाजपा और कांग्रेस ने उन पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता डीके शिवकुमार ने कहा कि यह कैसे संभव हो सकता है? आप अल्पसंख्यकों के लिए आइटी पार्क कैसे बना सकते हैं? मैंने पूरे देश में इस प्रकार की नीति के बारे में नहीं सुना है। इससे पहले, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी केसीआर की घोषणा को लेकर उन पर निशाना साधा था। नड्डा ने कहा था कि केसीआर का एक विशेष धर्म के लिए विशेष आइटी पार्क स्थापित करने संबंधी चुनावी वादा तुष्टीकरण के अलावा और कुछ नहीं है। गौरतलब है कि महेश्वरम में एक रैली के दौरान केसीआर ने कहा था कि यदि उनकी पार्टी सत्ता में वापसी करती है, तो अल्पसंख्यक युवाओं के लिए हैदराबाद में एक विशेष आइटी पार्क स्थापित करेगी। आइटी पार्क पहाड़ी शरीफ के पास बनेगा।

www.epaper.azadsipahi.in

28 नवंबर, 2023
मार्गशीर्ष , कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा
संवत 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची
मंगलवार, वर्ष 09, अंक 38

कलम कलम बढ़ाये जा

आजाद सिपाही

एचएएल चेयरमैन बोले, डेडलाइन से सालभर पहले 83 तेजस डिलीवर होंगे। नासिक में बन रही तीसरी प्रोडक्शन लाइन।

FLORENCE
Group of Institutions
(A Unit of : Haji Abdur Razzaque Educational Society)
Irba, Ranchi-835219 (Jharkhand)

Admission OPEN 2023-24
PLACEMENT Assistance Scholarship Facility Available
NURSING ANM GNM POST BASIC B.SC. BASIC B.SC. M.SC.
PARAMEDICAL DRESSERS DMLT ECG X-RAY OPHTHALMIC ASST. OT ASSISTANT
PHARMACY D-PHARM
Separate Hostel For Boys And Girls
M.: 9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail : fsnirba@gmail.com
Website : www.florenceinstirba.com

KUNWAR SINGH PHARMACY COLLEGE OF EDUCATION
PHARMACY COUNCIL OF INDIA
(PCI CODE-5806)
JHARKHAND STATE PHARMACY COUNCIL
D. Pharm
Total fee of Two Years- 147000/-
(No Any Extra Fee)
ADDMISSION OPEN
AT- NAWADIH, POST- ORKHAR, DHANWAR, GIRIDIH, JH-825412
6201100402
9155140177

मोदी तिरुपति मंदिर पहुंचे

तिरुपति (आजाद सिपाही)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को तेलंगाना के तिरुमाला मंदिर में दर्शन करने पहुंचे। वह यहां भगवान वेंकटेश्वर की विशेष पूजा में शामिल हुए। प्रधानमंत्री ने तिरुपति मंदिर की अपनी तस्वीरें पोस्ट कर-के लिखा कि 'तिरुमाला में श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में 140 करोड़ भारतीयों के अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण और समृद्धि के लिए प्रार्थना की। प्रधानमंत्री तीन दिन के लिए तेलंगाना दौरे पर हैं। दौरे के दूसरे दिन वह तिरुपति पहुंचे थे। उधर, प्रधानमंत्री की यात्रा के मद्देनजर तिरुपति देवस्थानम ने 27 नवंबर को वीआइपी दर्शन रद्द करने का एलान किया था।

23वां अंतरराष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन में शामिल हुए मुख्यमंत्री

डीवीसी का प्रोजेक्ट लुगुबुरु में नहीं लगेगा: हेमंत सोरेन

मुख्यमंत्री ने लोगों को किया आश्वस्त

आजाद सिपाही संवाददाता

गोमिया, बोकारो। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा है कि जब तक मैं हूं, किसी भी परिस्थिति में आदिवासी संतालियों की धार्मिक धरोहर लुगु पहाड़ पर दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित लुगु पहाड़ हाइडल पंप स्टोरेज प्रोजेक्ट को स्थापित नहीं होने दिया जायेगा। हर हाल में आदिवासी समुदाय की आस्था और विश्वास की धार्मिक धरोहर लुगू पहाड़ को संरक्षित करने का काम होगा। मुख्यमंत्री सोमवार को लुगु पहाड़ में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सरना धर्म महासम्मेलन के समापन समारोह में बोल रहे थे। इस

अवसर पर मंत्री चंपाई सोरेन, मंत्री बेबी देवी, पूर्व विधायक योगेंद्र महतो, लुगुबुरु घंटाबाड़ी के अध्यक्ष बबुली सोरेन, उपाध्यक्ष बहाराम हांसदा, सचिव लोबिन मुर्मू, उपसचिव मिथिलेश किस्कू समेत अधिकारीगण मौजूद थे।

मुख्यमंत्री ने कहा, लुगुबुरु आदिकाल से ही पूर्वजों द्वारा संचालित होता आ रहा है। समय के हिसाब से जिस प्रकार समाज जागरूक हो रहा है, उसी तरह आदिवासी सरना धर्म को भी आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति का पूजक है। पहाड़, पर्वत को वे हरा-भरा रखते आये हैं। हम आदिवासी संताल गरीब जरूर हैं, लेकिन आज तक किसी के धर्म या किसी की कोई भी चीज हो, हम गलत नजर से नहीं देखते। हम शांति और सद्भाव से हमेशा रहना चाहते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, लुगुबुरू के इतिहास को संजो कर रखना है। अगर ऐसा नहीं होगा, तो आनेवाली पीढ़ी इस संबंध में कैसे जान सकेगी। इस पर कार्य होना चाहिए। हमें अपने धर्म के प्रति जागरूक रहना है। अपने कर्तव्य को निभाना है। हर समाज के लिए शिक्षा जरूरी है। पहले तीर धनुष से लड़ाई लड़ी जाती थी, अब बुद्धि से लड़ाई होती है। इसलिए शिक्षा का महत्व है।

बाबूलाल मरांडी ने पूछा, कहां है सरकार?

सीएम हेमंत के लिट्टीपाड़ा इलाके में 21वीं सदी में जनजातीय समाज का मलेरिया से जूझना दुर्भाग्यपूर्ण

पैदल और मोटरसाइकिल से पहुंचे मलेरिया पीड़ित गांव

आजाद सिपाही संवाददाता

लिट्टीपाड़ा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने लिट्टीपाड़ा के कुटलो और सुंदरपहाड़ी के जोलो बरागो गांव में ब्रेन मलेरिया से मृतकों के परिजन एवं बीमारी से पीड़ित परिवार से मुलाकात कर वस्तुस्थिति का जायजा लिया। साथ ही मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस क्षेत्र में दो दिवसीय दौरे के बावजूद प्रभावित गांवों का दौरा कर पीड़ितों का हाल चाल नहीं लेने को उन्होंने दुखद बतलाया।

मरांडी ने कहा कि आश्चर्य लगता है कि सीएम पाकुड़ और बरहेट आये, दो दिनों तक रहे, परंतु मलेरिया प्रभावित गांव जाकर पीड़ितों और प्रभावितों से मुलाकात तक नहीं की, यह दुखद है। शायद मुख्यमंत्री इसलिए प्रभावित गांवों में नहीं आये कि अगर वह गांव जायेंगे तो उन्हें भी मलेरिया हो जायेगा। या तो वह डर गये या अफसरों ने उन्हें डरा दिया कि आप गांव जायेंगे तो बीमार पड़ जायेंगे। मुख्यमंत्री के पास तो हेलीकॉप्टर था, चाहते तो आसानी से एक दो गांव का भ्रमण कर पीड़ितों का हाल-चाल ले सकते थे। लोगों की तकलीफों को जानेंगे, तभी तो उसका सही समाधान हो पायेगा। सरकार गांव की बात करती है, दरवाजे पर जाकर समाधान करने की बात करती है, परंतु जहां लोग पीड़ित हैं, गरीब हैं, तकलीफ में हैं, वहां ही नहीं गये तो फिर क्या कहा जाये।

बाबूलाल ने राज्य सरकार को सुझाव देते हुए कहा कि हमें लगता है कि भारत सरकार की नल से जल योजना को यहां पर अमल में लाना चाहिए और इस बाबत मुख्यमंत्री को राज्य के अफसर को निर्देशित करना चाहिए। इसके लिए सप्ताह या महीना भर दिन की जरूरत नहीं है। अगर युद्ध स्तर पर काम किया गया तो यह महज दो दिनों का ही काम है। आवागमन की समुचित व्यवस्था नहीं है। नावाडीह में बिल्कुल कीचड़ है। स्वाभाविक है कि इस प्रकार की गंदगी होगी तो मच्छर पैदा होंगे और लोग बीमार पड़ेंगे। सड़क को तत्काल ठीक करने की जरूरत है। लिट्टीपाड़ा, सुंदरपहाड़ी मलेरिया का जोन है। यहां तो सरकार को स्पेशल ड्राइव चलाना चाहिए, ताकि केवल रोकथाम ही नहीं हो, बल्कि इसका स्थायी समाधान हो सके। गांव की सुविधा पर भी ध्यान देने की जरूरत है। सड़क अच्छी होगी तो जल जमाव भी नहीं होगा और इस कारण मच्छर भी पैदा नहीं होगा।

गौरतलब है कि लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा कुटलो गांव में पिछले दिनों ब्रेन मलेरिया से पांच बच्चों की मौत हो गयी थी। सोमवार को प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी बड़ा कुटलो ग्राम पहुंच कर मलेरिया से मृतकों के परिजनों और बीमारी से पीड़ित परिवार से मुलाकात कर वहां की स्थिति को ग्रामीणों से जाना। इसके अलावा लिट्टीपाड़ा प्रखंड के बड़ा कुटलो गांव जाने के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी गोड्डा जिला के सुंदरपहाड़ी प्रखंड जोलो बरागो गांव पहुंचे। सुंदरपहाड़ी में ये गांव लगभग 8 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित हैं। इस गांव में जाने के लिए सड़कें तक नहीं हैं, फिर भी प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पैदल और मोटरसाइकिल से इस गांव में पहुंच कर वहां पर मलेरिया बीमारी से मृतकों के परिजनों और मलेरिया से पीड़ित लोगों से मिल कर वहां की समस्याओं को सुना। हालात की गंभीरता को देखते हुए बाबूलाल मरांडी ने अपने सभी कार्यक्रमों को स्थगित कर लिट्टीपाड़ा और सुंदरपहाड़ी के गांवों में स्वास्थ्य स्थिति का जायजा लेने एवं प्रभावित लोगों से मिलने का निर्णय लिया, ताकि जनता को मलेरिया के प्रकोप से तात्कालिक राहत दिलाने में पहल कर सकें।

पुलिस अधिकारी ने बंगाल में खरीदे आलीशान होटल

भागलपुर में भी परिजनों के नाम खरीदी है जमीन

संताल में पोस्टेड हैं पुलिस अधिकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। साहिबगंज के नींबू पहाड़ इलाके में अवैध खनन मामले में जांच के लिए तीन दिन पहले केंद्रीय जांच एजेंसी की टीम पहुंची थी। इस दौरान जांच एजेंसी ने संताल परगना क्षेत्र में पोस्टेड दो पुलिस अधिकारियों के खिलाफ भी जांच की। इस दौरान यह बात सामने आयी कि दोनों पुलिस अधिकारियों की अवैध कमाई का एक हिस्सा राजनीतिक दलों को

सीबीआइ दस्तावेज और फाइल लेकर रांची लौटी

अवैध खनन घोटाला और मनी लांड्रिंग मामले की जांच कर रही इडी के गवाह विजय हांसदा के केस में जानकारी हासिल कर सीबीआइ की टीम वापस रांची लौट आयी। सूत्रों की मानें, तो सीबीआइ अपने साथ 15 पन्नों के दस्तावेज और पांच फाइलों की महत्वपूर्ण जानकारी विभाग को सौंपेगी। सूत्रों की मानें, तो मामले की जांच करने सीबीआइ अगले माह के पहले सप्ताह में आ सकती है। क्योंकि विजय हांसदा के केस की चार्टशीट दाखिल हो गयी है। गवाह नहीं मिलने के कारण पुलिस असत्य साबित हो चुकी है। दूसरी ओर इसी मामले की जानकारी लेने सीबीआइ साहिबगंज पहुंची थी।

दिया जाता है। इसके अलावा इनमें एक पुलिस अधिकारी ने आसनसोल, सिलीगुड़ी और तारापीठ में आलीशान होटल और बिहार के भागलपुर जिले के पीरपैंती में अपने परिजनों के नाम कई जमीन खरीदी है। दूसरे पुलिस अधिकारी का रिश्तेदार पत्थर तोड़ने में काम में आने वाली विस्फोटक सामग्री का धंधा करता है। इसका कोई लेखा-जोखा उस कारोबारी के पास नहीं है। यह पुलिस अधिकारी के परिवार का सदस्य होने के कारण दूसरे विभाग के अधिकारी ने भी उसे खुली छूट दे रखी है।

न्यूज रील्स

बिहार में आरक्षण का मामला हाइकोर्ट पहुंचा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को बढ़ाने के मामले को पटना हाइकोर्ट में चुनौती दी गयी है। गौरव कुमार और नमन श्रेष्ठ ने एक जनहित याचिका दायर की। याचिका में याचिकाकर्ता की ओर से बिहार में आरक्षण (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों के लिए) (संशोधन) अधिनियम, 2023 और बिहार (शैक्षिक संस्थानों में प्रवेश में) आरक्षण (संशोधन) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी है। याचिकाकर्ता इन पर तत्काल रोक लगाने की भी मांग की।

शाह पर टिप्पणी मामले में राहुल तलब

सुल्तानपुर। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में विचारण के लिए कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को तलब किया है। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट योगेश कुमार यादव ने यह आदेश देते हुए 16 दिसंबर को अगली सुनवाई तय की है। भाजपा नेता विजय मिश्रा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाते हुए सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानिक का मुकदमा दायर किया था।

समुद्र के अंदर सीक्रेट टनल बना सकते हैं रूस-चीन

नयी दिल्ली। रूस और चीन साथ मिलकर समुद्र के अंदर एक सीक्रेट सुरंग बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। 17 किलोमीटर (11 मील) लंबी यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी। वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक दोनों देशों के बिजनेसमैन ने रूस-क्रीमिया टनल प्रोजेक्ट पर बातचीत की है। रूस और चीन की नजदीकियां किसी से छुपी नहीं हैं, लेकिन यहां हैरानी की बात यह है कि चीन एक ऐसे इलाके में प्रोजेक्ट पर रूस का साथ देने की सोच रहा है, जिसे वो मान्यता नहीं देता।

देव दिवली: दीयों से जगमगायी काशी

बम-बम भोले के लगे जयकारे, उडी लेजर शो भी हुआ

आजाद सिपाही संवाददाता

वाराणसी। काशी में सोमवार को देव दीपावली पर 21 लाख दीये जलाये गये। शाम को जगह-जगह रंगोली बनायी गयी। इसके बाद 80 घाटों और गंगा की रेती में दीये जलाये गये। दशाश्वमेध घाट पर भव्य गंगा आरती हुई। बाद में

लाइटिंग और 3डी लेजर शो हुआ। इसे देखने के लिए देशभर से करीब 10 लाख लोग मौजूद हैं। इसके अलावा नमो घाट पर 70 देशों के राजदूत और 150 से ज्यादा विदेशी डेलीगेट्स भी हैं। विदेशी भक्त बम-बम बोल रही है काशी, जैसे गानों पर झूमे।

टनल रेस्क्यू: मशीन का हेड निकला

अब हाथ से ड्रिलिंग शुरू

वर्टिकल ड्रिलिंग भी जारी, कल ओले-बारिश की आशंका

आजाद सिपाही संवाददाता

उत्तरकाशी। उत्तराखंड की सिल्क्यारा-डंडालगांव टनल में 12 नवंबर से फंसे 41 मजदूरों को बाहर निकालने के लिए कोशिशें जारी हैं। उधर, मौसम विभाग ने उत्तराखंड में अगले 24 घंटे के दौरान बारिश और ओलावृष्टि की आशंका जतायी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि मौसम में बदलाव से रेस्क्यू ऑपरेशन में परेशानियां आ सकती हैं। इधर, रेस्क्यू टीम ने सोमवार सुबह 3 बजे सिल्क्यारा की तरफ से फंसे ऑगर मशीन के

13.9 मीटर लंबे पाट्र्स निकाल लिये। उत्तराखंड शासन के सचिव डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि पाइप में फंसे ऑगर मशीन की ब्लेड एवं साफ्ट को काटने का कार्य पूरा कर लिया गया है। ऑगर मशीन के हेड को भी निकाल लिया गया है। पहले 1.9 मीटर पाइप काटा गया था। अब मैन्युअली काम करते हुए पाइप को 0.9 मीटर आगे पुश भी किया गया है। अपर सचिव सड़क परिवहन राजमार्ग मंत्रालय महमूद अहमद ने बताया कि वर्टिकल ड्रिलिंग का काम भी तेजी से चल रहा है। अब तक 36 मीटर वर्टिकल ड्रिलिंग कर ली गयी है। गौरतलब है कि मलबे में मशीन के ब्लेड फंसने की वजह से हॉरिजॉन्टल ड्रिलिंग 24 नवंबर से बंद थी। मजदूरों तक पहुंचने के लिए 86 मीटर की वर्टिकल ड्रिलिंग जारी है। अब तक 31 मीटर खुदाई हो चुकी है। उधर, टनल में रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लेने पीएम नरेंद्र मोदी के विशेष सचिव पीके मिश्रा, गृह सचिव अजय के भल्ला और उत्तराखंड के मुख्य सचिव एसएस संधू भी पहुंचे। पीके मिश्रा ने रेस्क्यू का जायजा लिया और फंसे मजदूरों से बात की।

दिल्ली के रहने वाले मुन्ना अपने सहयोगी रैट माइनर्स के साथ सिल्क्यारा टनल साइट पर पहुंच चुके हैं। ये लोग मैन्युअल ड्रिलिंग के एक्सपर्ट वर्कर हैं। टनल के अंदर फंसे मजदूरों पर नजर रखने के लिए रोबोटिक्स की मदद ली जा रही है।

पलामू इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मेसी
चियांकी, मेदिनीनगर (डालटनगंज), पलामू, झारखण्ड
पी.सी.आई., नई दिल्ली एवं स्टेट फार्मेसी काउंसिल, रांची, झारखण्ड एवं नीलाम्बर-पीताम्बर विश्वविद्यालय, मेदिनीनगर (डालटनगंज), पलामू, झारखण्ड से मान्यता प्राप्त
कॉलेज क्रमांक :- पी.सी.आई.-4112
Prof.(Dr.) Md Saquib Hasnain
Principal
Palamau Institute of Pharmacy
Dr. R.P. Sinha
MBBS, MD, FIAMS
Chairman, Palamau Institute of Pharmacy
D. Pharm 2-YEARS
B. Pharm 4-YEARS
मात्र ₹45,000 / सेमेस्टर
सुविधायें :-
छात्रवृत्ति की सुविधा उपलब्ध।
आसान किस्तों में फीस जमा करने की सुविधा उपलब्ध
सुसज्जित प्रयोगशाला की सुविधा उपलब्ध
निःशुल्क पुस्ताकालय की सुविधा उपलब्ध
छात्रावास एवं मेस की सुविधा उपलब्ध
वाहन की सुविधा उपलब्ध।
नामांकन प्रारंभ
सत्रः- 2023-24
9771951888 7667180464, 9431788482
सीटी कार्यालय :- डॉ. आर.पी. सिन्हा कैम्पस, नावाटोली, मेदिनीनगर (डालटनगंज), पलामू
कॉलेज कार्यालय :- एलिट पब्लिक स्कूल कैम्पस, चियांकी, मेदिनीनगर (डालटनगंज), पलामू

एसोसिएशन ऑफ सर्जन का कांफ्रेंस 1 से

कोडरमा (आजाद सिपाही)। रविवार देर शाम एसोसिएशन ऑफ सर्जन कोडरमा इकाई की एक बैठक शिव वाटिका में आहूत की गयी। बैठक की अध्यक्षता डॉ रंजन कुमार ने किया। इस दौरान आगामी कान्फ्रेंस को लेकर बिस्तृत चर्चा की गयी। बताते चले कि कान्फ्रेंस 1, 2 और 3 दिसंबर को झुमरीतिलैया के जिमखाना क्लब में होगा जिसमें देश भर से लगभग 250 सर्जन पहुचेंगे। इस कान्फ्रेंस में सर्जरी में प्रयोग होने वाले नये नये तकनीक पर ब्याख्यान प्रस्तुत करेंगे। कान्फ्रेंस का थीम मरीजों के सुरक्षा और क्वालिटी इम्प्रूवमेंट पर है। मौके पर डॉ सुजीत राज, डॉ अरुण, डॉ अरुण अबोध, डॉ संदेश, डॉ नरेश पंडित, डॉ विकास, डॉ अजय सेठ, डॉ संदीप, डॉ प्रमोद, डॉ रचना गुप्ता, डॉ अभिलाषा, डॉ आशा, डॉ भावना, डॉ राजन, डॉ नम्रता, डॉ सुधा, डॉ राजीव कांत पांडेय मौजूद रहे।

जिप अध्यक्ष ने नाली निर्माण का किया उद्घाटन

चंदवारा (आजाद सिपाही)। चंदवारा प्रखंड के चन्दवारा पूर्वी पंचायत के श्रीराम चौक पर 15 वे वित्त अनुदान आबद्ध निधि अंतर्गत श्री राम चौक से महरू मोदी घर तक पक्की नाली ढक्कन सहित निर्माण कार्य का शिलान्यास जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव, जिप सदस्य नीतू यादव, मुखिया अनिता देवी ने संयुक्त रूप से नारियल फोड़ कर किया। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि पक्की नाली निर्माण हो जाने इस सड़क मे आने जाने वाले राहगीरों को किचड़ से छुटकारा मिलेगा। जिप सदस्य नितु यादव ने संवेदक से गुणवता पूर्ण कार्य करने कि बात कही और उन्होने कहा कि अपने जिला परिषद क्षेत्र मे विकास करना हमारी पहली प्राथमिकता है जनता ने जो उम्मीद के साथ हमे अपना मत देकर मुझे इस लायक चुना है उनकी हर उम्मीदों के साथ खड़ा रहने का प्रयास करूंगी। मौके पर पूर्व विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मण यादव, महामंत्री नन्दकिशोर सोनी, विजय मोदी, कृष्णा राणा, संजय दास, श्रवण सोनी समेत कई लोग मौजूद थे।

बैंक ऑफ इंडिया का ऋण अदायगी शिविर

मरकच्चो (आजाद सिपाही)। बैंक ऑफ इंडिया मरकच्चो और जामू शाखा के द्वारा 29 दिसंबर को सुबह 10:30 बजे से स्थायी लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। उक्त बातों की जानकारी बैंक ऑफ इंडिया शाखा के शाखा प्रबंधक सुशील कुमार व जामु शाखा के शाखा प्रबंधक संजीव कुमार ने संयुक्त रूप से दी। उन्होंने बताया कि जिस प्रकार मार्केट में बिग बीलियम सेल आता है। सभी प्रोडक्ट में बंपर छूट दी जाती है, ठीक उसी प्रकार बैंक ऑफ इंडिया ने यह घोषणा की है कि अपने एनपीए खाताधारियों को एक मुक्त समझौता पर भारी-भरकम छूट दी जायेगी। शिविर में बैंक ऑफ इंडिया हजारीबाग अंचल से आंचलिक प्रबंधक वी वी के किशोर, आंचलिक प्रबंधक राजेश कुमार बैस, मुख्य प्रबंधक ऋण वसूली विभाग के संतोष कुमार सिन्हा, स्थाई लोक अदालत के चेयरमैन जज अमृत लाल यादव, सदस्य बालेश्वर राम, ममता सिंह, पेशकार महेंद्र नारायण, रंजीत पांडे बैंक ऑफ इंडिया कोडरमा से अग्रणी जिला प्रबंधक अजय राणा, क्षेत्रीय प्रबंधक विमल कांत झा समेत बैंक ऑफ इंडिया शाखा के सभी कर्मी उपस्थित रहेंगे।

राज इंटरनेशनल स्कूल में गुरु नानक जयंती मनी

कोडरमा (आजाद सिपाही)। राज इंटरनेशनल स्कूल में गुरु नानक जयंती का पर्व बड़े हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आरंभ अतिथियों का तिलक, दीप प्रज्वलन तथा गुरु नानकदेव के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन कर-के किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत गुरु नानक देव जी के मूल मंत्र के उच्चारण से की गयी। विद्यालय के अध्यक्ष रामलखन सिंह भी उपस्थित रहे। प्री प्राइमरी कोऑर्डिनेटर दलजीत कौर द्वारा शबद गुरबानी कीर्तन से सभी बच्चों को निहाल किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की शिक्षिका प्रीति सिंह ने गुरु नानक जयंती से संबंध बहुमूल्य जानकारी बच्चों को प्रदान की। विभिन्न वर्ग के छात्र छात्राओं ने गुरु नानक देव जी से संबंधित कविताए, भाषण, प्रेरक प्रसंग तथा उनके विचारों को व्यक्त किया। विद्यालय के अध्यक्ष रामलखन सिंह ने बच्चों की प्रतिभा की सरहाना की। कार्यक्रम का संचालन कक्षा चतुर्थ की आश्वी सिंह तथा कक्षा पंचम की अल्फिया नोमानी ने किया। विद्यालय के सीइओ एके लाल ने बच्चों की सराहना की तथा शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट करते हुए गुरु नानक जी द्वारा बताये गये रास्ते पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम में स्कूल के एचआर आशीष मृणाल, प्रदीप गुरु, सैफुद्दीन खुशदिल और विद्यालय के अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

सेक्रेड हार्ट स्कूल ने ग्रिजली विद्यालय को 40 रन से हराया

कोडरमा (आजाद सिपाही)। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में खेले जा रहे इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट में सोमवार को स्थानीय सी एच हाई स्कूल मैदान में सेकरेड हार्ट स्कूल और ग्रिजली विद्यालय के बीच मैच हुआ। पहले बल्लेबाजी करते हुए सेक्रेड हार्ट स्कूल ने निर्धारित 35 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 232 रन बनाये। जिसमें सक्षम ने 60 रन अंकित ने 30 रन शिवम ने 26 और आशीष ने 23 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी करते हुए ग्रिजली विद्यालय की ओर से अभय ने तीन विकेट प्रिंस ने दो विकेट राज और कुमार आदित्य ने एक-एक विकेट लिए। विद्यालय की ओर से राज ने 34 रन अभय ने 26 रन और रामानुज ने 24 रन बनाये। गेंदबाजी करते हुए सेक्रेड हार्ट स्कूल की ओर से अमन ने चार विकेट विशाल, सक्षम और शिवम ने एक-एक विकेट लिए। बेहतर खेल के लिए सेक्रेड हार्ट स्कूल के अमन को मैन ऑफ द मैच मिला। मैच में अंपायर अमित कुमार और विभु लोहानी तथा स्कोरर अक्षय कुमार थे।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष, 13 लोग घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

बरकट्ठा। थाना क्षेत्र के ग्राम माधोपुर और लोकिया गांव के सीमावर्ती पर जमीन विवाद को लेकर दो गांवों के लोगों के बीच खुनी संघर्ष में तेरह लोग घायल हो गये। घायलों में संजीत यादव पिता नारायण यादव 16 वर्ष, सारो देवी पति जगू महतो 60 वर्ष, जसवा देवी, पति महावीर यादव 45 वर्ष, अम्बिका देवी पति कन्हाई यादव 60 वर्ष, चिंता देवी पति गोकुल यादव 35 वर्ष, प्रमिला देवी पति नारायण यादव 31 वर्ष, रामसागर यादव पिता महावीर यादव 26 वर्ष, केदार यादव पिता गुड्डु महतो 45 वर्ष सभी लोकिया निवासी कलावती देवी पति लाली यादव 65 वर्ष, गुलाब यादव पिता लाली यादव 25 वर्ष, प्रमोद यादव पिता छत्रु यादव 35 वर्ष, अरुण यादव पिता लाली 35 वर्ष, सुरेश यादव पिता छत्रु यादव 37 वर्ष सभी माधोपुर निवासी शामिल हैं। घायलों का उपचार सामुदायिक स्वास्थ्य में किया गया। वहीं सुरेश यादव को बेहतर इलाज के लिए रेफर किया गया। लोगों के मुताबिक लोकिया और माधोपुर गांव के सीमाने पर गैरमजरुआ भुमि को लेकर बीते एक वर्ष से विवाद चलता आ रहा है। वहीं थाना प्रभारी ने बताया कि दोनों पक्षों से आवेदन प्राप्त हुआ है। आवेदन के आधार पर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

मंदिर में गायत्री हवन यज्ञ का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

बड़कागांव। कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर बड़कागांव प्रखंड के विभिन्न गांवो में नदियों और तालाबों में स्नान किया तत्पश्चात विभिन्न मंदिरों में पुजा अर्चना किया।सुबह से ही मंदिरों में भीड़ उमड़ी। बड़कागांव के सूर्य मंदिर, काली मंदिर, दुर्गा मंदिर, राधेश्याम मंदिर, हरली के शिव मंदिर, महुगाई के शिव मंदिर, तलसवार के शिव मंदिर में पूजा अर्चना की गयी। राम जानकी मंदिर में गायत्री हवन यज्ञ का आयोजन हुआ। इसका नेतृत्व बजरंग दल के प्रखंड महामंत्री पिंटू गुप्ता ने किया। गायत्री हवन यज्ञ हजारीबाग के शक्तिपीठ के प्रतिनिधि रामनाथ महतो ने मंत्र उच्चारण के साथ करवाया। और कथा वाचन प्रस्तुति की। पिंटू गुप्ता ने कहा कि हर महीने गायत्री हवन यज्ञ होने से क्षेत्र के वातावरण शुद्ध होता है। गलत रास्ते में भटकने वाले किशोर व युवा वर्ग नैतिक, सामाजिक, शैक्षणिक और धार्मिक कार्यों में जुड़कर नये समाज का निर्माण करते हैं। इसीलिए यहां पर हर महीने पूर्णिमा के दिन गायत्री हवन यज्ञ कराया जाता है। मौके पर राम जानकी मंदिर के पुजारी चिंतामणि महतो ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा के मौके पर राम जानकी मंदिरमें भगवान विष्णु लक्ष्मी, भगवान शंकर, पार्वती और सारे देवी देवताओं का भोग लगाया गया। मौके पर पिंटू गुप्ता, चिंतामणि महतो, गायत्री देवी, कैलाश महतो, आनंद कुमार महतो, नीलम वर्मा, बीना देवी, यशोदा देवी, ममता देवी, दीपिका गुप्ता, माधुरी कुमारी, नेहा कुमारी, गायत्री देवी, कपूर गुप्ता, पार्वती देवी, झरना देवी, चांदनी देवी, मिलन बॉस, अंतू महतो, गोपाल घोष, बंधन महतो, राजेंद्र सिंह हवन यज्ञ में भाग लिया।

समाजसेवी तिलानाथ सिंह कुशवाहा का निधन

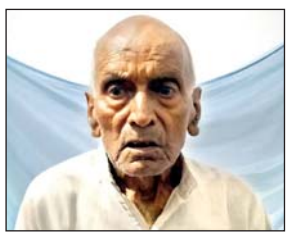

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रखंड में कई स्कूलों का निमार्ता जाने-माने समाजसेवी तिलानाथ सिंह कुशवाहा(उम्र 95 वर्ष) का निधन सोमवार को 9:15 बजे प्रवाहन हो गया। वे कई दिनों से बीमार थे।इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। उनके निधन की सूचना पाकर पूरा बड़कागांव शोक में डूब गया। उनके दर्शन करने के लिए लोगों की भीड़ लग गई। यह अपने पीछे भरा - पूरा परिवार छोड़ गये। तिलानाथ सिंह कुशवाहा 19 साल की आयु से समाजसेवी में जुड़ गये थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर नर्सिंग मंदिर में मेले का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। कार्तिक माह के अंतिम दिन में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर जिले के प्राचीन नर्सिंग स्थान मंदिर परिसर में भव्य मेले का आयोजन किया गया है। यह मंदिर हजारीबाग जिला मुख्यालय से तकरीबन 7 किलोमीटर दूर कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र के खपरियावां गांव में अवस्थित है। बताते चले की लगातार पांच शताब्दी से मंदिर परिसर में मेले का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर नरसिंह भगवान की पूजा करते हैं। मान्यता है कि यहां पर पूजा अर्चना करने से श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती है। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंदिर परिसर में लाखों की संख्या में लोगों की भीड़ देखी रही। सदर विधायक मनीष जयसवाल, कांग्रेस नेता जयशंकर पाठक सहित कई जनप्रतिनिधियों ने पुजा कर आशीर्वाद प्राप्त किया जबकि लोग गन्ना और गेंदा फूल के साथ भगवान की पूजा अर्चना करते रहे तथा प्रसाद के रूप में गन्ना को ग्रहण करते रहे। पुलिस प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा के दृष्टिकोण से पुख्ता इंतजाम भी किये गये हैं।

भाजपा नेता ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

आजाद सिपाही सवांददाता

इचाक। प्रखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत बरका खुर्द के सायल कला गांव में ट्रांसफार्मर कई दिनों से जल जाने के कारण लोगों को सिंचाई के साथ-साथ घरों में भी किसानों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। आंदोलनकारी सह भाजपा नेता आर के मेहता ने किसानों की परेशानियों को देखते हुए विभाग से संपर्क साधा और 25 केवीए ट्रांसफार्मर की जगह 63 केवीए ट्रांसफार्मर वहां के किसानों को दिलाया।

जिसका उद्घाटन सोमवार को किया उद्घाटन मौके पर सांसद प्रतिनिधि ओम प्रकाश मेहता, मुखिया सीता कुमारी, पंचायत समिति सदस्य प्रदीप कुमार मेहता, श्रीकांत मेहता, शंभू मेहता, प्रमोद मेहता, विनय मेहता, दीपक मेहता, सीताराम भुइंया, बिरजू मेहता, शन्नी मेहता, अर्जुन राम, पंकज प्रजापति समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रिजली विद्यालय में मनायी गयी गुरुनानक जयंती

आजाद सिपाही संवाददाता

झुमरीतिलैया। ग्रिजली विद्यालय में आध्यात्मिक उत्साह और हर्षोल्लास के साथ सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव जी की जयंती मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के सीइओ प्रकाश गुप्ता, उप प्राचार्या अंजना कुमारी ने गुरुनानक देव जी की तस्वीर पर माल्यार्पण और पुष्प अर्पित और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर विद्यालय के सीइओ प्रकाश गुप्ता ने कहा कि ग्रिजली विद्यालय में इस प्रकार के उत्सवों ने इन शिक्षाओं को खूबसूरती से प्रतिबिंबित किया है, जिससे हमारे छात्रों के बीच एकता और सम्मान की भावना को बढ़ावा मिलता है। ग्रिजली विद्यालय द्वारा गुरुनानक देव जी की जयंती का आयोजन अपने छात्रों के बीच सांस्कृतिक जागरूकता और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने, आपसी सम्मान और समझ के माहौल को बढ़ावा देने के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता का एक प्रमाण है। उन्होंने गुरु नानक देव जी के जीवन का हवाला देते हुए सिख धर्म में अंतर्निहित करुणा, समानता और निस्वार्थ सेवा के मूल सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए छात्रों से उनके बताये गये मार्ग पर चलने की अपील की। वही उप प्राचार्या अंजना कुमारी ने कहा कि ये उत्सव ग्रिजली विद्यालय की न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, बल्कि ऐसे कार्यक्रमों तथा उत्सवों से अपने छात्रों के जीवन को समृद्ध करते हैं, जो की दयालु और सहानुभूतिपूर्ण व्यक्तियों की एक पीढ़ी को बढ़ावा देते हैं। छात्र सौरव चौधरी ने अंग्रेजी में भाषण प्रस्तुत करते हुए गुरुनानक देव जी के जीवन को छात्रों के बिच रखा। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सिख समुदाय के छात्र जो की पारंपरिक परिवेश में उपस्तिथ थे उनके द्वारा प्रस्तुत की गयी विभिन्न कार्यक्रम थे। विद्यालय के छात्र गुरविंदर सिंह, हरप्रीत कौर, जुगाद सिंह, सिमरनजीत सिंह, रौनक सलूजा और शिक्षिका हिमांशी कौर, गार्गी कपूर ने कार्यक्रम की शुरूवात कीर्तन के द्वारा की। तत्पश्चात शबद, आनंद साहिब और अरदास की प्रस्तुति की गयी। कार्यक्रम को सफल बनाने में संयोजक विजय कुमार सिंह, जीतेन्द्र कुमार चौधरी, बी डी नस्कर, अनुराग कुमार सिंह, तुषार रॉय चौधरी, प्रीति जगनानी, सीसीए संयोजक पंकज उपाध्याय, स्टूडेंट सर्विस सेल के संयोजक सुधांशु कुमार, स्पोर्ट्स संयोजक अमित दास, शिक्षक संजीव कुमार जयसवाल, नागेंद्र कुमार, रवि दत्त पांडेय, कृष्णा कुमार सहित पुरे विद्यालय परिवार की भूमिका सराहनीय रही।

हजारीबाग में मनाया गया संविधान दिवस

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। माता सहायिक सदन, कैनरी हिल रोड, मरियम टोली में संविधान दिवस मनाया गया। संस्था के सेक्रेटरी सिस्टर कुलंदाई थेरेसा ने भारतीय संविधान के जनक डॉ. बीआर अंबेडकर की 125वीं जयंती के अनुरूप वर्ष 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में मनाया गया था। यह दिन बीआर अंबेडकर के साथ-साथ संविधान के उन मूल्यों का जश्न मनाता है जिन पर भारत का निर्माण हुआ है, तथा कहा की एकदूसरे के साथ भाईचारा प्रेम के साथ रहें तथा आगे बढ़े और एक दूसरे को सम्मान करें। इस कार्यक्रम में सिस्टर जोसेफिन डायना ने भारत का संविधान पर कंप्यूटर, ब्यूटीशियन तथा टेलरिंग के छात्र छात्राओं के साथ शपथ दिलाया। इस दिवस पर संस्था के शिक्षक मो बरकात, जसमीत कौर, पुष्पा देवी और ललिता देवी तथा नॉनफोर्मल टीचर्स आनंद कुमार, पल्लवी कुमारी, पूजा कुमारी उपस्थित थे।

विष्णुगढ़ में बांटे गये गैस चुल्हा और सिलेंडर

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। इंडेन ग्रामीण गैस वितरक खरकी के द्वारा प्रधानमंत्री उज्वला योजना के तहत 40 लाभुकों के बीच गैस चूल्हा, सिलेंडर, रेगुलेटर तथा पाइप का वितरण किया गया। वितरण सांसद प्रतिनधि मधुसुदन प्रसाद ने किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार की इस योजना से महिलाओं को बड़ी मुसीबत से निजात मिल गई है। घर का चुल्हा जलाने के लिए अब उन्हें इधर उधर भटकना नहीं पड़ता है। घर बैठे सब जुगाड़ हो जाता है। लकड़ी बिनने और खर पतवार चुनने से उन्हें मुक्ति मिल गई है। गृहणियों की इस समस्या पर पहले की सरकारों ने कभी ध्यान नहीं गया। कहा कि हर गृहिणी केंद्र सरकार की इस योजना की सराहना करती है। कस्बों में तो जलावन कोयला उपलब्ध हो जाता था, मगर ठेठ देहात की महिलाओं को भारी परेशानी होती थी। मौके पर वितरक पार्वती कुमारी, तारकेश्वर महतो, कंचन देवी, बिमला देवी, हेमलता वर्णवाल, रामचन्द्र महतो, नकुल कुमार, धीरज कुमार, चुनिया कुमारी, रौशनी कुमारी, मीना देवी, पूनम कुमारी, रधिया कुमारी, अंजलि कुमारी, सुमन कुमारी, ममता देवी, काजल कुमारी व अन्य मौजूद थे।

प्रो ब्रज किशोर मेहता बने हजारीबाग जिला कांग्रेस शिक्षा विभाग के अध्यक्ष

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी शिक्षा विभाग के प्रदेश अध्यक्ष डॉ श्याम नारायण सिंह ने कांग्रेस प्रदेश भवन रांची में बरवा गांव निवासी प्रो ब्रजकिशोर मेहता को हजारीबाग जिला कांग्रेस शिक्षा विभाग का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। ब्रजकिशोर मेहता ने जिला अध्यक्ष बनने पर कहा की कांग्रेस पार्टी ने जो मुझे जिम्मेदारी सौंपी है उसे मै निष्ठा पूर्वक निर्वाहन करूंगा और कांग्रेस को सुदृढ़ करते हुए पूरे निष्ठा से कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाऊंगा। जिला अध्यक्ष चयनित होने पर प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन, श्याम नारायण सिंह, डॉ तौशिफ, डॉ बिरसा उरांव, मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव, आलमगीर आलम, बादल पत्रलेख, बन्ना गुप्ता, डॉ आरसी प्रसाद, केडी सिंह, सुनील सिंह, जंग बहादुर पांडे, पप्पू पासवान, चंद्रशेखर भगत, एनके पाठक, केशव महतो कमलेश, शहजादा अनवर, जलेश्वर महतो, शैलेंद्र यादव, शशि मोहन सिंह, साजिद अली खान, लालमोहन रविदास, सुदीप धवन, चंद्रदेव मेहता, गिरधारी महतो सहित दर्जनों लोगों ने प्रोफेसर बीके मेहता को बधाइयां दी हैं।

सोहराय पर्व पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। प्रखंड के बरबनिया टोला इंद्रा गांव में सोहराय पर्व के शुभ अवसर पर फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन करने को लेकर बैठक किया गया। बैठक की अध्यक्षता आजसू पार्टी के एसटी मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष गणेश मांझी के अध्यक्षता में किया गया। जिसमें सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि सोहराय पर्व के शुभ अवसर पर ग्राम पर बरबनिया टोला इंद्रा में फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन 3 जनवरी 2024 किया जाएगा। जिसको लेकर कमेटी का गठन किया गया। जिसमें अध्यक्ष जेकब सोरेन, सचिव गणेश मांझी, कोषाध्यक्ष राजू मुर्मू,संरक्षक किशोर हसदा, सदस्यों में हीरालाल सोरेन, पंचम सोरेन, राजन सोरेन, गहनू सोरेन, गणेश सोरेन, कृष्ण करमाली, मुकेश शर्मा, राजू कुमार, दिनेश कुमार, बबलू कुमार, राजा कुमार, बरसा मांझी, राकेश कुमार, गुलाब कुमार, सूरज कुमार, रूपचरण कुमार, बहादुर कुमार, संजय कुमार सहित दर्जनों को सदस्य बनाया गया।

'आपकी योजना आपकी सरकार' को लेकर नाटक

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। विष्णुगढ़ प्रखंड में ज़िला जनसंपर्क विभाग, हजारीबाग के तत्वावधान में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार अभियान में आमलोगों को जागरूक और जन भागीदारी के लिए आमजनों की स्थानीय भाषा-बोली में नुक्कड़ नाटक कर प्रेरित किया गया जा रहा है। नुक्कड़ नाटक की प्रस्तुति कर आम लोगों को पंचायत स्तर पर आयोजित आपके अधिकार, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में भागीदारी करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में चेडरा पंचायत के मुखिया निर्मल कुमार, वार्ड सदस्य पूनम कुमारी, उप मुखिया राहुल गुप्ता ने कार्यक्रम को देखकर सरकार की योजनाओं का लाभ लेने के लिए लोगों को अपील भी किया। टीम में पवन रजक, दीपक कुमार, प्रिया कुमारी, नेहा कुमारी, अनिल कुमार, सौरभ, रोहित थे।

आजाद सिपाही
रांची, मंगलवार, 28 नवंबर, 2023
www.azadsipahi.in

लुकैयाटांड़ में सोबरन मांझी के 66वें शहादत दिवस में शामिल हुए सीएम

राज्य में अंधों-बहरों की नहीं, संवेदनशील सरकार चल रही: हेमंत

25.64 करोड़ की 34 योजनाओं का ऑनलाइन उद्घाटन: शिलान्यास

अंजनी कुमार

गोला (आजाद सिपाही)। सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि झारखंड राज्य शहादत का देन है। सपूतों की कुर्बानियों के कारण ही हमें अलग राज्य नसीब हुआ। सीएम अपने पैतृक गांव रामगढ़ जिला के गोला प्रखंड अंतर्गत बरलंगा के समीप लुकैयाटांड़ में आयोजित सोबरन मांझी के 66वें शहादत दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। सीएम ने कहा कि बेरोजगार युवा, महिला सामने आकर रोजगार ढूंढ़ें, सरकार उन्हें पूंजी देगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोबरन मांझी की याद में हम सब लोग उनके विचारों, उनके बलिदान को गुरुजी के पास साफ देख पाते हैं। हमें ऐसा लगता है कि ऐसे ही सपूतों की वजह से हमें राज्य मिला है।

झारखंड की भौगोलिक स्थिति काफी कठिन: मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड की भौगोलिक स्थिति काफी कठिन है। कई जगहों पर सरकार की योजना और आवाज नहीं पहुंच पा रही थी। सरकार की योजना और आवाज जन-जन तक पहुंचे, इस वजह से सरकार आपके द्वार कार्यक्रम चला रही है। सभी वर्ग के लोग इसका लाभ अवश्य लें। जब आप योजना का लाभ लेने के लिए बने कार्यक्रम में नहीं जायेंगे, तो सरकार का यह उद्देश्य ढाक का तीन पात साबित होगा।

युवा रोजगार के लिए आगे आये

सीएम ने कहा कि युवा वर्ग रोजगार के लिए आगे आयें। सरकार उन्हें सस्ते दर पर लोन मुहैया करायेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंचायत आपके द्वार कार्यक्रम में आपकी समस्याओं का समाधान वहीं पर होगा और जो समस्या सरकार के स्तर की होगी, उसका भी निदान जल्द होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि 60 साल के ऊपर विधवा, दिव्यांग सहित सभी को पेंशन योजना का लाभ सरकार दे रही है। साथ सीएम ने कहा कि आठवीं पास लड़कियों के लिए दूल्हा ढूंढा जाता है। इसे रोकने के लिए राज्य सरकार ने सावित्री बाई फुले योजना शुरू की है। इसके तहत अब कोई भी लड़की पैसे के अभाव में पढ़ाई नहीं छोड़ेगी।

इंटर पास लड़कियों की पढ़ाई का खर्च सरकार उठायेगी: सीएम ने कहा कि इंटर पास लड़कियों की आगे की पढ़ाई का खर्च सरकार उठायेगी। वहीं स्वरोजगार के लिए किसानों को सरकार स्तर से दी जानेवाली गाय, बकरी, सूअर आदि जानवरों का बीमा कराया जा रहा है। आनेवाले समय में देश के मानचित्र पर नेमरा ओर बरलंगा की पहचान दिखेगा। इसके लिए पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गयी है।

एयरकंडीशनर रूम में नहीं, आपकी चौखट पर बनेंगी योजनाएं

सीएम ने कहा कि हमारी सरकार एयरकंडीशनर रूम के अंदर योजना नहीं बना कर जनता के बीच जाकर योजना बनाती है। पिछले चार वर्ष में सरकार ने कोरोना जैसी विषम परिस्थितियों से निपट कर राज्य के 80 से 90 हजार युवाओं को सरकारी ओर गैरसरकारी कामों में नौकरी दी है। सीएम ने कहा कि अब राज्य की जनता को प्रधानमंत्री आवास योजना से अच्छा अबुआ आवास मुहैया कराया जा रहा है, जिसके तहत तीन कमरों का आवास सरकार उपलब्ध करा रही है।

25.64 करोड़ की लागत की योजनाओं का श्रीगणेश: कार्यक्रम के बाद सीएम ने पूरे जिले में 25 करोड़ 64 लाख की लागत से संचालित विभिन्न विभागों की दर्जनों योजनाओं का ऑनलाइन उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसमें रामगढ़ और बड़कागांव विधानसभा की 34 योजनाएं शामिल हैं।

सोबरन सोरेन को दी श्रद्धांजलि

लुकैयाटांड़ स्थित शहीद स्थल में राज्यसभा के सांसद शिबू सोरेन ने अपने पिता को और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपने दादा शहीद सोबरन सोरेन को उनके 66वें शहादत दिवस पर श्रद्धांजलि दी। उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के दौरान सीएम ने आपदा और सड़क दुर्घटना में मारे गये लोगों के परिजनों के बीच 13 लाख की परिसंपत्तियों का वितरण किया।

नेमरा को एक पहचान दिलाने का वादा कर आस जगायी हेमंत सोरेन ने

गोला (आजाद सिपाही)। सोबरन सोरेन के शहादत दिवस कार्यक्रम में अपने गांव के मुख्यमंत्री बेटा को देखने के लिए लुक्या टांड़ में ग्रामीणों की भीड़ देखी गयी। खास कर बरलंगा आस पास के ग्रामीण काफी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान त्योहार जैसा माहौल दिखा। कार्यक्रम स्थल में झूला सहित बच्चों का मनोरंजन के लिए कई समान थे। जैसे ही मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर उतरा जिंदाबाद के नारों से गूंजने लगा। मुख्यमंत्री पूरे कार्यक्रम के दौरान कूल दिखे। मंच में डीसी, एसपी को कई दिशा निर्देश देते हुए दिखाई दियें। मुख्यमंत्री ने मीडियाकर्मियों को निराश नहीं किया। उन्होंने अपने गाड़ी में चढ़ कर मीडिया के सवालों का जवाब दिया। अपने गांव के लोगों के साथ मिले। उनका समस्या सुना। कई ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को आवेदन भी दिया है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों को यह वादा किया कि नेमरा को एक पहचान दिलाने का काम किया जायेगा। पहले की सरकार ने इस क्षेत्र के लिए कुछ काम नही किया। सड़के चकाचक बन के तैयार है। आगे भी बड़ा बड़ा काम किया जायेगा। गांव के बुधू मांझी ने आजाद सिपाही से कहा कि हेमंत सोरेन की सरकार गांव की सरकार है। नेमरा का बेटा राज्य का नेतृत्व कर रहा है। इससे बड़ी खुशी की क्या बात हो सकती है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी इस क्षेत्र को कभी भी नही भूले है। इसी गांव के रोशिला देवी ने कहा कि राज्य में हेमंत सोरेन की सरकार आते ही आदिवासी, दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्ग को उनका हक मिल रहा है। रोज नये-नये अवसर खुल रहे है। कार्यक्रम के दौरान फुटबॉल मैच का फायनल मैच भी खेला गया। विजेता व उपविजेता टीम को पुरस्कृत किया गया।

काली मंदिर में अखंड हरिकीर्तन संपन्न

कुजू (आजाद सिपाही)। श्री श्री काली पूजा समिति, डटमामोड़ के सौजन्य से जीएम कॉलोनी डटमामोड़ स्थित काली मंदिर प्रांगण में 24 घंटे का अखंड हरिकीर्तन सोमवार को भव्य भंडारा के साथ सम्पन्न हो गया। कार्यक्रम में पंडित धीरन मुखर्जी ने यजमान बने संजय सिंह, पंकज शर्मा और हरि महतो को विधिवत पूजार्चना कराया। तत्पश्चात भव्य भंडारा का आयोजन किया गया। जिसमें आसपास के क्षेत्र से आये लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर सीसीएल कुजू जीएम नीरज सिन्हा, सीसीएल अधिकारी पीसी साहू, एसके ओझा, अजित सिंह, पवन सिंह, हेमंत सिंह, विवेक कुमार, जगदीश महतो, तिवारी महतो, गोपाल ठाकुर, मंजूषा कुमारी, किरण देवी, अनू कुमारी, विजय पांडेय, एन पाठक, योगेंद्र सिंह, सुमित झा, बसंत लाल, शुक्ला, राकेश उपाध्याय, निर्भय कुमार दुबे, अमर कृष्णा अमर, अरुण कुमार, भोला उपाध्याय, मिंटू पांडेय, कृष्णा बिहारी, नंदलाल कुमार, सुजीत झा, आकाश ओझा समेत कई धर्मप्रेमी मौजूद रहे।

अपनी जमीन खोकर नौकरी के लिए पलायन कर रहे स्थानीय विस्थापित: रोशनलाल चौधरी

उरीमारी (आजाद सिपाही)। पोटंगा पंचायत क्षेत्र अंतर्गत जरजरा के सामुदायिक भवन में स्थानीय विस्थापितों की एक आवश्यक बैठक हुई। बैठक में मुख्य रूप से आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विधानसभा प्रभारी श्री रोशनलाल चौधरी जी उपस्थित थे। बैठक के दौरान स्थानीय विस्थापितों ने श्री रोशनलाल चौधरी जी के समक्ष अपनी समस्या रखी। विस्थापितों ने कहा की सीसीएल के द्वारा उनके जमीन का अधिग्रहण किया गया। किंतू कई वर्ष बीत जाने के उपरांत भी आज तक उन्हें उचित मुआवजा एवम लाभ सीसीएल के द्वारा नहीं मिला है। सीसीएल प्रबंधन ने विस्थापितों के साथ छल किया है। विस्थापितों को संबोधित करते हुए श्री रोशनलाल चौधरी ने कहा कि विस्थापितों को उचित हक अधिकार के लिए आजसू पार्टी आंदोलनात्मक कदम उठायेगी। विधानसभा क्षेत्र में संचालित विभिन्न ओधौगिक उपक्रम स्थानीय जनता के साथ धोखेबाजी कर रहे हैं सीसीएल, एनटीपीसी सभी उद्योगों का यही हाल है। ग्रामीणों की जमीन का अधिग्रहण करना और मुआवजा के नाम उन्हें औने पौने दाम देकर देकर धोखा देना, नौकरी में बाहर से लोगों को बुलाकर रखना, इनका पेशा हो गया है। उद्योग अपनी रोटी सेंक रहे और विस्थापित अपनी जमीन खोकर भी रोजगार के लिए अन्यंत्र दूसरे राज्यों में पलायन कर रहे हैं। अब ये सब नहीं चलेगा औधोदिक उपक्रम के खिलाफ आंदोलन का शंखनाद होगा। मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय सदस्य सुनील उरांव, रामगढ़ जिला उपाध्यक्ष बिंदेश बेदिया, आजसू एसटी मोर्चा प्रखंड अध्यक्ष गणेश मांझी, आजसू पंचायत अध्यक्ष ऊरीमारी दशरथ प्रजापति, पंसस किशोर बेदिया, राजेंद्र बेदिया, वार्ड सदस्य देवन बेदिया, फूलचंद बेदिया, भगेश बेदिया, जगरनाथ बेदिया, प्रवीण बेदिया, लक्ष्मण बेदिया, गणेश मांझी, गणेश बेदिया, मोपियारी देवी, शांति देवी, पंकज बेदिया, सुगिया देवी, कुंती देवी, भालो देवी, लक्ष्मी कुमारी, रुचि देवी, सीमा देवी, देवंती देवी सहित दर्जनों विस्थापित ग्रामीण उपस्थित थे।

गुरु पूर्णिमा पर भक्तों के बीच बांटे प्रसाद

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। गुरू पूर्णिमा के पावन अवसर सोमवार को भुरकुंडा-सौंदा डी मेन रोड स्थित नकारी छठ घाट स्थित सूर्य मंदिर, गंगा मईया व छठ मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन हुआ। इस दौरान भुरकुंडा पंचायत के मुखिया अजय पासवान ने मंदिर में पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली और अमन-चैन की कामना की। मौके पर मुखिया अजय पासवान ने श्रद्धालु महिला-पुरूषों व बच्चों के बीच खीर प्रसाद का वितरण किया। इसमें सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। इसके पूर्व कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सैंकड़ों श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान, दीप दान, पूजा-पाठ को ले छठ मंदिर भुरकुंडा नलकारी नदी तट पहुंचे। जहां भगवान सूर्य भास्कर, छठ मईया, गंगा मईया, को दीप प्रज्ज्वलित कर सुख-शांति कामना की। धार्मिक अनुष्ठान को संपन्न कराने में मंदिर कमेटी के अध्यक्ष संजीत राम, सचिव अशोक तिवारी, मुखिया अजय पासवान, संजय मिश्रा, दीपक कुमार, गोपाल करमाली, शंभू दुबे, जोगेंद्र करमाली, विजय राम, सुभाष दास उर्फ काला बाबू, पिंटू सागर, अशोक राम, अमृत सागर, कैलाश करमाली, नारायण करमाली, सुदीप कुमार, सचिन कुमार, भोला कुमार आदि का विशेष योगदान रहा।

'आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार' कार्यक्रम का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

चतरा। 28 नवंबर को जिले के चतरा प्रखंड के डाढ़ा पंचायत कान्हाचट्टी - कोल्हैया, इटखोरी - धुना, मयूरहंड - फुलांग, सिमरिया -जबड़ा, टंडवा-धनगड़ा, प्रतापपुर -भरही, हंटरगंज-मीरपुर, नावाडीह, कुंदा प्रखंड के ग्राम पंचायत कुंदा में आज मंगलवार को आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विभागों द्वारा शिविर लगाया जायेगा। इन शिविरों में सरकार द्वारा संचालित महत्वकांक्षी योजनाओं का लाभ योग्य लाभुकों को दिया जायेगा। उपायुक्त ने आम लोगों से अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर आयोजित कार्यक्रम में पहुंच कर सरकार द्वारा संचालित योजनाएं फूलों झानो आशीर्वाद अभियान, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, सर्वजन पेंशन योजना, सोना सोबरन धोती साड़ी वितरण योजना, अबुआ आवास योजना, गुरूजी स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना समेत अन्य योजनाओं का लाभ लेने की अपील किया है। 29 नवंबर दिन बुधवार को लावालौंग प्रखंड के सिलदाग पंचायत, पत्थलगडा प्रखंड के बरवाडीह, हंटरगंज प्रखंड के खुटी केवल खुर्द, गिद्धौर प्रखंड के बारीसाखी पंचायत, नगर परिषद क्षेत्र चतरा के वार्ड विकास केंद्र ट्रेंचिंग ग्राउंड वार्ड नंबर 3 में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

श्रीगुरुद्वारा साहिब में सजा विशेष दिवान

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। रामगढ़ श्रीगुरुनानक देव जी महाराज का 555 वां प्रकाशोत्सव को लेकर सोमवार को श्री गुरुनानक स्कूल और श्रीगुरुद्वारा साहिब में विशेष दिवान सजाया गया। गुरुवाणी व शबद कीर्तन से वातावरण गुंजायमान हो गया। दरबार में अमेरिका से आये रागी जत्था भाई अमरजीत सिंह तान ने गुरुवाणी की शबद कीर्तन की।गुरुद्वारा में रात्रि में विशेष दिवान में गुरुवाणी गायन किया गया। कीर्तन से साध संगत निहाल हुए । दरबार में लोगों ने गुरु का लंगर प्रसाद ग्रहण किया। सभी समुदाय के लोग शामिल होकर लंगर ग्रहण किया। गुरुनानक स्कूल द्वारा पूरी व्यवस्था की गयी थी।

इसमें अध्यक्ष सरदार हरपाल सिंह अरोड़ा, उपाध्यक्ष सरदार परमिंदर सिंह जस्सल, सरदार कुलजीत सिंह कालरा, उपाध्यक्ष सह प्रबंधक सरदार मनमोहन सिंह लांबा सहित स्कूल प्रबंधक कमेटी के सदस्य सरदार परमजीत सिंह चमन, सरदार हरदीप सिंह, सरदार पुश्विंदर सिंह छाबड़ा, सरदार कुलजीत सिंह छाबड़ा, सरदार इंदरपाल सिंह सैनी, सरदार ब्रह्म भसीन, सरदार विक्रमजीत सिंह कोहली, गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के उपाध्यक्ष सरदार अमरजीत सिंह सैनी, उपाध्यक्ष सरदार सतिंदर सिंह छाबड़ा और मीडिया प्रभारी सरदार करमजीत सिंह जग्गी ने सराहनीय योगदान दिया।

झामुमो कार्यकर्ता गोला रवाना

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। स्व. सोना सोबरन के शहादत दिवस में शामिल होने के लिए झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय सचिव सह झारखंड राज्य परिवहन प्राधिकार सदस्य संजीव बेदिया के नेतृत्व में झामुमो कार्यकर्ता सोमवार को गोला नेमरा के लुकैयातांड के लिए रवाना हुए। इसके पूर्व पतरातू प्रखंड कमेटी के सैंकड़ों झामुमो पदाधिकारी व कार्यकर्ता मतकमा चैक भुरकुंडा में एकत्रित हुए। यहां झामुमो के केंद्रीय सचिव संजीव बेदिया के पहुंचने पर शीबू सोरेन जिंदाबाद, हेमंत सोरेन जिंदाबाद, झारखंड मुक्ति मोर्चा जिंदाबाद का नारा बुलंद किया गया। रवानगी से पूर्व संजीव बेदिया ने बताया कि स्व. सोना सोबरन के शहादत दिवस में शामिल होने के लिए झामुमो के सैकड़ों लोग गोला नेमरा के लुकैयातांड के लिए रवाना हो रहे हैं। जहां सोना सोबरन को श्रद्धाजंलि दी जायेगी। रवाना होने वालो में राजेंद्र बेदिया, उदय अग्रवाल, मुकेश राउत, संजय वर्मा, रोहन बेदिया, जयराम बेदिया, हरिलाल बेदिया, जग्गू घांसी, बीरेंद्र यादव, नरेश बेदिया, इस्लाम अंसारी, चरेन्द्र बेदिया, रोहन मुंडा, कलिंद्र यादव, गणेश बेदिया, सतीश मांझी, अलीम अंसारी, दौलत सिंह, भरत मांझी, करण उरांव, टिंकू बेदिया, चरकु गंझू, शशि प्रसाद, सनोज राम, लक्ष्मी राम सहित झामुमो के दर्जनों लोग शामिल थें।

तालाब निर्माण को लेकर पूजन कार्यक्रम

कुजू (आजाद सिपाही)। सीसीएल कुजू क्षेत्र के तोपा परियोजना अंतर्गत सरना मैदान के निकट गायत्री मंदिर के सामने सोमवार को सीसीएल प्रबंधन द्वारा तालाब निर्माण को लेकर भूमि पूजन व शिलान्यास कार्यक्रम किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम पंडित विकास पांडेय द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच यजमान बने तोपा पीओ मनीष कुमार, खान प्रबंधक एमके सिंह व अमरदीप महतो के हाथो संपन्न कराया। तत्पश्चात पानी टंकी के निकट पीओ व अन्य यजमानों ने नारियल फोड़कर व कुदाल चलाकर निर्माण कार्य शुरू किया। वही, आरती के बाद प्रसाद वितरण किया गया। बताते चले कि कॉलोनीवासियों, छठव्रतियों व अन्य लोगों को तालाब की चिर परिचित मांग पूरा होने की दिशा में कदम उठाया गया है। इधर, छठ पूजा समिति द्वारा कई वर्षों से कृत्रिम तालाब का निर्माण कराकर छठ व्रतियों के लिए सेवा देता आ रहा था। मौके पर तोपा के कार्मिक प्रबंधक एके श्रीवास्तव, सिविल इंजीनियर धीरू भाई उपाध्याय, गुड्डू रजक, धनेश्वर मांझी, सुरेश्वर तिवारी, रामभजनलाल महतो, ज्योतिन्द्र प्रसाद साहू, निर्मल करमाली, दुवराज महतो, सरिता मंडल, गणेश राम, अशोक कुमार सिंह, पंकज महतो, दीपक भारती, संतोष पासवान, अशोक महतो, सुरेश मांझी, रवि गंझू, रोहित करमाली, गणेश पासवान, रामचरण दास बंटी, विकास, विजय समेत कई लोग मौजूद रहे।

गुरुद्वारा में मना गुरु नानक देव जी का प्रकाशोत्सव

कुजू (आजाद सिपाही)। सिखों के प्रथम गुरु, गुरुनानक देव जी का 555वां प्रकाश उत्सव कुजू गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में धूमधाम से मनाया गया। सोमवार को गुरुद्वारा में बाबा कुलवीर सिंह द्वारा शब्द कीर्तन के बाद पाठ की समाप्ति कीर्तन अरदास किया गया। मौके पर गुरुद्वारा प्रधान अरविंद सिंह बग्गा, गुरमीत सिंह छाबड़ा, मनजीत सिंह होड़ा, अरविंद सिंह होडा, दीपक सलूजा, गुरमीत सिंह बग्गा, सुरजीत सिंह, गुरदीप सिंह गुंडे, बलजीत सिंह, सुरेंद्र सिंह भाटिया, जागित्री लाल वैध, चरणजीत सिंह, करनजीत सिंह, कमलजीत कौर, सुरेश कपूर, पप्पू सिंह, अमरजीत सिंह बग्गा समेत कई लोग मौजूद रहे।

महावीर मंदिर में कलश स्थापना को लेकर सैकड़ों श्रद्धालुओं ने निकाली जल यात्रा

बजरंगबली मंदिर निर्माण कार्य पूरा होने से भक्तों का बनेगा आस्था केंद्र: पार्षद धनेश्वर

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। रामगढ़ प्रखंड क्षेत्र के कुंदरु कला पंचायत अंतर्गत सरैया जमुना धाम पर नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर के गुंबज पर 5 फीट ऊंचा नया कलश का स्थापना को लेकर राम भक्तों द्वारा गांव के विभिन्न टोला में जल यात्रा निकाला गया इस मौके पर दामोदर नदी से कलश लेकर मंदिर परिसर पहुंचे जहां सैकड़ो महिला पुरुष शामिल हुए इस दौरान मंदिर के पुजारी मनोरंजन पांडे पुरोहित के द्वारा विधि विधान से मंत्र उच्चारण के साथ पूजा अर्चना कराकर तथा संकल्प कर कलश यात्रा निकाला गया पंचायत क्षेत्र के विभिन्न टोला में होते हुए जय श्री राम जय हनुमान के उद्घोष करते हुए पूरा गांव गाजे बाजे के साथ भ्रमण कराया गया। तत्पश्चात सभी कलश यात्रा में शामिल महिला पुरुष शिवालय मंदिर परिसर पहुंचे और मंदिर में हनुमान भक्तों द्वारा नत मस्तक कर शीश झुकाए व आशीर्वाद लिया गांव में भ्रमण के पश्चात दोपहर में सरैया स्थित नवनिर्मित बजरंगबली मंदिर में कलश स्थापना किया गया। सैकड़ों महिला पुरुष ने जय श्री राम जय हनुमान बजरंगबली की जय घोष नारों जोरदार उद्घोष से पूरा गांव भक्ति में डूबा और मंदिर की ऊंची शिखर पर कलश की स्थापना किया गया कलश यात्रा समारोह के मुख्य अतिथि जिला परिषद सदस्य रामगढ़ धनेश्वर महतो शामिल हुए जिन्होंने बताया कि मंदिर निर्माण पूरा होने से यह एक आस्था का केंद्र बनेगा और लोग धार्मिक विचारधाराओं से जुड़ेंगे और पूजा अर्चना करने में श्रद्धालुओं को मिलेगी बेहतर सुविधा इस मौके पर कुंदरु कला पंचायत के मुखिया किशुन राम मुंडा भीम महतो नरेश महतो उप मुखिया मोहराय महतो, लखन करमाली, पंकज करमाली, गायत्री देवी, पार्वती देवी, बसंती देवी, रजरप्पा मिंटू कौशल, डहर महतो, पुनीत महतो, प्रभु दयाल महतो, प्रदीप महतो, मुरली महतो, संजय कुमार, कालीचरण महतो, कौशल महतो, दिलीप महतो, पवन कुमार, सोहन महतो, पुनीत महतो, रचित देवी, सरिता देवी, बॉबी देवी, रूपानी देवी, शीतल महतो, अजय महतो, संदीप कुमार, रोहित कुमार, राजू महतो, बालेश्वर महतो सहित कई लोगों का अहम योगदान रहा।

तीन आरोपी गिरफ्तार, आठ पशु जब्त

हंटरगंज / चतरा (आजाद सिपाही)। पुलिस ने सोमवार को विशेष छापामारी अभियान चलाकर अलग अलग क्षेत्रों से तीन लोगों को गिरफ्तार कर चतरा जेल भेज दिया। जबकि एक पिकअप वाहन पर लदे आठ को जब्त किया है। पहली घटना में कोसमाही गांव में लेंजवा के रहने वाले योगेन्द्र यादव के साथ चालीस हजार रुपये की लूट पाट की गयी थी। हंटरगंज पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्रामीणों के सहयोग से दो अपराधकर्मी को धर दबोचा गया। गिरफ्तार अभियुक्त बिहार के गया जिले के रोशनगंज थाना अंतर्गत सकडीहा गांव निवासी प्रेमचंद कुमार तथा सिन्टु कुमार है। इसके अलावा अन्य दूसरी घटना में छापामारी के दौरान कोसमाही के पास से एक पिकअप वाहन पर लदे आठ पशुओं को जप्त किया गया तथा वाहन चालक इसी थाना क्षेत्र के मीरपुर गांव निवासी राजु चौधरी को गिरफ्तार किया गया। छापामारी दल में थाना प्रभारी सनोज कुमार चौधरी, एस आई नितेश कुमार दुबे, अनंत साह, एएसआई अजय कुमार महतो के साथ थाना सशस्त्र बल के जवान शामिल थें।

राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारी पूरी

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रामगढ़ नगर इकाई के द्वारा रामगढ़ नगर कार्यालय से नियर ओंकार मिशान स्कूल के समीप से 69राष्ट्रीय अधिवेशन दिल्ली का राष्ट्रीय अधिवेशन इस वर्ष दिल्ली के इंद्रप्रस्थ नगर में 7 से 10 दिसंबर को होगा। जिसे लेकर पोस्टर विमोचन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अधिवेशन के झारखण्ड प्रांत के प्रांत प्रमुख गौतम कुमार महतो ने कहा कि दिल्ली में हो रहें 69वें राष्ट्रीय अधिवेशन ऐतिहासिक होगा। इस अधिवेशन में देश-विदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए छात्र कार्यकर्ताओं तथा प्राध्यापकों का शिक्षा और अन्य सामाजिक विषय संबंधी सम्मेलन होगा। विद्यार्थियों के बीच अपार उत्सुकता है। अभाविप अपनी स्थापना के 75वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। इसलिए अभाविप के अमृत महोत्सव राष्ट्रीय अधिवेशन का दिल्ली में आयोजन होना सुनिश्चित हुआ है।

जल्द मिले इंसाफ

पत्रकार सौम्या विश्वनाथन मर्डर केस में शनिवार को दिल्ली की एक अदालत ने आखिरकार सजा सुना ही दी। 14 साल तक चली इस सुनवाई में तीन सौ से भी अधिक तारीखें लगीं। ऐसा नहीं कि हत्यारोपी कुछ दिन या कुछ साल पहले ही पकड़े गये थे। 2008 के अंत में हुई इस हत्या के कुछ महीनों के अंदर हत्यारे पकड़ लिये गये थे और 2009 में उन पर पहला आरोप पत्र भी दाखिल कर दिया गया था। इसके बावजूद अदालत को फैसले तक पहुंचने में जितना लंबा वक्त लगा, वह फिर से सवाल खड़ा कर रहा है कि न्याय अगर इतनी देर से मिलता है, तो क्या उसे संपूर्ण न्याय कहेंगे? सौम्या केस को ही देखें तो इसमें दो तथ्य साफ दिखायी देते हैं। पहला, इस केस में प्रॉसीक्यूटर लंबे अरसे तक अनुपस्थित रहे या उनकी नियुक्ति नहीं हो पायी। दूसरा, पुलिस जांच में देरी, जिसकी वजह से इस केस में इस साल तक सबूत पेश किये जाते रहे। फिर जो न्यायाधीश इस केस की सुनवाई कर रहे थे, उनका भी ट्रांसफर हो गया। जज का ट्रांसफर तो रूटीन प्रक्रिया का हिस्सा था, लेकिन प्रॉसीक्यूटर की गैरहाजिरी और पुलिस की जांच में लगने वाला इतना लंबा समय किसी भी रूटीन का हिस्सा नहीं है। बल्कि ऐसा रूटीन न बने, इस पर अदालतें गंभीर चिंता जाहिर कर चुकी हैं। पूर्व सीजेआइ बालाकृष्णन तो यहां तक कह चुके हैं कि न्याय में देरी का मतलब न्याय का खारिज होना भी है और इससे लोगों का अविश्वास बढ़ता है। पिछले दिनों आया एक और आंकड़ा बताता है कि देश भर में पांच करोड़ से भी अधिक मामले और उनसे जुड़े करोड़ों लोगों की आस अदालतों में पेंडिंग है। देश की न्यायपालिका के लिए ही नहीं, लोगों के न्याय में विश्वास और देश के विकास के लिए भी यह बेहद गंभीर स्थिति है। कई शोध दिखाते हैं कि अन्य विकासशील देशों की तुलना में भारत में न्याय मिलने में लगने वाला वक्त इतना ज्यादा है कि विदेशी या बड़े निवेशक भी इसे अपने लिए एक खतरे की तरह लेते हैं, क्योंकि पेंडेंसी तो कॉरपोरेट मामलों की भी लंबी है। न्याय में देरी के लिए किसी एक संस्था को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर का ना होना, जजों की कमी, कई मामलों में पुलिस का लचर रवैया और कई अन्य कारणों से यह समस्या बनी हुई है। इन्फ्रास्ट्रक्चर का हाल क्या है, इसका पता दिल्ली की फोरेंसिक साइंस लैब देती है, जहां 22,000 से भी ज्यादा रिपोर्टें पेंडिंग हैं। ऐसी ही दिक्कतों के चलते सौम्या केस में भी लगभग हर पेशी में सबूत पेश किये जाते रहे। इस मुश्किल से उबरने के लिए व्यापक सुधार की जरूरत है। इंसाफ से जुड़े सभी संस्थानों को आधुनिक बनाना होगा और उसमें जो भी कमियां हैं, उन्हें दूर कर करना होगा, तभी जल्द न्याय का रास्ता प्रशस्त होगा।

पूर्व सीजेआइ बालाकृष्णन तो यहां तक कह चुके हैं कि न्याय में देरी का मतलब न्याय का खारिज होना भी है और इससे लोगों का अविश्वास बढ़ता है। पिछले दिनों आया एक और आंकड़ा बताता है कि देश भर में पांच करोड़ से भी अधिक मामले और उनसे जुड़े करोड़ों लोगों की आस अदालतों में पेंडिंग है।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत ही नहीं, तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या-क्या भुगतना पड़ा है, इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जायेगा और अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है। अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतांत्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक साफ ही हो।

खेल, खिलाड़ी और 'बड़ा खिलाड़ी'

अरविंद मोहन

विश्व कप क्रिकेट में कमेंट्री करने आये पूर्व आस्ट्रेलियाई बल्लेबाज रिकी पोंटिंग की यह टिप्पणी अभी भी सोशल मीडिया पर चर्चा और विवाद का विषय बनी है कि आस्ट्रेलिया की फाइनल की जीत क्रिकेट माफिया के खिलाफ न्याय की जीत है।

उनका इशारा ही नहीं, साफ कहना है कि क्रिकेट पर माफिया काबिज है और वहीं अधिकांश फैसले कराने लगा है और आस्ट्रेलिया ने अपने खेल के दम पर इस क्रम को पलटा है। इस बयान से उन लोगों की बांछें खिल गयी हैं, जो भारतीय क्रिकेट प्रशासन पर हावी जमात के आलोचक रहे हैं और यह आलोचना अभी से नहीं डालमिया, बिंद्रा और पवार राज के दिनों से भी हो रही है और इधर यह शोर बढ़ा है। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट पर भारतीय क्रिकेट और क्रिकेट प्रशासन का दबदबा बढ़ा है।

निश्चित रूप से बढ़ा है, भारत की मर्जी के खिलाफ ज्यादा उल्टा फैसला होना बंद हुआ है, लेकिन ऐसा भारत में क्रिकेट के बढ़ने, लोकप्रिय होने और क्रिकेट के खेल में बाजार की तरफ से भारी पैसा आने की वजह से ज्यादा हुआ है, किसी माफिया के चलते उतना नहीं। और स्वयं पोंटिंग से लेकर आस्ट्रेलिया के ही नहीं दुनिया के सारे बड़े खिलाड़ियों का आइपीएल में खेलने को लालायित रहना इसका ही प्रमाण है और जब से यह बदलाव हुआ है, तब से भारत का माफिया प्रभावी हुआ हो या नहीं, भारतीय क्रिकेट प्रशासकों का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से जुड़े फैसलों पर दबदबा बना है या नहीं लेकिन इंगलैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के क्रिकेट प्रशासकों का दबदबा खत्म जरूर हुआ है। भारत ही नहीं, तीसरी दुनिया के कमजोर देशों के क्रिकेट प्रशासकों और खिलाड़ियों को उस दबदबे के चलते क्या-क्या भुगतना पड़ा है, इसका किस्सा लिखना शुरू हो तो पूरा पुराण बन जायेगा और अपने अनुकूल पिच बनाने जैसी आलोचना तो बहुत ही हल्की है।

दसियों भाषाओं में कमेंट्री हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट 30 लाख रुपये तक पहुंचने की चर्चा है। एक फोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है और क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है, इसकी गिनती मुश्किल हो गयी है।

अब ऐसा भी नहीं है कि क्रिकेट प्रशासन बहुत लोकतांत्रिक ढंग से चलता हो या वहां सारा कुछ पाक साफ ही हो। इस बार भी आयोजन स्थल, मैदान, खेल का दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो कुछ हुआ, उसे हैल्दी हैबिट तो कदापि नहीं कहा जा सकता। खिलाड़ियों से ज्यादा क्रिकेट प्रशासकों की अय्याशी की भी चर्चा खेल के लिए स्वस्थ नहीं है। क्रिकेट के प्रसारण राइट्स की कहानी भी गंदली है और दर्शक बढ़ने का ज्यादा लाभ खिलाड़ी और प्रशासन की जगह बाजार उठाता जा रहा है। इसी का प्रमाण है कि भारत के अंदर भी नेट के जरिए मैच देखने/दिखाने का कारोबार सामान्य टीवी प्रसारण से अलग किया गया है और तब भी वहां साढ़े 5 करोड़ तक दर्शक पहुंचे ही नहीं हैं, ज्यादा समय तक क्रिकेट देखने का रिकॉर्ड भी दर्ज हो रहा है। दसियों भाषाओं में कमेंट्री हो रही है। दस सेकेंड के विज्ञापन का रेट 30 लाख रुपये तक पहुंचने की चर्चा है।

एक फोटो इस्तेमाल करने की कीमत चुकानी पड़ती है और क्रिकेटरों के बल्ले से लेकर वर्दी तक पर कितनी कंपनियों के विज्ञापन का बोझ होता है, इसकी गिनती मुश्किल हो गयी है। कैमरा कहां फोकस करें, इसको लेकर झगड़ा होता है। क्रिकेट दिखाने का सामान्य शिष्टाचार पीछे चला गया है। बाजार और ब्रांड के अलावा पर्सनल खुराक और ट्रेनर भी ब्रांड बनाते जा रहे हैं। कमेंटेटरों तक को मिलने वाले पैसे आंख फाड़ने वाले हैं, उपहार और अन्य सुविधाओं का तो हिसाब ही अलग है।

इस बार स्टेडियम ही नहीं सड़कों पर भी भारतीय जर्सी का रंग छाया रहा, पर उससे ज्यादा सड़क के किनारे सस्ते ब्रांड और आनलाइन बिक्री में ब्रांडेड माल की धूम रही। देश में सौ करोड़ की एक ब्रांड की जर्सी बिकने का अंदाजा है। आन लाइन बुकिंग में 8-9 गुना तक ज्यादा मांग आयी है, पर कहना न होगा कि फाइनल की हार ने इस धूम धड़ाके पर रोक ही नहीं लगायी, इसकी चर्चा भी बंद करा दी। इस प्रतियोगिता में सबसे ज्यादा धूम मचानेवाले मोहम्मद शामी को अभी तक कोई बड़ा ब्रांड नहीं मिला है और बाजार के जानकार मानते हैं कि उनको ज्यादा ब्रांड ही नहीं ज्यादा रेट मिलने की भी उम्मीद नहीं है। उनको पहले 40 से 50 लाख रुपये प्रति ब्रांड मिलता था, जो अब एक करोड़ तक पहुंच सकता है, जबकि बड़े खिलाड़ी और सिने स्टार दस करोड़ तक पाते हैं। अब पोंटिंग को भारतीय क्रिकेट प्रशासकों पर टिप्पणी करने की सूझी, लेकिन उनको बाजार का यह खेल, यह दादागीरी, यह माफियागीरी समझ आती भी है या नहीं यह कहना कठिन है।

इस बार भी आयोजन स्थल, मैदान, खेल का दिन से लेकर टिकट की ब्लैकमेलिंग और होटल या विमान भाड़ा तक में जो कुछ हुआ, उसे हैल्दी हैबिट तो कदापि नहीं कहा जा सकता।

भारत के नव निर्माण के लिए सस्ती शिक्षा और चिकित्सा आवश्यक

सुखदेव वशिष्ठ

शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है और दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसका एक कारण तो जनसंख्या के आधार पर उपलब्धता की कमी, दूसरा कर्तव्य और सेवा के स्थान पर व्यावसायिक होना है। नये भारत के निर्माण हेतु शिक्षा और चिकित्सा पर ध्यान देना आवश्यक है। चिकित्सा तन बनाती है और शिक्षा सुसंस्कृत और देश भक्त पीढ़ी का निर्माण करती है। स्वतंत्रता के शुरू के 72 वर्ष में इस मामले में बहुत ज्यादा कार्य विभिन्न कारणों से नहीं हो पाया। दोनों मामलों में कोई मुस्तैदी नहीं दिखायी। मोदी सरकार में पहले स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने दवाओं की लूट को रोका और उनके बाद हर्षवर्धन ने डॉक्टरी की पढ़ाई में लूट के विरुद्ध कमर कसी। वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री मांडविया के अनुसार मौजूदा समय में 655 मेडिकल कॉलेज हैं और एमबीबीएस की सीटें 52 हजार से बढ़ कर 1.63 लाख हो गयी है, लेकिन मेडिकल कॉलेज और सीटें बढ़ने के बावजूद 240 जिलों में अभी तक मेडिकल कॉलेज नहीं है।

वर्तमान में अपने भारत में डॉक्टरी की पढ़ाई की फीस 35 लाख रु. प्रति वर्ष तक जाती है। जो बंधु डॉक्टर बनने के लिए डेढ़-पौने दो करोड़ रुपये खर्च करेगा, क्या वह डॉक्टर बनने के बाद मरीजों के इलाज से पहले पैसा बनाने पर ध्यान नहीं देगा? इसी प्रवृत्ति को रोकने के लिए मेडिकल कॉलेजों की फीस 70 से 90 प्रतिशत घटायी जानी होगी। नर्सरी से लेकर उच्च शिक्षा तक हमारे यहां इतनी महंगी होती जा रही है कि सामान्य अभिभावक के लिए वह अपने बच्चों को शिक्षा दिलाना स्वप्न सा बनती जा रही है। 2013 तक, देश में प्रशिक्षित चिकित्सा चिकित्सकों की संख्या 1.4 मिलियन थी, जिसमें 0.7 मिलियन स्नातक एलोपैथ भी शामिल थे। वैश्विक स्वास्थ्य देखभाल सुरक्षा सूचकांक 2021 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 के बदलाव के साथ।

2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य और स्वास्थ्य प्रणाली रैंकिंग के अनुसार स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के अनुसार भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था। भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सा पेशेवरों की कमी है। 74% डॉक्टर शहरी क्षेत्रों में हैं, जो अन्य 28% आबादी की सेवा करते हैं, जिससे कई लोगों की चिकित्सीय जरूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं। स्वास्थ्य सेवा तक ग्रामीण पहुंच के लिए यह एक प्रमुख मुद्दा है। मानव संसाधनों की कमी के कारण नागरिक अज्ञानी प्रदाताओं का सहारा लेते हैं। अपर्याप्त आवास, स्वास्थ्य देखभाल, बच्चों के लिए शिक्षा, पेयजल, बिजली, सड़क और परिवहन की कमी के कारण डॉक्टर ग्रामीण क्षेत्रों में काम नहीं करते हैं।

आरएसएस के सर कार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले के शब्दों में, देश में चार करोड़ बेरोजगार हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 2.2 करोड़ और शहरी क्षेत्रों में 1.8 करोड़ बेरोजगार हैं। श्रम बल सर्वेक्षण में बेरोजगारी दर 7.6 प्रतिशत आंकी गयी है। रोजगार पैदा करने के लिए हमें न केवल अखिल भारतीय योजनाओं की आवश्यकता है, बल्कि स्थानीय योजनाओं की भी आवश्यकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सर संघचालक मोहन भागवत के शब्दों में शिक्षा और स्वास्थ्य आज व्यापार हो गया है। दोनों चीजें ही आज काफी महंगी हो गई है।यह जरूरी है कि देश के हर व्यक्ति के पास शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा पहुंचे और उसके लिए समाज की भी जिम्मेदारी है। वर्तमान में रोटी, कपड़ा और मकान के साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य भी समाज में जरूरी हो चुका है। सस्ती शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं सभी तक पहुंचेंगी, तभी गांवों, गरीबों और पिछड़ों के बच्चे भी डॉक्टर बनेंगे। सस्ती शिक्षा और चिकित्सा से ही भारत का नव निर्माण संभव है।

जमशेदपुर की खबरें

कर्तव्य भत्ता दिया जाये : कमल शर्मा

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिले में राज्य सरकार के पहल पर सभी पंचायतो७ में शिविर लगाकर आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वारा कार्यक्रम के तहत विभिन्न समस्याओं का निराकरण ऑन द स्पॉट किया जा रहा है। इसके लिए लोक सेवक संघ के प्रदेश प्रवक्ता कमल कुमार शर्मा ने सरकार के सरहाना करते हुए खुसी जाहिर की। सोमवार को प्रदेश प्रवक्ता कमल कुमार शर्मा ने आजाद सिपाही के संवाददाता से वार्ता के दौरान दुख प्रकट करते हुए कहा कोविड-19 के दौरान जिले के प्रत्येक कॉविड सेंटर,एमजीएम अस्पताल,

एमजीएम मेडिकल कॉलेज, सदर अस्पताल में प्रतिनियुक्ति गृहरकक्षों के जवानों ने सरकार व प्रशासन के साथ कंधा से कंधा मिलाकर काम किया, लेकिन अब तक जमशेदपुर जिला में प्रतिनियुक्ति गृहरकक्षों का लगभग 40 दिन का कर्तव्य भत्ता बकाया लंबित पड़ा है। उन्होंने बताया जब कोरोना काल मे आम जनता भयभीत होकर अपने जीवन जी रहे थे। उस विपरीत परिस्थिति गृहरकक्ष लोगो का सेवा में अपने दायित्व का निर्वाह निष्ठा पूर्वक निभाया था, लेकिन अब तक गृहरकक्षको का 40 दिन के कर्तव्य भत्ता लंबित होना जिले के लिए दुःखद है। साथ ही विद्युत विभाग के जीएम कार्यालय में प्रतिनियुक्ति 7 गृहरकक्षों का स्वीकृति के अभाव में वर्ष 2009 से कर्तव्य भत्ता आज भी लंबित पड़ा है। उन्होंने राज्य सरकार से बकाया भुगतान करने के लिए आग्रह किया। श्री शर्मा ने कहा इसके क्लियर कई वार पत्राचार किया गया। उन्होंने कहा इस संदर्भ में पूर्व में डीसी व जिला समाधिस्ता कार्यालय जमशेदपुर के द्वारा भी पत्राचार किया गया।

'अर्पण' ने लगाया सेवा शिविर

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रत्येक वर्षों की भांति इस वर्ष भी शहर की अग्रणी सामाजिक संस्था 'अर्पण' द्वारा मानगो स्थित स्वर्णरेखा नदी के गांधी घाट में सेवा शिविर लगाकर हजारों श्रद्धालुओं के बीच भोग (खिचड़ी) व चाय का सेवा प्रदान किया गया। इस सेवा शिविर को सफल बनाने में संस्था के जुगून पांडे, महेश मिश्रा, बिबाश मजूमदार, घनश्याम भीरभारिया, दीपक सिंह, शेखर मुखी, सागर चौबे, सूरज यादव, राकेश मंडल, लखीकांतों घोष, सोमनाथ, अजय सहित कई अन्य सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

गुरुनानक देव की कृपा सब पर बनी रहे : काले

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। गुरु नानकदेव के 554वें प्रकाश पर्व को पर सोमवार को बिष्टुपुर गुरुद्वारा साहिब से पंच प्यारों की अगुवाई में सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के तत्वावधान में नगर कीर्तन निकाला गया जिसमें हजारों की संख्या में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हुए। गुरुद्वारा साहिब से पंच प्यारों के साथ भव्य गुरु ग्रंथ साहेब की पालकी साहिब भी निकाली गयी। नगर कीर्तन में गतका पार्टी द्वारा करतबाजों ने सभी श्रद्धालुओं का दिल जीत लिया। साथ ही विभिन्न स्कूल के

नगर कीर्तन में शामिल हुए अमरप्रीत सिंह काले

विद्यार्थियों ने पूरे नगर कीर्तन में सतनाम - वाहेगुरु के सिमरन कर श्रद्धालुओं का मन जीत लिया। इस दौरान शहर की कई प्रतिष्ठित संस्थानों ने शोभायात्रा में शामिल संगत एवं श्रद्धालुओं की सेवा की।

इस मौके पर भाजपा के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता व समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले ने शहर वासियों को बधाई देते हुए नगर कीर्तन में सेवा देने वालों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि धन धन श्री गुरु नानक जी के पावन चरण विश्व के जिस जिस जगह पड़े वहां आज भी रुहानी प्रकाश का संचार हो रहा है। गुरुनानक देव जी ने समस्त विश्व एवं मानव जाति को एक कहा और गुरु वाणी में गुरु नानक जी के उपदेश में सभी के लिए उचित सम्मान एवं आदर किये जाने का स्पष्ट उल्लेख किया ताकि हम ऊंच नीच, जात पात एवं किसी भी प्रकार के भेदभाव से ऊपर रहने का संदेश दिया है। काले ने सीजीपीसी के सभी पदाधिकारियों को भी सफल नेतृत्व प्रदान करने के लिए बधाई दी।

कार्तिक पूर्णिमा में झारखंड क्षत्रिय महिला संघ को मिला 10 हजार श्रद्धालुओं का आशीर्वाद

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड क्षत्रिय महिला संघ के द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी सोनारी दोमुहानी में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सेवा शिविर का आयोजन किया गया।मौके पर शिविर का उद्घाटन संघ के अध्यक्ष शंभू नाथ सिंह व महिला संघ प्रभारी विमल सिंह के द्वारा किया गया। सोमवार को प्रातः 4 बजे से 9 बजे तक शिविर में श्रद्धालुओं के बीच सेवा प्रदान किया गया। संघ के द्वारा लगभग 10000 श्रद्धालुओं को चाय, बिस्किट और पानी उपलब्ध कराया गया। संघ की अध्यक्ष कविता परमार ने कहा झारखंड क्षत्रिय महिला संघ की महिलाएं 9 वर्षों से अपना सेवा दे रही हैं। शिविर को सफल बनाने में अशोक सिंह व जेपी सिंह का योगदान रहा। सेवा करने के लिए महासचिव प्रशांत सिंह भी उपस्थित रहे। क्षत्रिय महिला संघ की महासचिव मंजू सिंह, संरक्षिका आशा सिंह, निशा सिंह, मनोरमा सिंह, प्रीति सिंह, मालती सिंह,मंजू कुमार, पुष्पा सिंह,रीता सिंह, बबीता सिंह, सरोज सिंह, मीरा सिंह, रानी सिंह, पुरंदर सिंह ने हिस्सा लेकर शिविर को सफल बनाया।

आपकी योजना, आपकी सरकार, कार्यक्रम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक मिलेगा लाभ : मंत्री मिथिलेश

मंत्री ने की कार्यकर्ताओं के साथ बैठक, कार्यक्रम को सफल बनाने का दिया निर्देश

आजाद सिपाही संवाददता

गढ़वा में मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी जोरों पर

गढ़वा। आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 30 नवंबर को गढ़वा आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के आगमन की तैयारी काफी जोर से चल रही है। इस निमित गढ़वा विधायक झारखंड सरकार के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने सोमवार को अपने आवास पर कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित कर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को सफल बनाने का मंत्र दिया। इस संबंध में मंत्री ने सभी कार्यकर्ताओं को कई आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मंत्री ठाकुर ने कहा के जिले के सभी 189 पंचायतों से काफी संख्या में कार्यकर्ता, आसपास के क्षेत्रों से अधिक से अधिक कार्यकर्ता और प्रबुद्ध जनों को शामिल किया जाना है। साथ ही महागठबंधन के सभी दलों के नेता और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वारा झारखंड सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना से राज्य के अंतिम व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के लोग अपने हक अधिकार के लिए उचित स्थान तक नहीं पहुंच पाते हैं। ऐसी स्थिति में दबे, कुचले, वंचित और पिछड़े सभी वर्गों के लोगों को उनका हक और अधिकार उन्हें पूरी तरह से मिल सके, सभी सरकारी योजनाओं की जानकारी उन्हें हो इसके लिए यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। मंत्री ठाकुर ने कहा के मुख्यमंत्री ने काफी दूरदर्शी सोच के साथ इस योजना को शुरू किया है। इसका लाभ लोगों को मिल भी रहा है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं, आम जनों और महागठबंधन के सभी दलों के नेता और कार्यकर्ताओं से मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। बैठक में मुख्य रूप से भवनाथपुर के पूर्व विधायक अनंत प्रताप देव, जिला बीस सूत्री उपाध्यक्ष नितेश सिंह, झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता धीरज दुबे, जिला अध्यक्ष तनवीर आलम, सचिव मनोज ठाकुर, ताहिर अंसारी, शरीफ अंसारी, फुजैल अहमद, नसीम अख्तर, कंचन साहू, नवीन तिवारी, दिलीप गुप्ता, राजकिशोर यादव, अरविंद यादव, करीब अंसारी, चंदा देवी, अंतु दास, चंदन पासवान, नीरज तिवारी सहित काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

डीसी ने बीएलओ सुपरवाइजर के साथ की बैठक

निर्वाचन संबंधी कार्यों की समीक्षा की

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त शेखर जमुआर की अध्यक्षता में निर्वाचन संबंधी कार्यों के प्रगति की समीक्षा सभी बीएलओ सुपरवाइजर और प्रखंडों के निर्वाचन प्रभारी के साथ बैठक किया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा मुख्य रूप से प्रपत्र 6,7,8 की प्राप्ति और निष्पादन की स्थिति, वोटर आईडी कार्ड में ब्लैक एंड वाइट और खराब क्वालिटी के वोटर आईडी कार्ड के बदलने की स्थिति, बीएलओ से प्राप्त मृत मतदाताओं की सूची, मृत मतदाताओं का मृत्यु प्रमाण पत्र निर्गत की स्थिति, रुट चार्ट से संबंधित सूचना प्रेषण की स्थिति समेत अन्य की बिन्दुवार समीक्षा की गयी। समीक्षा के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा समय सीमा के अंदर उक्त कार्यों का शतप्रतिशत निष्पादित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि फॉर्म 8 के तहत जिले में कुल 1 लाख 10 हजार ऐसे मतदाता अभी भी शेष है जिनका वोटर आईडी कार्ड ब्लैक एंड व्हाइट या उनकी फोटो वोटर आईडी कार्ड में फोटो सही नहीं है। सभी बीएलओ सुपरवाइजर और अन्य संबंधित आपस में समन्वय बनाकर ऐसे मतदाताओं के घर जाकर भी मतदाताओं को समझाते हुए उनसे रंगीन अच्छे फोटोग्राफ लेकर उसे अपडेट करना सुनिश्चित करें, जिससे मतदाताओं का वोटर आईडी अप टू डेट किया जा।

जिले में एक पीवीटीजी मतदाता अपने मताधिकार से वंचित न रहे, जिसे लेकर कैंप आदि के माध्यम से पीवीटीजी मतदाताओं का शत प्रतिशत रजिस्ट्रेशन करने का निर्देश दिया गया। सभी बीएलओ सुपरवाइजर और अन्य संबंधित को अपने-अपने निर्धारित क्षेत्र में घर-घर जाकर मृत मतदाताओं की जानकारी इकट्ठा कर मतदाता सूची से ऐसे मतदाताओं का नाम हटाते हुए मतदाता सूची अपडेट करने का निर्देश दिया गया। समीक्षा के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बीएलओ सुपरवाइजर समेत अन्य संबंधित द्वारा फॉर्म लंबित रखने और संतोषजनक कार्य नही करने को लेकर नाराजगी व्यक्त करते हुए अगले 1 सप्ताह के अंदर सभी फॉर्म का निष्पादन का निर्देश दिया गया। साथ हीं वैसे बीएलओ सुपरवाइजर या अन्य संबंधित जो अपने प्रतिनियुक्त कार्यालय या स्थान पर अनुपस्थित रहते एवं बॉयोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज नही करते, ऐसे बीएलओ सुपरवाइजर और अन्य को चिन्हित कर अनुशासनात्मक कार्रवाई का निर्देश दिया गया। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने सभी बीएलओ सुपरवाइजर और निर्वाचन कार्य में लगे अन्य कर्मियों को प्राथमिकता के आधार पर निर्वाचन संबंधित कार्यों को करने का निर्देश दिया। उक्त बैठक में मुख्य रूप से उप निर्वाचन पदाधिकारी सुशील कुमार राय, अंचल अधिकारी गढ़वा कुमार मयंक भूषण, सभी बीएलओ सुपरवाइजर, सभी प्रखंडों के निर्वाचन प्रभारी अन्य संबंधित उपस्थित थे।

फार्म भरने के नाम पर छात्राओं ने पैसा लेने का आरोप लगाया

आजाद सिपाही संवाददाता

भवनाथपुर। लोहिया समता उच्च विद्यालय केतार की अट्ठारह छात्राएं बेलाबार आंगनबाड़ी सेविका रंजू देवी पर सावित्रीबाई फुले समृद्धि योजना का लाभ दिलाने के लिये फॉर्म भरने की एवज में 500-500 रूपए अवैध वसूली करने का आरोप लगाते हुए भवनाथपुर सह केतार बीडीओ सह सीडीपीओ को आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। समाचार के अनुसार केतार प्रखंड के बेलाबार गांव की छात्राएं लोहिया समता उच्च विद्यालय में अध्यनरत हैं। छात्राओ को सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के लाभ के लिए फॉर्म भरने की आवाज में सेविका रंजू देवी के द्वारा छात्राओं से 500-500 रूपए लिए गये। जब छात्राओं को उक्त योजना का लाभ नहीं मिला तो आक्रोशित छात्राएं बेलाबार से भवनाथपुर प्रखंड कार्यालय पहुंची और वीडीओ को आवेदन देकर शिकायत की। छात्रा रेशमा खातून, फुलझरी, समीना खातून, सफदन खातून, नजमा खातून, नुरैना, तयबुन, अफसाना सहित 18 छात्राओं ने बताया हम सभी गरीब परिवार से आते हैं, हम सभी के माता-पिता मेहनत मजदूरी कर हम लोग को पढ़ा रहे है। इसी में सेविका के द्वारा पैसे का मांगा जाना कहां तक उचित ह। छात्रा नसिबा खातून ने बताया हमारे पिता मोमताज अंसारी दुसरी शादी कर लिए हैं, हमलोग पर ध्यान नहीं देते है, हमारी मां दुसरे के खेतो में मजदूरी कर पांच सौ रुपए एक वर्ष पूर्व सेविका रंजू देवी को दिए थे, लेकिन आज तक लाभ नहीं मिला। शिकायत करने पहुंचे कई अभिभावकों ने भी सेविका पर पैसा लेने का आरोप लगाया। बीडीओ ने एलएस सुचिंता देवी को निर्देश दिया कि अब सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना का फॉर्म विद्यालय से लिया जायेगा, मैं खुद उक्त मामले की समीक्षा करूंगा।

बीडीओ सह सीडीपीओ नन्द जी राम ने कहा सेविका द्वारा पैसे लिया जाना गंभीर मामला है, जांच के उपरांत दोषी पाए जाने पर कार्रवाई किया जायेगा।

झामुमो युवा अध्यक्ष ने सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर की जागरूकता बैठक

रंका (आजाद सिपाही)। रंका प्रखंड अंतर्गत बाहाहारा पंचायत के गौरगाड़ा गांव में सोमवार को झामुमो युवा प्रखंड अध्यक्ष दीपक कुमार सोनी ने झारखंड सरकार के द्वारा संचालित सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में भाग लेकर अधिक से अधिक सरकारी योजनाओं का लाभ लेने को लेकर जागरूकता बैठक किया। उन्होंने बताया कि बाहाहारा पंचायत में 2 दिसंबर को सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा जिसमें जो भी विकास योजना से वंचित लोग हैं वे कैंप में भाग लेकर लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने सरकार और गढ़वा विधायक सूबे के पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश ठाकुर के द्वारा प्रखंड में चलाए जा रहे योजनाओं के बारे में विस्तार से लोगों को जानकारी दी। उन्होंने अबुआ आवास, सर्वजन पेंशन, सावित्रीबाई फूले किशोरी योजना, वन पट्टा, राशनकार्ड, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, किसान क्रेडिट कार्ड आदि अनेकों प्रकार के जनकल्याणकारी योजनाओं के विषय में जानकारी दिए और अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने की अपील की। इस मौके पर झामुमो के पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव, युवा अध्यक्ष विकास यादव, दुखन सोनी, फुलटुन यादव, संदीप यादव, रघुवंश प्रसाद, भीष्म यादव, शंभु प्रजापति, शुकुल यादव, अरविंद गुप्ता, अशर्फी सोनी सहित काफी संख्या में झामुमो कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित थे।

नो हेलमेट, नो पेट्रोल अभियान चलाने का दिया निर्देश

सड़क सुरक्षा हमारी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी है : एसपी

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। पुलिस केंद्र गढ़वा के सभागार में पुलिस अधीक्षक के द्वारा सड़क सुरक्षा को लेकर जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों एन एच ए आई, एन एच, पी डब्लू डी के अधिकारियों, मोटरयान निरीक्षक परिवहन विभाग गढ़वा और सड़क बनाने वाली कंपनियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में पुलिस अधीक्षक गढ़वा, द्वारा जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालकों को नो हेलमेट नो पेट्रोल अभियान चलाने को निर्देशित किया गया। साथ ही बिना हेलमेट पहने पेट्रोल लेने आने वाले वाहन चालकों को हेलमेट के प्रति जागरूक करने को कहा गया। सड़क के प्रमुख मार्गो पर रेडियम स्ट्रिप टर्निंग प्वाइंट सड़क सुरक्षा से सभी मानकों को अनुपालन करने का निर्देश दिया गया। पुलिस अधीक्षक गढ़वा द्वारा निर्देशित किया गया कि पुलिस विभाग तथा परिवहन विभाग समन्वय स्थापित कर वाहनों की जांच करें ताकि ऑन स्पॉट फाइन किया जा सके। पुलिस अधीक्षक गढ़वा ने वाहन चालकों को अपने वाहन से संबंधित कागजात तथा हेलमेट, सीट बेल्ट लगाकर ही वाहन चलाने निदेशक किया गया, साथ ही ऐसे नहीं करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक गढ़वा के अलावा पुलिस उपाधीक्षक मुख्यालय गढ़वा अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गढ़वा मोटरयान निरीक्षक गढ़वा परिवहन विभाग के कर्मी तथा जिले के सभी पेट्रोल पंप संचालक और सड़क निर्माण कर रही कंपनियां के प्रतिनिधि शामिल हुए ।

पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर स्वर्गीय किरण सिंह की पुण्यतिथि मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददता

किरण सिंह मेमोरियल कैंसर फाउंडेशन का लोकार्पण भी किया गया

गढ़वा। शहर के प्रतिष्ठित निजी चिकित्सीय संस्थान परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में हॉस्पिटल की पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर स्वर्गीय किरण सिंह की प्रथम पुण्यतिथि मनायी गयी। कार्यक्रम की शुरूआत स्वर्गीय किरण सिंह के पति शहर के जानेमाने डॉक्टर ज्वाला प्रसाद सिंह, पुत्र मशहूर सर्जन डॉ कुमार निशांत सिंह, बहू डॉ नीतू सिंह, पोती सानवी सिंह के सहित शहर के कई गणमान्य लोगों ने स्वर्गीय किरण सिंह की तस्वीर पर माल्यार्पण कर और दीप प्रज्वलित कर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर किरण सिंह मेमोरियल कैंसर फाऊंडेशन का लोकार्पण भी किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए डॉक्टर कुमार निशांत सिंह ने कहा कि शरीर में किसी तरह की दिक्कत आने पर उसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। बल्कि चिकित्सक से सलाह लेकर उसका इलाज कराना चाहिए। उन्होंने कहा कि नजरअंदाज करना शरीर के लिए घातक साबित हो सकता है। उन्होंने कैंसर के सामान्य लक्षण के बारे में बताते हुए कहा कि अकारण लंबे समय तक बुखार या बीमारी, घाव जो लंबे समय तक ठीक ना हो, गांठ या रसोली जो बढ़ रहा हो, अकारण वजन का घटना या भूख न लगना, पेशाब पखाना या खखार में खून का आना कैंसर का सामान्य लक्षण है। उन्होंने कहा कि कैंसर से सतर्क रहें, कैंसर से डरे नहीं। बल्कि लड़े। डॉ निशांत सिंह ने कहा कि स्तन के कैंसर को सही समय पर पहचाने और पूर्ण इलाज कराएं। उन्होंने स्तन कैंसर के बारे में बताते हुए कहा कि स्तन या बगल में गांठ, निप्पल के आकार में परिवर्तन, निप्पल से रिसाव, त्वचा के रंग में परिवर्तन आदि स्तन कैंसर के लक्षण है। इसे नजरअंदाज ना करें। मौके पर बोलते हुए डॉ ज्वाला प्रसाद सिंह ने कहा कि परमेश्वरी मेडिकल सेंटर को आधुनिक मशीनों से पूरी तरह लैस कर दिया गया है। ताकि गढ़वा जिला के मरीजों का सही ढंग से इलाज किया जा सके। रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉक्टर मुरली गुप्ता ने कहा कि परमेश्वरी मेडिकल सेंटर काफी कम समय में बेहतर प्रगति किया है। गढ़वा जैसे छोटे जगह में परमेश्वरी मेडिकल सेंटर लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है। इस अवसर पर उपरोक्त लोगों के अलावे डॉक्टर यू एन वर्णवाल, विनोद कमलापुरी, नंदकुमार गुप्ता, विजय केशरी, उमेश कश्यप, दौलत सोनी सहित कई लोगो ने अपने विचार व्यक्त करते हुए परमेश्वरी मेडिकल सेंटर में उपलब्ध संसाधन एवम चिकित्सकों की प्रशंसा की। लोगों ने कहा काफी कम समय में हॉस्पिटल ने एक बेहतर मुकाम हासिल किया है। इसके लिए अस्पताल प्रबंधन के सभी चिकित्सक और चिकित्साकर्मी बधाई केपत्र हैं।

मौके पर शहर काफी संख्या गणमान्य लोग उपस्थित थे।

श्रीराम जानकी मंदिर निर्माण को लेकर भूमिपूजन

भंडारिया (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित महावीर मंदिर प्रांगण में कार्तिक पूर्णिमा देव दीपावली के पावन अवसर पर श्री राम जानकी मंदिर का भूमि पूजन और हिंदू सम्मेलन का किया गया। आयोजन भंडारिया निवासी के लोगों महावीर मंदिर निर्माण समिति के सदस्यों के द्वारा सोमवार को श्री राम जानकी मंदिर निर्माण को लेकर पुरोहित रामजनम तिवारी के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना करते हुए भूमि पूजन का कार्य किया गया। वहीं समिति के द्वारा हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। भुमी पूजन समारोह में मुख्य रूप से भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश केशरी, सांसद प्रतिनिधि रूप निरंजन सिन्हा, महेंद्र गोस्वामी निरंजन जयसवाल, सुनील यादव, देवानंद कुमार, अशोक प्रसाद सुमित गोश्वामी, प्रेमनाथ, सत्यनारायण गुप्ता, पवन सिन्हा, भुषण सिंह, अरविंद जयसवाल, सतीश सिन्हा, रवि सुरेश केशरी बजरंग अशोक विश्वकर्मा, सुरेश प्रजापति, समेत भंडरिया के आस पास के गांव नौका, जोनहीखाड़, बिंदा, मरदा, सरईडीह, कंजीया के धर्म प्रेमी थे उपस्थित।

कार्तिक पूर्णिमा पर लगा मेला

कंडी (आजाद सिपाही)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सतबहिनी झरना में मेला लगा। जहां पर लोगों की भीड़ देखी गयी। इस अवसर पर स्नान दान - पुन करने वालों की भीड़ अधिक थी। श्रद्धालु भक्तों ने अहले सुबह से ही सतबहिनी झरना तीर्थ पहुंचने लगे थे। सभी ने पवित्र झरना में स्नान कर मां भगवती सहित अन्य सभी मंदिरों में पूजा अर्चना कर श्रद्धा पूर्वक दान भी दिए। इसके साथ ही कई भक्तों ने सपत्नीक सत्यनारायण भगवान के कथा भी श्रवण किये। दर्जनों पुजारियों ने भक्तों को सत्यनारायण भगवान की कथा श्रवण कराए। सुबह से मौसम थोड़ा खराब था जिस कारण सतबहिनी आने वालों की संख्या कम थी लेकिन दोपहर से अधिक संख्या में महिला पुरुष व बच्चे मेला में पहुंचे। सभी ने मंदिरों में माथा टेके और मेला में खरीदारी कर ठेला पर चाट पकौड़ी, चाउमीन व जिलेबी का भी स्वाद लेते देखे गये।

बालू के अवैध भंडारण को लेकर सीओ ने प्राथमिकी दर्ज करवायी

भवनाथपुर (आजाद सिपाही)। मकरी पंचायत के आसनबांध में अवैध बालू भंडारण करने के को लेकर उदय यादव तथा उसके पुत्र शशिकांत यादव के विरुद्ध अंचलाधिकारी रामाशंकर श्रीवास्तव ने स्थानीय थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बीते 25 नवंबर को पुलिस निरीक्षक कृष्ण कुमार ने गुप्त सूचना पर मकरी पंचायत के आसनाबांध में बालू भंडारण की छापेमारी की थी। छापेमारी में अंचल निरीक्षक विभूति नारायण सिंह की उपस्थिति में बालू भंडारण का नापी कराया गया। नापी मनरेगा कनीय अभियंता श्याम चौधरी ने 1500 सीएफटी बालू होने की बात बताई थी। जिसके बाद उदय यादव, शशिकांत यादव को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ की थी, हालांकि कुछ घंटे बाद छोड़ दिया गया था। अंचल निरीक्षक विभूति नारायण सिंह ने जांच पड़ताल के बाद बालू भंडारण को अवैध खनन बताया पिता पुत्र के विरुद्ध मामला दर्ज कराया ।

वॉलीबॉल इंटर जिला प्रतियोगिता के बालक वर्ग में धनबाद और बालिका वर्ग में गोड्डा की टीम बनी चैंपियन

गढ़वा में खेल महोत्सव का आयोजन होगा : मिथिलेश

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। झारखंड वालीबाल संघ के तत्वाधान में गढ़वा जिला द्वारा आयोजित में 16वां राज्य स्तरीय अंतर जिला बालक बालिका वॉलीबॉल प्रतियोगिता का समापन रविवार को किया गया। 5 दिनों तक चले इस प्रतियोगिता का समापन मैच में बालक वर्ग के मैच में धनबाद की टीम ने 3-0 से हजारीबाग की टीम को परास्त कर ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। जबकि तीसरे स्थान के लिए गढ़वा और रांची के बीच मैच खेला गया। जिसमें गढ़वा की टीम ने रांची की टीम को हराकर तीसरा स्थान पर काबिज रहा है । गढ़वा की टीम 2-1 से रांची की टीम को पराजित किया। बालिका वर्ग के फाइनल मैच में गोड्डा और पश्चिमी सिंहभूम के बीच खेला गया जिसमें गोड्डा के टीम 3-0 से विजयी रही। बालिका वर्ग के तीसरा स्थान के मैच के लिए रामगढ़ और गुमला के बीच प्रतियोगिता आयोजित किया गया। जिसमें रामगढ़ की टीम 3-0 से विजयी रही । समापन समारोह के मुख्य अतिथि पेयजल और स्वच्छता मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने विजेता और उपविजेता टीम को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। सभी ऑफिशियल को भी संघ के द्वारा अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इसके साथ ही सभी खिलाड़ियों को भी व्यक्तिगत पुरस्कार दिया गया। इस मौके पर मुख्य अतिथि मंत्री मिथिलेश कुमार ठाकुर ने कहा कि इस तरह का आयोजन से खिलाड़ियों को एक अच्छा अवसर मिलता है। जिससे कि वे अपने प्रतिभा को निखार सके उन्होंने कहा कि इससे पहले भी यहाँ राज्य स्तरीय कई प्रतियोगिता आयोजित कराए जा चुके है। जिसमें एथेलेटिक्स, फुटबॉल, साइकिलिंग और वॉलीबॉल आयोजित कराई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय में गढ़वा में खेल महोत्सव भी आयोजित कराया जायेगा। जिसमें सभी खेलों को शामिल कराया जायेगा । उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से खिलाड़ियों को अपने प्रतिभा निखारने का एक मंच संघ के द्वारा प्रदान किया जाता है। जिसमें वह अपने प्रतिभा को निखार सके । आज खेल के क्षेत्र में करियर की अपार संभावनाएं है। कोई भी खिलाड़ी मेहनत करके अपना कैरियर बन सकता। इस क्षेत्र में पैसे के साथ-साथ शोहरत भी मिलती है। आयोजन समिति के अध्यक्ष उप विकास आयुक्त राजेश कुमार राय ने कहा कि इस तरह का आयोजन से खिलाड़ियों के अंदर छुपी प्रतिभा निकलकर सामने आती है। खिलाड़ी को खेल भावना से खेल को खेलनी चाहिए। सभी के सहभागिता से इस तरह के बड़ा आयोजन गढवा में सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका है। झारखंड वालीबाल संघ के महासचिव शेखर बॉस ने कहा कि गढ़वा में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन कराया जा सका है इसमें सभी की सहभागिता रही है सभी लोग इसके लिए धन्यवाद के पात्र है जो इस आयोजन में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अपनी सहभागिता निभाया है। आयोजन समिति के लोगों का प्रशंसा करते हुए कहा कि इतनी शांति व्यवस्था के बीच आयोजन संपन्न कराया जाना बहुत प्रसंसनीय है इसमें सभी लोगों ने कड़ी मेहनत की है।आगे भी इस तरह के आयोजन के लिए संघ तत्पर रहेगी ऐसी मेरी आशा है । संघ के सचिव ओमप्रकाश तिवारी ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए कहा कि सभी लोगों के प्रयास से ही इस तरह के आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न कराया जा सका है।

परिसंपत्ति वितरण का किया गया रिहर्सल

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। कुडू प्रखंड के चिरी स्थित खेल मैदान में दिनांक 28.11.2023 को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कर कमलों से होने वाले परिसंपत्ति वितरण कार्यक्रम का आज कार्यक्रम स्थल पर परिसंपत्ति वितरण का पूर्वाभ्यास (रिहर्सल) किया गया। इसमें लाभुकों की भी उपस्थिति रही। मौके पर जिला योजना पदाधिकारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी, जिला उद्यान पदाधिकारी समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन दिनों से लापता युवक का शव कुआं से बरामद

कैरो (आजाद सिपाही)। थाना क्षेत्र के हनहट स्थित कुआं में लछु उरांव का 17 वर्षीय पुत्र का शव मिलने से क्षेत्र में शोक की लहर है। मिली जानकारी के अनुसार लछु उरांव का 17 वर्षीय विकलांग पुत्र पिछले 24 तारीख से ही लापता था। जिसके बाद सोमवार सुबह घर के बगल स्थित कुआं में तैरता शव दिखायी दिया। जिसके बाद थाना प्रसाशन द्वारा शव को कुआं से बाहर निकाला गया। जिसकी पहचाना लछु उरांव के विकलांग पुत्र के रूप में किया गया। कैरो थाना पूलिस के द्वारा शव को पोस्टमार्टम के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल भेज दिया गया है। मौके पर थाना प्रभारी शंखनाथ उरांव और कैरो थाना के सदल बल घटनास्थल पर उपस्थित थे।

सीएम हेमंत सोरेन आज लोहरदगा में

सीएम के कार्यक्रम स्थल का उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक ने किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आज कुडू प्रखंड के चिरी पंचायत में 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप शामिल होंगे। इसको लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली है। हेमंत सोरेन चिरी में परिसंपत्तियों का भी वितरण करेंगे। उनका आगमन लगभग साढ़े 12 बजे दोपहर में खेल मैदान चीरी (कुडू) स्थित अस्थायी हैलीपैड पर होगा। अतिथियों का स्वागत के बाद मुख्यमंत्री, झारखंड सरकार और अन्य अतिथियों द्वारा कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन कर शुरूआत किया जायेगा। इस बीच लाभुकों के बीच परिसंपति वितरण व योजनाओं का शिलान्यास/उद्घाटन किया जायेगा। इधर उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण और पुलिस अधीक्षक हारिस बिन जमां ने कुडू प्रखंड के चिरी पंचायत में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के कार्यक्रम की आवश्यक तैयारियों का जायजा लिया। मौके पर उपायुक्त ने मुख्य कार्यक्रम स्थल में मंच निर्माण, स्टॉल निर्माण, पार्किंग, परिसंपत्तियों का वितरण समेत अन्य बिंदुओं का अवलोकन किया। संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक निदेश दिये।

मौके पर उप विकास आयुक्त जय ज्योति सामंता, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, डीएसपी परमेश्वर प्रसाद, जिला परिवहन पदाधिकारी सौरभ प्रसाद, जिला योजना पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला कल्याण पदाधिकारी, नजारत उप समाहर्ता समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी, संबंधित अभियंता और अन्य उपस्थित थे।

डोर टू डोर चलाया विधिक जागरूकता अभियान

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार झालसा रांची के निर्देशानुसार और प्रधान जिला और सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार अखिल कुमार के आदेशानुसार जिले के विभिन्न प्रखंड में विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को सदर प्रखंड के रेहड़ा गांव में पीएलबी मिथिलेश कुमार राम ने डोर टू डोर विधिक जागरूकता अभियान चलाया। इस दौरान पीएलबी ने उपस्थित ग्रामीणों को कानूनी की बुनियादी जानकारी दी। जिसमें बाल विवाह, डायन प्रथा, नशा मुक्ति इत्यादि पर प्रकाश डाला गया। साथ ही पीएलबी कौशल कुमार ने भी उपस्थित लोगों को कानूनी जानकारी दी और सरकार द्वारा मिलने वाले सरकारी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

विधायक सांसद करेंगे विभिन्न निर्माण कार्यों का शिलान्यास

आजाद सिपाही संवाददाता

लोहरदगा। विधायक सह मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव और राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू दिनांक 28 नवंबर 2023 को लोहरदगा जिले के विभाग कार्यक्रम में शामिल होंगे। सबसे पहले वेलोग लोहरदगा हजरत बाबा दुखनशाह मजार के सामने विधायक मद से सामुदायिक भवन निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद आयशा कच्छी विद्यालय लोहरदगा में विधायक मद से निर्मित लाइब्रेरी भवन निर्माण का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद ग्राम चीरी, कुडू खेल मैदान में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में शामिल होंगे। उक्त जानकारी विधायक प्रतिनिधि निशीथ जायसवाल ने दी। उन्होंने इस कार्यक्रम में लोहरदगा जिला कांग्रेस कमिटी के सभी सम्मानित पदाधिकारीगण, युवा कांग्रेस, महिला कांग्रेस, ओबीसी कांग्रेस, सेवादल, अल्पसंख्यक कांग्रेस, एनएसयूआई एवं प्रखंड कांग्रेस कमेटी के सभी पदाधिकारीगण, प्रखंड प्रमुख प्रखंड के सभी पंचायत समिति सदस्यगण, प्रखंड के सभी मुखियागण सभी पंचायत अध्यक्षगण एवं बूथ स्तर के सभी कांग्रेसी कार्यकर्तागण गठबंधन दल के नेतागण को निर्धारित समय पर आने की अपील की है।

पुलिस ने दो अभियुक्त के घर इश्तहार चिपकाया

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा थाना पुलिस ने लातेहार सादर थाना क्षेत्र के तरवाडीह जाकर आर्म्स एक्ट के फरार अभियुक्त सुनील उरांव के घर इश्तहार चिपकाया। चंदवा थाना के पुलिस अधिकारी एएसआई कुंदन कुमार जो की सुनील उरांव पर दर्ज मुकदमे का अनुसंधान करता है, सदल बल के साथ तरवाड़ीह पहुंचकर न्यायालय से जारी आदेश को चिपका दिया। सुनील उरांव उर्फ सुनील जी पिता रमेश उरांव तरवाडीह और पप्पू लोहरा उर्फ सूर्यदेव लोहरा पिता बिरजू मिस्त्री साकिन बिंगड़ा लुंडी कोने थाना लातेहार का चंदवा थाना कांड स0 93/2019 धारा 147/148/149/341/323/385/386/436/427, 27 आर्म्स एक्ट,17 सीएलए एक्ट में नामजत अभियुक्त है। इनके घर पर चंदवा थाना के एसआई सह कांड के अनुसंधानकर्ता कुंदन कुमार साथ लातेहार थाना के एएसआई सुनील कुमार दीपक और सशस्त्र बल के साथ विधिवत सीआरपीसी की धारा 82 के तहत इस्तेहार तमिला कराया गया।

संदर्भः छिपादोहर में पुलिस जवान से मारपीट

पांच आरोपी गिरफ्तार, भेजा जेल

आजाद सिपाही संवाददाता

बरवाडीह। बीते 22 नवंबर को बरवाडीह प्रखंड के छिपादोहर थाना क्षेत्र में पुलिस जवान काशीनाथ कुम्हार को भय का माहौल कायम करने के लिए अपराधियों द्वारा जानलेवा हमले की नीयत से मारकर घायल करने वाले पांच आरोपियों को छिपादोहर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल सिंह, किशोर खालको, निरंजन खालको, बबलू सिंह, उमेश सिंह सभी छिपादोहर निवासी शामिल है। वहीं पुलिस जवान द्वारा छीने गयी गाड़ी की चाबी, पुलिस जवान का पहचान पत्र, घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन, आधा दर्जन मोबाइल फोन, घटना में प्रयुक्त खून से सना हुआ कुदाल बरामद किया गया है। वही एसडीपीओ ने बताया गिरफ्तार आरोपी में राहुल सिंह का आपराधिक रिकार्ड रहा है उसके विरुद्ध चैनपुर थाना में मामला दर्ज है। वही उन्होंने बताया कि अपराधियों के मार से घायल जवान की स्थिति नाजुक बनी हुई है। इस छापामारी दल में पुलिस निरीक्षक अनिल उराव छिपादोर थाना प्रभारी अभिषेक कुमार, पुअनि रंजीत राम, काशी महली, रवि कुमार, देवानंद प्रसाद, रोहित महतो, विकास सिंधु त्रिपाठी सभी पुअनि समेत जवान शामिल थे।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर चलाया वाहन जांच अभियान

आजाद सिपाही संवाददाता

सेन्हा-लोहरदगा। मुख्यमंत्री कार्यक्रम को लेकर सेन्हा पुलिस द्वारा क्षेत्र में मुस्तैदी से चलाया गया। सघन वाहन जांच अभियान में पुलिस कप्तान हारिश बिन जमा के निर्देश पर सघन वाहन जांच अभियान सेन्हा थाना प्रभारी अभिनव कुमार के नेतृत्व में पुलिस पदाधिकारी और शस्त्र बल के द्वारा थाना के समीप वाहन जांच अभियान चलाया गया। विदित हो कि उक्त वाहन जांच अभियान राज्य के मुख्यमंत्री का कार्यक्रम लोहरदगा जिला के कुडू थाना क्षेत्र में आयोजित होने को लेकर पुलिस द्वारा सुरक्षा के मद्देनजर सख्ती बरती जा रही है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी अभिनव कुमार द्वारा बताया गया कि अगले आदेश तक सघन वाहन जांच अभियान चलाया जायेगा, साथ ही उन्होंने कहा मोटरसाइकिल चालक हेलमेट तथा अन्य वाहन चालक वाहन संबंधित कागजात साथ में लेकर चले, और जांच के दौरान पुलिस को सहयोग करें वाहन संबंधित कागजात नही दिखाने तथा संदेह होने पर नियम संगत कारवाई किया जायेगा। वाहन जांच में थाना प्रभारी अभिनव कुमार, एस आई गणेश कुमार यादव, कुलदीप राम, एएसआई अलवीना लकड़ा, बिरजुलाल मुर्मु के अलावे शस्त्र बल शामिल थे।

सुदूरवर्ती क्षेत्र में इस तरह का आयोजन निश्चित ही खेल को देगा बढ़ावा : डॉक्टर अरुण उरांव

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड स्थित लाल बहादुर शास्त्री प्लस 2 विद्यालय के मैदान में सोमवार को तीन दिवसीय आदिवासी मूलवासी सद्भावना फुटबॉल टूर्नामेंट का समापन हुआ। फाइनल मैच एसटी बरवाटोली और इजोई टीम के बीच खेला गया। फाइनल मैच की शुरूवात मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी डॉ अरुण उरांव, मुखिया इंदरदेव उरांव,कैलास साहू,सरवार अंसारी, अजित अग्रवाल आदि अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर टूर्नामेंट के फाइनल मैच का शुभारंभ किया। वहीं अतिथियों का स्वागत महिलाओं ने पारंपरिक रूप से किया। मौके पर मुख्य अतिथि डॉक्टर अरुण उरांव ने कहा कि खेल से भी जीवन संवारा जा सकता है। पैसा व यश दोनों कमाया जा सकता है। टुर्नामेंट मे प्रथम पुरुष्कार 25 हजार रुपया, एक बड़ा खस्सी जर्सी, दूसरा पुरस्कार 20 हजार रुपया, एक खस्सी व जर्सी, तीसरा पुरस्कार 15 हजार रुपया, एक खस्सी और जर्सी चतुर्थ पुरस्कार 10 हजार रुपया नगद, एक खस्सी और जर्सी विजेता टीमों को अतिथियों द्वारा दिया गया। इस मौके पर आयोजक शशिकांत उरांव, टूर्नामेंट के संरक्षक इंदरदेव उरांव, पूर्व मुखिया कुलदीप उरांव, किशोर साहू, जीतेंद्र सहित हजारों की संख्या मे खेल प्रेमी दर्शक मौजूद थे।

जोगना जेएनवी में एक दिवसीय महामारी प्रशिक्षण और सेनेटरी पैड वितरण का आयोजन

सेन्हा-लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र अन्तर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय जोगना में सोमवार को विद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं द्वारा संचालित नवोदय एलुमनी एसोसिएशन और यूनिसेफ के तत्वावधान में एक दिवसीय महामारी प्रशिक्षण व सेनेटरी पैड वितरण का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को अंगवस्त्र देकर किया गया। वहीं मौके पर जवाहर नवोदय विद्यालय की पूर्व छात्रा सदर हॉस्पिटल लोहरदगा की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ दीप्ति मलिका कुजूर ने कहा कि माहवारी युवतियों में एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। यह माहवारी स्वस्थ शरीर का धोतक है, परंतु समाज में इसे लेकर कई प्रकार की अज्ञानता विद्यमान है, जिसे शिक्षा और जागरूकता के द्वारा दूर किया जा सकता है। माहवारी के समय स्त्रियों को अशुद्ध माना जाता है। इस दौरान स्नान नही करना, पूजा पाठ नही करना, घर के अलग कमरे में सोना जैसे कई भ्रम है, जो निरर्थक और गलत है। वहीं यूनिसेफ के डॉ विंध्याचल कुमार ने कहा आज सामज में माहवारी के समय होने वाली गलत विचार धारा को दूर कर शिक्षा और जागरूकता फैला कर युवतियों का सहयोग करना चाहिए। विद्यालय के प्राचार्य अवनीश चंद्र झा ने कहा जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र छात्रा देश के विभिन्न क्षेत्रों में ऊंचे ऊंचे पद पर कार्यरत हैं। और आज उनके द्वारा सामाज में जागरूकता सहित सहयोगात्मक कार्य देख कर लगता है कि विद्यालय का जो स्लोगन है, शिक्षारत आये सेवार्थ जाए परिलक्षित हो रहा है। मौके पर, यूनिसेफ के सुरेश कुमार, पूर्व जवाहर नवोदय विद्यालय के छात्र-छात्रा सह नाज के आफताब आलम, करम सिंह मुंडा, रेशमी बिना कुजूर, नवीन प्रसाद, रमेश उरांव, दिनेश प्रसाद साहू, नेसार अंसारी, फुन्नी साहू, रामप्रसाद पाल, कार्तिक, विनीत कुमार और विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएं और छात्र-छात्रा उपस्थित थे।

कचरा खाने से सात मवेशियों की मौत, हडकंप

आजाद सिपाही संवाददाता

बारियातू। थाना क्षेत्र के साल्वे पंचायत अंतर्गत चेटुआग ग्राम स्थित बालुमाथ सिमाना पर बीते रविवार शाम कचरा खाने से सात मवेशियों की मौत हो गयी, जबकि आधा दर्जन से भी अधिक मवेशी बिमार हैं। जिसका ईलाज जारी हैं।अचानक हुई मौत से मवेशी मालिकों में हडकंप मचा हुआ है।

घटना की जानकारी मिलते ही सोमवार सुबह बारियातू अंचलाधिकारी नंदकुमार राम अंचल निरीक्षक अनिल होरो और प्रभारी पशु चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुशिला बागे मेडिकल टीम के साथ घटना स्थल पर पहुंचे। जहां डॉ सुशिला बागे ने अपने सहकर्मी संजय कुमार राणा व राजू गुप्ता के सहयोग से जांच के पश्चात मृत मवेशियों का पोस्टमार्टम कर जांच हेतु लातेहार भेज दिया। और बिमार मवेशियों का इलाज मे जुट गए। विभाग द्वारा मृत मवेशियों का दफन नही किये जाने पर बीस सुत्री अध्यक्ष राजेंद्र गंझु ने निजी कोष से जेसीबी के मदद से सभी मृत मवेशियों को गड्ढा कर दफन कराया।

मवेशियों की हुई मौत के संबंध में डॉक्टर सुशिला बागे से पुछे जाने पर उन्होंने कहा कि प्रथम दृष्टि से माना जाये की मवेशियों की मौत सड़े गले कचरे खाने से हुई है लेकिन पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर ही स्पष्ट हो पायेगा।

अंचलाधिकारी नंदकुमार राम से पुछे जाने पर बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मवेशियों की मौत का पुरा जांच किया जायेगा और दोषीयों के विरुद्ध कार्वाई की जायेगी। पिड़ित किसानों को मुआवजा दिया जायेगा। मौके पर सुरेश गंझु, अनील तुरी, इंदरदेव माहतो, अर्जुन गंझु, प्रेम गंझु, तेतर गंझु, मंगर गंझु, जितेंद्र माहतो सहित दर्जो लोग मौजूद थे।

मनोज के निधन पर किया गया शोक व्यक्त

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा अलौदिया निवासी प्रभु साव के पुत्र मनोज कुमार का निधन बीते रविवार को इलाज के दौरान रांची रिम्स में हो गयी। मनोज ब्रेन हेमरेज का शिकार हो गया था। बीते 16 नवंबर को अचानक सर में दर्द की शिकायत के बाद हॉस्पिटल लाया गया था जहां चिकित्सकों में ब्रेन हेमरेज होने की बात कही जिसके बाद मनोज को रांची के प्रसिद्ध राज हॉस्पिटल में इलाज के लिए ले जाया गया था। जहां इलाज के बाद रिम्स रेफर कर दिया गया। जहां मनोज ने रविवार को अंतिम सांस ली। देर रात ही मनोज का पार्थिव शरीर चंदवा लाया गया। शव पहुंचते ही पूरे मोहल्ले में चीत्कार मच गया। हर एक के आंखों में आंसू थी। सोमवार दोपहर को दोमुहान में अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि मनोज के पिता प्रभु साव ने दी। मनोज के दो छोटे छोटे बच्चे है। मनोज की आजीविका का साधन साउंड सिस्टम था। मनोज के निधन पर पूर्व विधायक प्रकाश राम, सांसद प्रतिनिधि महेंद्र प्रसाद साहू, राजकुमार पाठक, राजकुमार साहू, दुर्गा मंडल चंदवा के अध्यक्ष रंजीत गुप्ता, अमित गुप्ता, दीपक निषाद, आदर्श रविराज, मनीष चांदो, दारा सिंह, रंजन सिंह, कृष्णा कुमार, कमलेश प्रसाद, अंकित कुमार, सागर मेहता, जागृति प्रसाद, सुधीर प्रसाद, निर्मल भारती, असगर खान, प्रदीप ठाकुर समेत कई लोग शामिल हैं।

मसमानो में संविधान दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

लोहरा समाज संघर्ष समिति और रविदास विकास मंच द्वारा कार्यक्रम

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। संविधान दिवस पर मसमानो गांव स्थित डॉक्टर भीम राव अंबेडकर स्मारक स्थल मे लोहरा समाज संघर्ष समिति और रविदास विकास मंच के सयुक्त तत्वाधान मे कार्यक्रम आयोजित किए गये। कार्यक्रम मे वक्ताओं ने संविधान की महत्ता और इसकी बारिकियां बतायी।

मौके पर लोहरा समाज लक्ष्मण लोहरा ने कहा आज का दिन हम सभी के लिए महत्वपूर्ण है। संवैधानिक मूल्यों के प्रति नागरिकों में सम्मान की भावना को बढ़ावा देने के लिए संविधान दिवस मनाया जाता है। भारतीय संविधान विश्व का सबसे लंबा लिखित संविधान है। संविधान हमें एक आजाद देश का आजाद नागरिक होने की भावना का अहसास कराता है। जहां संविधान के दिए मौलिक अधिकार हमारी ढाल बनकर हमारी रक्षा करते हैं और हमें कर्तव्यों व जिम्मेदारियों की याद भी दिलाते हैं, इसलिए हम सभी का कर्तव्य है कि हम संविधान दिवस पर यह शपथ लें कि देश व समाज हित में संविधान के अनुरूप कार्यों को करने का प्रयास करेंगे।

मौके पर रविदास समाज के आशुतोष कुमार, विनोद उरांव, कालेश्वर भगत, प्रकाश कुजूर, राजू उरांव, बंधनु उरांव, सरोज कुमार रवि, भरत राम, शंकर राम आदि मौजूद रहे।

सामाजिक अंकेक्षण पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

आजाद सिपाही संवाददाता

भंडरा। प्रखंड के गडरपो पंचायत सचिवालय के सभागार में सोमवार को मनरेगा योजना की सामाजिक अंकेक्षण पंचायत स्तरीय जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित की गयी। कार्यक्रम में प्रवेक्षक मनीष अग्रवाल, मुखिया सुमित उरांव, पंचायत समिति सदस्य जीवन लकड़ा, ज्यूरी सदस्य प्रधान चूमनु उरांव, लीलावती और सामाजिक अंकेक्षण के सदस्य वसीम अकरम,अनमोल कुमार यादव, दयानंद यादव, गीता कुजूर, पुष्पा टोप्पो और पंचायत सेवक व रोजगार सेवक व मुखिया उपस्थित थे। इस दौरान प्रखंड क्षेत्र के 2021-22 और 2022- 23 की क्रियान्वित योजना का सामाजिक अंकेक्षण किया गया। इसमें पंचायत क्षेत्र के गड़रपो, पोडहा, अमदारी, तिलसिरी, पलमी, सेमरा, धनामुंजी गांव की मनरेगा योजना समाजिक अंकेक्षण किया गया। जन सुनवाई में डोभा, बगवानी, मनरेगा कुप निर्माण आदि योजनाओं में ससमय पुरा कराने की बात कही गयी। साथ ही जो भी योजनाओं में निर्माण में गड़बड़ी हुई व अधुरा कार्यो को जल्द करने का निर्देश दिया गया। इस मौके पर ग्रामीण अशोक उरांव, दिलीप उरांव, इस्तियाक अंसारी, दशरथ लोहरा, तपेश्वर लोहरा, राजेश, बुधेश्वर लोहरा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

हमारा संकल्प विकसित भारत यात्रा 29 को लातेहार में

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार नगर पंचायत प्रशासक राजीव रंजन के निर्देश पर शहरी क्षेत्र में हमारा संकल्प विकसित भारत कार्यक्रम का आयोजन 29 नवंबर को किया जा रहा है। यह कार्यक्रम नगर पंचायत के वार्ड दो और चार में आयोजित किया जायेगा। पहल कार्यक्रम सुबह 9 बजे से एक बजे तक बानपुर स्थित अग्निशमन विभाग के बगल में आयोजित किया जायेगा। वहीं दूसरा कार्यक्रम वार्ड चार में डुरूआ बाजार में अपराहन एक बजे से शाम चार बजे तक आयोजित किया जायेगा। इस कार्यक्रम में केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी साथ ही नए लाभार्थी को योजनाओं से जोड़ा जायेगा। ज्ञात हो कि पिछले दिनों 15 नवंबर को पीएम मोदी ने इस यात्रा को भगवान बिरसा मुंडा की धरती उलिहातू से इसे हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया था। इसके तहत केंद्र सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित शिविर आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, एनआरएलएम, एन यु एल एम, प्रधानमंत्री आवास योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री पोषण योजना, हेल्थ कैंप, जीवन ज्योति योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम प्रणाम योजना जनधन योजना, इत्यादि का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी नगर प्रबंधक राजकुमार वर्मा ने दी। साथ ही उन्होंने शहरी क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि इस कार्यक्रम में भाग लेकर केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाएं।

कार्तिक पूर्णिमा पर स्नान दान, देवालयों पर पूजा-पाठ से प्रखंड-क्षेत्र भक्तिमय हुआ माहौल

कैरो (लोहरदगा) (आजाद सिपाही)। प्रखंड कैरो जिला लोहरदगा के अंतर्गत प्रखंड क्षेत्र मे 27 नवंबर सोमवार को कार्तिक पूर्णिमा और गुरु पूर्णिमा को लेकर लोगो के बीच देखा गया उत्साह। प्रखंड के पंचायत हनहट, सढाबे, कैरो, गजनी, नरौली और गुड़ि के गांवो में 27 नवंबर सोमवार को अहले सुबह से ही लोगों में स्नान-दान व पुजा पाठ को लेकर श्रद्धालुओं के बीच देवालयों मे खासा उत्साह दिखायी दिया। तो वही इस संबंध में आचार्य कौशल-कांत त्रिपाठी ने कहा कि वर्ष का सबसे पवित्र महीना कार्तिक का महीना होता है, और उसमें भी पवित्र दिन कार्तिक पूर्णिमा को माना जाता है। उक्त कार्तिक पूर्णिमा को सूर्योदय से पूर्व स्नान-दान पुजा अर्चना करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं, उक्त पूर्णिमा पर पीपल वृक्ष मे दीपक जलाने से भी लोगों को कष्टों से मुक्ति मिल जाती है, क्योंकि पीपल बृक्ष में भगवान विष्णु का वास है, उक्त पूर्णिमा गुरु और शिष्य के प्रगाढ़ संबंधो को भी इंगित करता है इसलिए इसे गुरु-पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है।

सीआरपीएफ कैंप में जवान ने खुद को मारी गोली, मौत

गुमला। सीलम स्थित 218 सीआरपीएफ कैंप में सीआरपीएफ के एक जवान ने खुद को गोली मार ली। घटना के बाद उसकी मौत हो गयी। वहीं जवान हिमाचल प्रदेश का रहने वाला बताया जाता है और उसका नाम संजय कुमार है घटना के बाद गुमला के एसपी हरेंद्र सिंह थाना प्रभारी विनोद कुमार एसडीपीओ मनीष चंद्र लाल सहित अन्य पदाधिकारी सीआरपीएफ कैंप पहुंच गए हैं। घटना सोमवार अपराह्न करीब 2:30 बजे की है वहीं घटना के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। बताया जाता है कि 20 नवंबर को ही वह 15 दिन की छुट्टी के बाद ड्यूटी ज्वाइन किया था। उसकी मां की तबीयत खराब रहती है जिसको लेकर वह छुट्टी में था और छुट्टी समाप्त कर वापस ड्यूटी में आया था।10

विशाल क्लब छठ समिति का लाटरी ड्रा सफल

गुमला (आजाद सिपाही)। न्यू विशाल क्लब छठ समिति के तत्वावधान में सिसई रोड स्थित छठ तालाब के सामने छठ पूजा सहायतार्थ आयोजीत लॉटरी ड्रा का सफल आयोजन रविवार को किया गया। लॉटरी ड्रा के मुख्य अतिथि चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष दामोदर कसेरा, सचिव बबलू वर्मा,समाजसेवी रूपक साहू, विजेंद्र सिंह, विश्वकर्मा समाज के अध्यक्ष सुरेश विश्वकर्मा, हाजी मन्नान की उपस्थिति में लॉटरी ड्रा का शुभारम्भ कराया गया। मौके पर चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा कि न्यू विशाल क्लब हर वर्ष बड़े धूमधाम के साथ छठ पूजा की तैयारी में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेता है।जो काफी सराहनीय है।उन्होंने क्लब के सभी सदस्यों को धन्यवाद देते हुएऔर बेहतर करने की अपील की। बंपर पुरस्कार 1217, प्रथम पुरस्कार 1454, द्वितीय पुरुस्कार 828,तृतीय पुरस्कार 408, चतुर्थ पुरस्कार 1164,पंचम पुरस्कार 1497,षष्टम पुरस्कार 116 और सांत्वना पुरस्कार अंतिम 3 अंक पर दिया जायेगा। मौके पर समिति के संरक्षक राहुल कुमार गुप्ता(तन्नू), अध्यक्ष विनोद विश्वकर्मा, उपाध्यक्ष विनोद जाजोदिया, सचिव अभिनंदन जायसवाल (लक्की), सह सचिव ऋषभ व प्रणव कुमार, कोषाध्यक्ष राहुल रंजन, सह कोषाध्यक्ष दीपक गुप्ता, हरजीत सिंह, मनीष केशरी, जसवीर सिंह समेत समिति के सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का समापन

घाघरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय स्थित हाई स्कूल मैदान में चल रहे आठवीं सब जूनियर झारखंड राज्य स्तरीय नेटबॉल प्रतियोगिता का समापन सोमवार को किया गया। फाइनल मैच का शुभारंभ मुख्य अतिथि सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत, कल्याणकारी मानव विकास संस्थान के सचिव उपप्रमुख शिवा देवी, पूर्व मुखिया गीता कुमारी, समाजसेवी आजाद साहू, आशीष कुमार सोनी, विजय कुमार साहू, सुशील टोप्पो, बालकिशुन भगत ने संयुक्त रूप से खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। वहीं मुख्य अतिथि द्वारा टॉस कराकर फाइनल मैच का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत ने संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह का खेल होने से ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में नई रुचि, नेटबॉल खेल के प्रति जागरूक होंगे। अपने जीवन में खेल भी उतना ही जरूरी है जीतने की पढ़ाई। बच्चे खेल के माध्यम से भी अपना भविष्य संवार सकते हैं। वही अन्य अतिथियों ने भी संबोधन कर बच्चों को उत्साहवर्धन किया और बेहतर खेल कर आगे बढ़ाने की बात कही। वही मौजूद झारखंड नेटबॉल के महासचिव भूपेंद्र नाथ राम ने कहा कि गोड्डा में होने वाले नेशनल टीम में सभी जिलों से आए टीमों में बालक-बालिका का चयन कर एक टीम बनाकर प्रतियोगिता कराई जायेगी। फाइनल मैच बालिका टीम में गोड्डा बनाम साहिबगंज के बीच खेला गया। जिसमें गोड्डा की टीम ने 24-3 से जीत हासिल किया। अतिथियों द्वारा विजेता उपविजेता और तृतीय स्थान पर आने वाले बालक बालिका के खेल टीमों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। इसके पूर्व अतिथियों को बुके व अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर उपस्थित लोगों में अमित ठाकुर, मंटू ठाकुर, अमन ठाकुर, मोनालिशा कुमारी, बालमणि कुमारी, अब्दुल कादिर, अरुण बेरा, गुंजन कुमार झा, संजीव पाल, जोहरा बेगम, अजय चौहान, पिंटू कुमार दास सहित कई लोग उपस्थित थे।09

सिविक एक्शन प्लान का आयोजन

डुमरी (आजाद सिपाही)। सीआरपीएफ कमांडेंट 214 बटालियन के केडी जोशी के निर्देशानुसार सिविक एक्शन प्लान का उच्च विद्यालय टांगरडीह स्कूल परिसर में आयोजन किया गया। इस मौके पर कमांडेंट ने कहा कि सीआरपीएफ की ओर से समय समय पर इस प्रकार का आयोजन किया जाता है तथा हमेशा से ही लोगों के सुख दु:ख की सहभागी रही है ग्रामीणों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर रही है सीआरपी एफ एवम ग्रामीणों के बीच समन्वय स्थापित करना ही इस कार्यक्रम का उद्देश्य है इस मौके पर ग्रामीण, यूवाओं छात्राओं के बीच जीवन यापन, शैक्षणिक एवम खेल सामग्री का वितरण किया गया ताकि उनके जीवन में प्रतिभा का बिकास हो सके मौके पर सहायक कमांडेंट बेंजामिन सुंडी,निरीक्षक जीडी सत्यनारायण सहित जवान सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

ऑटो से गिरने से किशोर की मौत

मेराल (आजाद सिपाही)। जारी थाना क्षेत्र अंतर्गत मेराल के समीप मोड में चलती ऑटो से गिरने व ऑटो का पिछला चक्का सिर में चढ़ने से मेराल निवासी 17 वर्षीय प्रवेश एक्का पिता मार्टिन एक्का की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पर जारी थाना की पुलिस घटना स्थल पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर थाना में रखा। घटना रविवार की शाम 5:00 बजे की है। इसके बाद सोमवार को उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गुमला भेज दिया। वहीं शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। जानकारी के मुताबिक किशोर मेराल बाजार गया था। वहीं ऑटो से घर लौट रहा था तभी मेराल के समीप मोड में ऑटो से गिर गया और ऑटो का पिछला चक्का उसके सिर में चढ़ गया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गयी।

आदिवासी जननायक स्व कार्तिक उरांव की 99वीं जयंती मनायी गयी

आदिवासियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए हमेशा प्रयत्नशील रहे : रामेश्वर उरांव

आजाद सिपाही संवाददाता

सिसई। आदिवासी जननायक स्व कार्तिक उरांव की 99वीं जयंती के अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के द्वारा सोमवार को कार्तिक नगर टंगराटोली में जयंती समारोह सह जतरा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कार्तिक उरांव आदिवासी बाल विकास उच्च विद्यालय के प्रांगण में अवस्थित स्व कार्तिक उरांव की प्रतिमा पर मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के खाद्य आपूर्ति मंत्री रामेश्वर उरांव, आल इंडिया एसटी एससी महासंघ अध्यक्ष एलएम उरांव, जिप अध्यक्ष किरण बाड़ा, आदिवासी विकास परिषद जिलाध्यक्ष सह पुर्व डीसी पुनई उरांव, डीएमओ कृति लता

किस्कू, सहित कई गणमान्य लोगों द्वारा माल्यार्पण कर किया गया। मंत्री रामेश्वर उरांव ने कहा कि कार्तिक बाबा ने शिक्षा के महत्व को पहचाना और आदिवासी समाज के विकास, उत्थान व आदिवासियों को शिक्षा से जोड़ने के लिए जीवनपर्यंत प्रयत्नशील रहें। उन्होंने कहा कि परंपरा, संस्कृति व भाषा ही आदिवासियों की पहचान है। हमारी संस्कृति के अनुसार जन्म दिन और महीने के नाम पर ही लोगों का नाम रखा जाता रहा है। आज आदिवासी समाज को बचाने व बढ़ाने का दायित्व हम सभी पर है, गांव-गांव में अखड़ा, मांदर और नगाड़े को बचाने से ही आदिवासी संस्कृति, परंपरा व भाषा बचेगा। झारखंड में मुलवासी आदिवासियों को अपनी जमीन बेचने से बचना चाहिए, हमारी जमीन पुर्वजों की देन है, इसे हमें अपने वंशजों के लिए बचाने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से पंचायत स्तरीय शिविर में जाकर अपनी समस्या व आवश्यकता के अनुसार योजनाओं का लाभ उठाने की बात कही।

मौके पर प्रमुख मीना देवी, उप प्रमुख निलेश उरांव, बीडीओ रमेश कुमार यादव, सीओ नितेश रौशन खलखो, आविप प्रखंड अध्यक्ष कैप्टन लोहरा उरांव, जिला सचिव सचिदानंद उरांव, कांग्रेस जिलाध्यक्ष चैतु उरांव, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष आजाद अंसारी, मुखिया सुनिता देवी, अलबीना देवी सहित हजारों की संख्या में लोग उपस्थित थे।

जैव विविधता परिषद का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न

- जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत कमिटियों को मिले हैं कई पावर
- विलुप्त हो रहे प्रजातियों फिर से स्थापित करने में सहायता मिलेगी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। घाघरा प्रखंड के 18 पंचायतों मे से 10 पंचायतों का जैव विविधता परिषद के पंचायत स्तरीय कमिटियों का प्रशिक्षण सफलता पूर्वक संपन्न हो गया। झारखंड में वन संरक्षण, जंगली तथा पालतू जानवर व पेड़ पौधों सहित सूक्ष्म जंतु के जीवन की सुरक्षा तथा विकास के वास्ते योजना तैयार कर उसके क्रियान्वयन का अधिकार पंचायत स्तर पर बनी जैव विविधता समिति को हासिल है। इन समितियां के कार्य और उत्तरदायित्व तथा समुचित क्रियान्वयन को लेकर घाघरा प्रखंड के 10 पंचायत कमेटी सदस्यों का सफलतापूर्वक प्रशिक्षण संपन्न हो गया। जीव जंतु पेड़ पौधों के संरक्षण के वास्ते मिले कानूनी अधिकार की बेहतर समझ तथा प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के वास्ते हेल्पिंग

हैंड फाउंडेशन रांची की ओर से प्रशिक्षण दिया गया। झारखंड जैव विविधता परिषद के सहयोग से यह प्रशिक्षण संचालित किया गया। पंचायत सचिवालय घाघरा में प्रशिक्षण दिया गया जिसमे चुन्दरी पंचायत,बदरी पंचायत, घाघरा पंचायत, डुको पंचायत, व अंरागी पंचायत, के चयनित प्रतिनिधि भाग लिया। चपका पंचायत सचिवालय में चपका पंचायत, सेहल पंचायत, शिवराजपुर पंचायत और बेलागड़ा जुरमु पंचायत के प्रतिनिधि प्रशिक्षण लिया। इन सभी पंचायत का प्रशिक्षण झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग के मास्टर ट्रेनर शांति बड़ाईक गया। इन प्रशिक्षण को कोऑर्डिनेटर करने में सोमरा उराव का विशेष योगदान रहा। सोमरा उरांव ने कहा कि वनों के संरक्षण एवं संवर्धन के अलावा जीव जंतु के संवर्धन संरक्षण में यह कमेटी विशेष योगदान देगी। इन कमेटी को मिले संवैधानिक राइट से वनों एवं जीव जंन्तु के संरक्षण होगा. साथ ही विलुप्त हो रहे प्रजातियों फिर से स्थापित करने में सहायता मिलेगी। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन रांची की ओर से संचालित प्रशिक्षण में बतौर मास्टर ट्रेनर तैनात शांति बड़ाईक ने बताया कि जैव विविधता अधिनियम 2002 के तहत पंचायत स्तर पर कमिटी का गठन कर गठित कमेटी को प्राधिकृत किया गया है कि वह जंगली पेड़ पौधों जीव जंतुओं तथा सूक्ष्म जंतुओं के संरक्षण संवर्धन तथा विकास के लिए हर आवश्यक उपाय करने के वास्ते लोगों को जागरूक तथा प्रेरित करें। कमिटी को स्थानीय स्तर पर दुर्लभ प्रजाति के वन उत्पादों के संबंध में जानकारी हासिल कर उन्हें चिन्हित करते हुए सूचीबद्ध करने व उनके संवर्द्धन का भी निर्देश दिया गया है। हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत प्रशिक्षणार्थी कमिटी सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि हमें कमेटी में शामिल तो जरूर किया गया था पर हमारे अधिकार कर्तव्य और दायित्वों की हमें ठीक-ठाक जानकारी नहीं थी। प्रशिक्षण के क्रम में इस संबंध में विस्तार के साथ हमें जानकारी दी गई तो हमें अवश्य मालूम हुआ कि यह कमिटी अत्यधिक पावरफुल है और इसके माध्यम से पर्यावरण के संरक्षण संवर्धन का एक बड़ा अवसर हमारे हाथों में है। इस अवसर पर झाड़ी भगत, संजय उरांव, राजमुनी देवी, तेम्बो देवी, सोमरा उरांव, मंगलमुनी उरांव, आदित्य भगत, बिरसमुनी देवी, बिनोद प्रजापति, बंसती उरांव, मनमैत देवी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित होकर वनों के संरक्षण और संवर्धन का संकल्प लिया।

एकलव्य अवासीय विद्यालय बसिया में सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरुनानक देव जी की जयंती मनायी गयी

आजाद सिपाही संवाददाता

बसिया। एकलव्य मॉडल अवासीय विद्यालय, बसिया में सिख धर्म के प्रथम गुरु गुरुनानक देव जी की जयंती मनायी गयी। प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने गुरु गुरुनानक देव जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर कार्यक्रम की शुरूआत की। छात्र लोरेन धान तथा यशमंत बड़ाईक ने गुरुनानक देव जी के जीवन से संबंधित कई बातें भाषण के माध्यम से बताया। हिंदी शिक्षक आर्यन शाह ने गुरु गुरुनानक देव जी के बारे में विस्तार से बताते हुए उनके उपदेशों व शिक्षाओं की चर्चा की। शिक्षक कंचन कुमार ने भी बच्चों को अनेक अच्छी-अच्छी और प्रासंगिक बातें बतायी। गुरुनानक

देव जी की जयंती के अवसर पर विगत बारह दिनों से चल रहे जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में विजयी छात्रों को पुरस्कृत भी किया गया।

पुरस्कृत होने वाले छात्रों में ब्लॉग लेखन में प्रथम दिगंबर उराँव, कक्षा ग्यारह, द्वितीय सुधीर खेरवार, कक्षा ग्यारह, तथा तृतीय जगदीश असुर कक्षा सात रहे। स्टोरी टेलिंग में बिरसा होरो तथा करण उराँव अव्वल रहे। वहीं भारतीय स्वाधीनता संग्राम में जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के योगदान विषय पर छात्र देवनाथ लोहरा कक्षा ग्यारह तथा अंकित उराँव,कक्षा छः ने सुंदर भाषण दिया। सिकल शेल एनीमिया के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए एक नुक्कड़ नाटक का मंचन भी किया गया था।

नुक्कड़ नाटक में छात्र सूरज भगत, सूरज उराँव, अनुज उराँव, वीर महली, शिवा उराँव, सूर्या उराँव, रौशन उराँव, अनिश उराँव तथा अमन उराँव ने भाग लेकर रोचक व ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी। इन सभी छात्रों को पुरस्कृत करते हुए प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने सभी छात्रों को प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सिखों के जुलूस का चैंबर ने किया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। चैंबर ऑफ कॉमर्स, गुमला के द्वारा जशपुर रोड स्थित पटेल पार्क के सामने गुरू नानक जयंती तथा प्रकाश पर्व पर सिख समुदाय के द्वारा निकाली गयी शोभा यात्रा में शामिल पंच प्यारे का चैंबर के पदाधिकारियों के द्वारा पुष्प गुच्छ और माला पहनाकर स्वागत किया गया। स्वागत में मिठाई और जल का वितरण कर शोभायात्रा में शामिल लोगों का उत्साह बढ़ाया।

मौके पर चेंबर अध्यक्ष दामोदर कसेरा ने कहा कि आज गुरू नानक जी की जयंती है। गुरू

नानक जी ने ही सिख धर्म की नींव रखी थी। इस दिन गुरु नानक जी का जन्म हुआ था। गुरु नानक सिंह सिख समुदाय के पहले गुरु थे उन्होंने अपना पुरा जीवन समाज के लिए समर्पित कर दिया था। उन्होंने जात-पात मिटाने के लिए लोगों को एकता के सूत्र में बांधने के लिए उपदेश दिए थे। गुरू नानक जी ने समाज में ज्ञान का प्रकाश फैलाने के लिए कार्य किये थे। इसी वजह से गुरू नानक जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। स्वागत कार्यक्रम में मौके पर अध्यक्ष दामोदर कसेरा, अमित माहेश्वरी, राजेश सिंह, अभिजीत, बिनोद कुमार, बबलु वर्मा, बृज किशोर फोगला, अजय सिंह राणा, विकास सिंह, आदित्य गुप्ता, आनंद गुप्ता, मनीष गुप्ता, श्याम गुप्ता, प्रतीक अग्रवाल, राहुल केशरी, इम्तियाज मिनी, रितेश गुप्ता, प्रणय साहु, हर्ष कसेरा, राहुल कुमार, सुमित कुमार, बिट्टु कुमार और अन्य मौजुद थे।

गुमला रेंजर के भ्रष्टाचार के विरुद्ध गुमला में धरना 28 नवंबर को

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। भाकपा (माले) रेड स्टार के बैनर तले जंगल बचाओ अभियान समिति, गुमला वन क्षेत्र के कार्यकताओं द्वारा गुमला रेंजर के भ्रष्टाचार के विरुद्ध जिला मुख्यालय गुमला में पूर्व घोषित धरना कार्यक्रम की तैयारी पूरी कर ली गयी है। विदित हो कि गुमला रेंजर द्वारा वृक्षारोपण चेकडैम निर्माण और अन्य कार्यों में अनियमितता कर करोड़ों रुपए की हुई घपले की जांच की मांग को लेकर जंगल बचाओ अभियान समिति के कार्यकर्ताओं ने गुमला वन प्रमंडल पदाधिकारी डीएफओ को मांग-पत्र सौंपी थी, लेकिन अभी तक जांच की कार्रवाई शुरू नहीं होने के कारण 28 नवंबर को धरना देकर रेंजर द्वारा करोड़ों रुपए की हुई भ्रष्टाचार के विरुद्ध उच्च स्तरीय जांच की मांग की जायेगी। सांकेतिक धरना कार्यक्रम दिन के 11 बजे से जिला मुख्यालय के हड़ताली वृक्ष के पास दिया जायेगा।

धरना कार्यक्रम में मुख्य रूप से पार्टी के प्रमंडल प्रभारी सह झारखंड नवनिर्माण दल के संयोजक विजय सिंह भाग लेंगे।

शहीद संतोष के गांव तुरियाडीह पहुंचे सीआरपीएफ के डीआइजी रविंद्र भगत

घाघरा (आजाद सिपाही)। शहीद संतोष उराव के गांव तुरियाडीह में सोमवार को सीआरपीएफ के डीआईजी रविंद्र भगत पहुंच परिजनों से मुलाकात किया। इस क्रम में शहीद संतोष उरांव के चित्र पर माला व पुष्पपर्चन कर श्रद्धांजलि दी। वहीं शहीद की मां पत्नी व भाई को सॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस मौके पर सीआरपीएफ डीआईजी रविंद्र भगत ने कहा कि संतोष उरांव का शहीद होना बहुत बड़ी छती है। उसकी भरपायी कभी नहीं किया जा सकता है। लेकिन उनके आश्रितों को सहयोग करना यही उनकी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। बच्चों के पढ़ाई बेहतर हो जिसके लिए हर संभव प्रयास करूंगा नौकरी मुआवजा के प्रावधान जो है उसे जल्द से जल्द पूरा करने का कार्य करूंगा। किसी भी तरह की कोई भी सहयोग की जरूरत पड़े तो निशंकोच हमें फोन करें। मैं हर संभव मदद के लिए तैयार हूं। वहीं डीआईजी रविंद्र भगत ने यह भी कहा कि सरकारी जॉब प्रक्रिया है उसे जल्द से जल्द पूरा करने के लिए मैं प्रयासरत हूं। शहीद संतोष उरांव बहुत ही कुशल व ईमानदार थे। मैं विभाग से हर संभव मदद के लिए कार्य करवाऊगा, ताकि किसी भी तरह के परेशानियों का सामना शहीद के आश्रितों को ना करना पड़े। इस मौके पर उपस्थित लोगों में शिक्षक विजय कुमार साहू, अमित ठाकुर, बालकिशुन भगत, आशीष सोनी, सुशील टोप्पो, रामवृत उरांव, आजाद साहू सहित कई लोग उपस्थित थे।

वाहन की चपेट में आने से स्कूटी सवार वृद्ध की मौत

गुमला (आजाद सिपाही)। गुमला रांची नेशनल हाईवे में करमडीपा के समीप रविवार की देर शाम अज्ञात वाहन की चपेट में आने से लगभग 65 वर्षीय वृद्ध देसाई उरांव की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार मृतक देसाई उरांव गुमला शहर से दूध बेचकर स्कूटी से अपना घर करम डीपा लौट रहा था। इसी दौरान गुमला से रांची की ओर जा रही अज्ञात वाहन स्कूटी सवार देसाई उराव को अपने चपेट में ले लिया। जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन लेकर भागने में सफल हो गया। इधर स्थानीय लोगों के सहयोग से देसाई उरांव को 108 एंबुलेंस से तत्काल सदर अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सक ने जांच कर मृत घोषित कर दिया। मृतक के सिर और शरीर के अंदरूनी हिस्से में काफी चोट लगी थी वही उसके कान और मुंह से खून बह रहा था अस्पताल पहुंचे परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार शव का पोस्टमार्टम सोमवार को होगी। घटना की सूचना के मिलने के बाद गुमला थाना की पुलिस घटना स्थल से स्कूटी को अपने कब्जे में ले लिया है वही पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिशुनपुर स्थित चावर चंडी में मेला सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को रेहे कुबाटोली स्थित दर्शनीय स्थल चावर चंडी में आयोजक समिति के द्वारा मेला सह ठेठ नागपुरी कार्यक्रम आयोजन किया। वहीं क्षेत्र के लोग पूरी आस्था के साथ मां चावर चंडी की पूजा बैगा पुजार की उपस्थिति में श्रद्धालुओं ने पूजा अर्चना की अर्चना की। मेला को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया। वहीं ठेठ नागपुरी कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद समीर उरांव स्थानीय मुखिया रामप्रसाद बड़ाईक समिति अध्यक्ष रामजतन साहू सचिव बहुरा साहू चंमपा भगत केदार साहू गणेश महतो उप प्रमुख चंदन सिंह भिखारी भगत आदि लोगों ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। ठेठ नागपुरी के मशहूर गायक महावीर साहू मीना देवी सहित टीम में शामिल अन्य कलाकारों ने स्थानीय सांस्कृतिक विशेषताओं पर आधारित कार्यक्रम पेश कर लोगों का मनोरंजन किया। समीर उरांव ने कहा कि मेला के आयोजन से समाज के लोगों को आपस में मिलने जुलने एवं विचारों का आदान-प्रदान करने का मौका मिलता है। गांव के प्रबुद्ध चंमपा भगत ने कहा कि राज्य में सुख समृद्धि के लिए शुरूआती दौर में बिशुनपुर के राजा भैया गुरुदेव प्रसाद के द्वारा अपने राज्य में सुख समृद्धि के लिए कार्तिक पूर्णिमा के दिन मां चंडी की पूजा किया जाता था। ऐसी मान्यता है कि पूजा में बाधा नहीं पहुंचने पर बिशुनपुर में सालों भर सुख शांति कायम रहती है। इस अवसर पर मां चंडी के दर्शन एवं पूजा के लिए भक्तों का आना अहले सुबह से ही आरंभ हो गया था और यह सिलसिला देर शाम तक चला रहा। इस मौके पर रामप्रसाद साहू तुलसी साहू विलास साहू गुलाब साहू रवि साहू संतोष साहू मनोज भगत दामोदर साहू बबलू साहू सहित समिति के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खींचतान : पलामू डीसी के निर्देश के खिलाफ हाइकोर्ट में लगायी अर्जी, 30 नवंबर को पेशी

'बाबा बागेश्वर धाम सरकार' को आने दे सरकार : अरुणा शंकर

आजाद सिपाही संवाददाता

प्रथम महापौर अरुणा शंकर।

मेदिनीनगर। हनुमंत कथा आयोजन समिति की संयोजक मेदिनीनगर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने 10, 11 व 12 दिसंबर को होने वाले बागेश्वर धाम सरकार के कार्यक्रम को मेदनीनगर के सदर एसडीओ ने सभी विभागों की अनुशंसा एवं समीक्षा के बाद दो दिन पहले ही निर्गत करते हुए अनुमति दी थी। उसे पलामू डीसी ने रविवार को स्थगीत कर दिया गया था।इसे अरुणा शंकर ने दुखद करार दिया। प्रथम महापौर ने कहा कि डीसी द्वारा दिए गए पत्र में नदी के तट पर प्रदूषण फैलने, बरसात आने पर बड़ी दुर्घटना और सरकार की महत्वाकांक्षी कार्यक्रम सरकार आपके द्वार का प्रारंभ होना मुख्य बिंदु बताया गया है। जबकि हमारे ही शहर एवं प्रमंडल के नदी तट पर लाखों लोगों की भीड़ के साथ अभी-अभी छठ पर्व शांतिपूर्ण ढंग से मनाया गया है। पलामू के समीप

कथावाचन की इजाजत मिलने के बाद डीसी ने कर दिया था निरस्त

नदी पर वर्षों से सफलतापूर्वक तीन दिवसीय पलामू मेला इस वर्ष भी लगाया गया। जहां लाखों श्रद्धालु उपस्थित हुए। जोड़, पूर्वडिहा, सिंगरा में भी हर वर्ष नदी के तट पर बड़े स्तर पर सफलतापूर्वक मेले का आयोजन किया जाता है जहां लाखों श्रद्धालु आते हैं। प्रतिवर्ष एक और 14 जनवरी को नदी के तट पर लाखों की संख्या में लोग स्नान करने आते हैं, लेकिन उपरोक्त समारोह पर कभी प्रदूषण की शर्तें नहीं रखी जाती। प्रथम महापौर ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन से प्रदूषण नहीं फैलता, बल्कि वातावरण स्वच्छ होता है। आज हमारे शहर में भारत के विख्यात कथा वाचक श्री देवकीनंदन ठाकुर जी के सानिध्य में कथा एवं महायज्ञ चल रहा है जिससे पॉल्यूशन नहीं शहर को सकारात्मक ऊर्जा मिल रही है। ऋषि मुनि एवं करोड़ों श्रद्धालुओं से सजा कुंभ मेला भी नदी के संगम पर ही होता है। मैं जिला प्रशासन के साथ-साथ सरकार से भी अनुरोध करूंगी कि जन-जन में बसे बागेश्वर धाम सरकार को आने दे। उन्हें ना रोके। प्रथम महापौर ने कहा कि पलामू में यह कार्यक्रम नदी के तट करने का प्रस्ताव हम सभी ने दिया था जहां प्रदूषण फैल सकता है, लेकिन रांची, धनबाद, गिरिडीह, बाघमारा में अनुमति क्यों नहीं दिया जा रहा है। प्रथम महापौर ने बताया कि हम सब जिला प्रशासन को एक-दो दिनों के अंदर नया कथा स्थल जो नदी के तट से दूर होगा को प्रस्तावित करने जा रहे हैं, ताकि बागेश्वर सरकार का कार्यक्रम कराया जा सके। एक सवाल के जवाब में स्पष्ट किया कि कार्यक्रम को कराने के लिए हाई कोर्ट में भी अर्जी लगाई है जिसकी पेशी 30 नवंबर को है। हम सभी का पूर्ण प्रयास होगा की बागेश्वर सरकार का चरण अपने शहर की धरती पर अवश्य पड़े।

पर्यावरणविद कौशल की बातों की अनदेखी करना लोगों को पड़ेगा महंगा : पांडुरंग हेगड़े

तीन दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे कर्नाटक के प्रख्यात पर्यावरणविद

पिछले 50 वर्षों से चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़े हैं हेगड़े
पलामू किला सहित कई जगहों पर जाकर किया पौधरोपण व वृक्षों पर रक्षाबंधन

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। कर्नाटक से तीन दिवसीय दौरे पर पलामू पहुंचे प्रख्यात पर्यावरणविद पांडुरंग हेगड़े ने यहां के बढ़ते तापमान पर चिंता जाहिर की है। कहा कि पर्यावरणविद कौशल किशोर की बातों का यहां के लोग अनदेखी करेंगे तो उनके लिए आने वाले समय में काफी महंगा साबित होगा। वे पिछले 50 वर्षों से चिपको व वनराखी मूवमेंट से जुड़कर पर्यावरण के क्षेत्र में कई उल्लेखनीय कार्य किये है। उन्होंने लातेहार जिले के पलामू किला में वनों पर कोलकाता से आए पर्यावरण प्रेमियों के साथ वृक्षों पर रक्षाबंधन कर पर्यावरण पर विशेष चर्चा की। इस दौरान विश्वव्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पर्यावरण धर्मगुरु व वन राखी मूवमेंट के प्रणेता पर्यावरणविद कौशल किशोर जायसवाल एवं कोलकाता से आये लोगों के साथ बरवाडीह के कस्तूरबा विद्यालय और खुरा पंचायत में गुरु नानक देव की जयंती की पूर्व संध्या पर आम का पौधा लगाकर लोगों के साथ पर्यावरण से जुड़ी कई बातों की जानकारी साझा की। अपने संबोधन में पांडुरंग हेगड़े ने प्रमंडल में बढ़ती तापमान पर चिंता जताते हुए कहा कि लोग प्रकृति के साथ अर्थ के लिए अनर्थ कर रहे हैं। जबकि पर्यावरण धर्मगुरु कौशल ने 50 वर्ष पूर्व से कहते आ रहे हैं कि अगर इसी तरह प्रकृति से छेड़छाड़ होते रहा तो लोगों को पानी की बोतल व ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ लेकर चलना पड़ेगा। इतने के बाद भी लोग कौशल किशोर की बातों पर अमल नहीं कर रहे हैं। कोरोना की विभीषिका से भी लोग सबक नहीं ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान में सभी को आगे आना होगा। इसके लिए देश ही नहीं विदेशों में भी जाकर लोगों को जागरूक किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के प्रमुख लोगों में वन विभाग से रिटायर अजय कुमार मिश्रा, विक्टर क्रिकेटर, शिवानंद तिवारी, शशि भूषण तिवारी, दीनानाथ राम और कोलकाता से वनरखी मूवमेंट से जुड़े हुए कार्यकर्ताओं में सुशीलीता शाह, कोटाउ चटर्जी, शत्कना चटर्जी, मानस खान, देवयानी दास, सुमित्रा शंकर दत्ता, अंजीत बनर्जी, मौमिता बनर्जी, गोराचंद साहू, बरवाडीह कस्तूरबा की सहायक वार्डन उषा कुजूर, संगीता कुजूर, रूबी कुमारी, संगीता, नाईसा, रीमा, गीता, सुजाता आदि शामिल थे।

महत्वपूर्ण न्यूज

हरिहरगंज बसपा के प्रखंड अध्यक्ष बने जितेंद्र, कृष्णा राम उपाध्यक्ष

हरिहरगंज/पलामू (आजाद सिपाही)। हरिहरगंज प्रखण्ड में बहुजन समाज पार्टी ने कमेटी विस्तार को लेकर बैठक की। जिसमें जितेंद्र कुमार उर्फ सोनू को हरिहरगंज प्रखण्ड अध्यक्ष, कृष्णा राम को उपाध्यक्ष तथा पीपरा प्रखण्ड के लिए शैलेंद्र राम को अध्यक्ष बनाया गया है। इस दौरान जिला अध्यक्ष अजय कुमार भारती, हरिहरगंज हुसैनाबाद विस के पूर्व प्रत्याशी शेर अल्ली, जिला उपाध्यक्ष अमित कुमार यादव,हिरा यादव, राजकुमार गौतम राम नारायण राम आदि अधिकारियों व वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के नेतृत्व में उक्त तीनों युवाओं को प्रखण्ड अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की कमान सौंपी गई है। वहीं उदय भारती को हुसैनाबाद विधान सभा क्षेत्र के बामसेफ का संयोजक बनाया गया है। इस दौरान बसपा अधिकारियों ने माला पहनाकर स्वागत किया और उज्जवल भविष्य की कामना की। मौके पर वरिष्ठ नेता सुहेल हक, सुदर्शन राम, नूरूल खान, मुन्ना शर्मा, इसरार खान, रवि रोशन, राम गणेश राम, मंजू देवी, श्याम सुंदर देहाती, रामजी राम, इंद्रदेव भारती आदि उपस्थित थे।

जनता उच्च विद्यालय परिसर में लगा सरकार आपके द्वार शिविर,समस्याओं का हुआ समाधान

विश्रामपुर/पलामू (आजद सिपाही)। आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत विश्रामपुर नगर परिषद के वार्ड नंबर स्थित 17 जनता उच्च विद्यालय परिसर में एक शिविर का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, नप के निवर्तमान अध्यक्ष हलीमा बीबी, विधायक प्रतिनिधि राजन पांडेय, अध्यक्ष प्रतिनिधि नईमुद्दीन अंसारी, बीस सूत्री अध्यक्ष रामचंद्र दीक्षित, निवर्तमान वार्ड पार्षद सुनील कुमार चौधरी, सलमुद्दीन अंसारी व एमामूल हक गुड्डू ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मिशन 2024 की तैयारियों में जुट जायें सभी कार्यकर्ता: कमलेश सिंह

एनसीपी प्रदेश अध्यक्ष ने हैदरनगर में कार्यकर्ताओं के साथ की बैठक
- कहा- एनसीपी एनडीए गठबंधन का महत्वपूर्ण हिस्सा

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद। विधायक कमलेश कुमार सिंह ने एनसीपी कार्यकर्ताओं को मिशन 2024 (लोकसभा व झारखंड विधानसभा चुनाव) की तैयारी में जुटने का आह्वान किया है। हैदरनगर के देवी धाम परिसर में एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सह विधायक ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी एनडीए का हिस्सा है। नरेंद्र मोदी को पुनः प्रधानमंत्री बनना देश हित में आवश्यक है। उन्होंने कहा कि झारखंड में हेमंत सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हुई है। यही वजह है की उन्होंने हेमंत सरकार से समर्थन वापस लिया। चार वर्ष के दौरान हुसैनाबाद हरिहरगंज में जो विकास कार्य हुए हैं, कार्यकर्ता जनता को इससे अवगत कराये। इस दौरान बूथ कमेटियों को भी मजबूत करने आह्वान किया। कहा कि एनसीपी पूरे झारखंड में संगठन मजबूती की दिशा में काम कर रही है। कार्यकर्ता पार्टी के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं। पलामू से निकली चिंगारी पूरे झारखंड में नया सवेरा लाएगी। बैठक में विधायक प्रतिनिधि अजीत सिंह, मनान खान, प्रदेश प्रवक्ता योगेंद्र सिंह उर्फ गुड्डू सिंह, संजय सिंह, रूदा सिंह, विनय पासवान, युवा अध्यक्ष अभिषेक सिंह उर्फ हरि, विमलेश सिंह, जियाजुद्दीन खान, विजय राम, वीरेंद्र साव, जेपी सिंह, प्रमोद पासवान, श्यामबिहारी पासवान, मुना राजवंशी, पप्पू सिंह, श्यामबिहारी मेहता और सज्जू खान आदि मौजूद थे।

संत मरियम में मनायी गयी गुरु नानक जयंती

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)।। संत मरियम स्कूल में सिखों के आदर्श, समाज सुधारक, महान दार्शनिक गुरू नानक देव जी की जयंती मनाई गई। स्कूल के चेयरमैन अविनाश देव द्वारा गुरू नानक देव जी की प्रतिमा पर

माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी। उन्होंने कहा कि दूर दृष्टि रखने वाले गुरु नानक ने आध्यात्मिकता की गहरी भावना और परमात्मा को समझने की खोज पर जोर दिया। उन्होंने धार्मिक हठधर्मिता और रीति-रिवाजों को खारिज कर दिया, जिन्हें वे खोखला मानते थे।

ब्लॉक परिसर में आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन, मिले 850 आवेदन

आजाद सिपाही संवाददाता

हरिहरगंज/पलामू। प्रखंड परिसर में सोमवार को वार्ड संख्या 1, 2 व तीन के लिए आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न विभागों की ओर से 15 स्टॉल के माध्यम से सरकार के जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मौके पर ही देने के लिए लगाया गया। इससे पहले कार्यक्रम का शुभारंभ प्रशिक्षु आईएस सह हरिहरगंज बीडीओ रवि कुमार, कार्यपालक पदाधिकारी कामेश्वर बेदिया, कृषि पदाधिकारी ब्रजेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया। शिविर में सोना सोबरन योजना के तहत 123 धोती साड़ी, 275 कंबल वितरण किया गया। जबकि पेंशन के लिए 193, शहरी आवास के लिए 150 आवेदन प्राप्त हुए। वहीं जन्म मृत्यु से संबंधित 12 आवेदन, होल्डिंग के लिए 73 और 15 ट्रेड लाइसेंस दिया गया। इस दौरान बाल विकास परीयोजना द्वारा गोद भराई के साथ ही अन्नप्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में 70 मरीजों की जांच कर दवा दी गयी। सभी विभागों से 850 आवेदन प्राप्त हुए। इस मौके पर सामूदायिक संगठन कर्ता विचित्रा कुमारी, सीएलटीसी संजय कुमार राणा, डॉ तोहिद अहमद, सुमित्रा कुमारी, सीएचओ सुशीला तिर्की, एमपीडब्ल्यू राजेश कुमार, सोनू कुमार, एएनएम सरोजनी देवी, शांति कुमारी, टीवी सुपरवाइजर संतोष कुमार, आंगनबाड़ी सेविका विमला कुमारी, मधु कुमारी, प्रियंका कुमारी, नेहा देवी, रुक्मिणी देवी, प्रियंका देवी, सुलेखा देवी, बबिता देवी, रौशन आरा के अलावे काफी संख्या में ग्रामीण शामिल थे।

पलामू के 17 जुडो खिलाड़ियों ने आगरा नेशनल चैंपियनशिप में जीता दो स्वर्ण, दस रजत और पांच कास्य

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर/पलामू। पलामू के 17 जुडो खिलाड़ियों ने आगरा में आयोजित जूनियर नेशनल चैंपियनशिप में दो स्वर्ण पदक, 10 रजत पदक व पांच कास्य पदक अपने नाम किया। बतातें चलें कि पिछले दिनों पलामू जिला के विश्रामपुर, रेहला, बीमोड़, गोदरमा व कजरु पांडु क्षेत्र के विद्यालयों से 17 खिलाड़ियों का चयन उत्तर प्रदेश के आगरा एन्क्लेव स्टेडियम में होनेवाले राष्ट्रीय जुडो चैंपियनशि के लिए हुआ था। इस चैंपियनशिप में 18 राज्य से कई खिलाड़ी शामिल हुए थे। वहीं झारखंड जूडो का खेल दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ व राजस्थान के खिलाड़ियों के साथ उनका मुकाबला हुआ। जिसमें पलामू के 17 जुडो खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर 2 स्वर्ण, 10 रजत व 5 कास्य पदक अपने नाम किया। साथ ही झारखंड पी एस एकेडमी के निदेशक डॉ अज्जो सिद्दीकी को भी ट्रॉफी व बुक्के देकर सम्मानित किया गया। झारखंड पी एस एकेडमी के निदेशक डॉ अज्जो सिद्दीकी ने बताया कि झारखंड के सभी जीते हुये खिलाड़ी अगामी नेपाल के काठमांडू अंतर्राष्ट्रीय भगवान बुद्ध अंतर्राष्ट्रीय इनडोर स्टेडियम में होने वाले इंटरनेशनल जूडो चैंपियनशिप यूथ गेम एजुकेशन फेडरेशन ऑफ इंडिया में भाग लेंगे।

स्पोर्ट्स

झारखंड में स्कॉय खेल के विकास को लेकर वृहद चर्चा की गई। पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए स्कॉय फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव मो अली ने बताया कि स्कॉय कश्मीर का पारंपरिक खेल है। जो सेल्फ डिफेंस के रूप में काम आता है।

स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड की बैठक में स्कॉय खेल के विकास की रूपरेखा हुई तैयार

झारखंड में स्कॉय मार्शल आर्ट के विकास की हैं नैसर्गिक संभावनाएं : मो अली

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड की वार्षिक आम सभा की बैठक रांची स्थित प्रेस क्लब सभागार में हुई। बैठक में झारखंड में स्कॉय खेल के विकास को लेकर वृहद चर्चा हुई। बतौर मुख्य अतिथि सह प्रवेक्षक बैठक में भाग लेने पहुंचे स्कॉय फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव मो अली एवं स्कॉय एसोसिएशन बिहार के महासचिव संजीव कुमार का स्वागत स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष डॉ राजेश गुप्ता ने किया। वहीं, वॉलीबॉल के अंतराष्ट्रीय कोच राजेश कुमार ने खेल के प्रचार प्रसार से संबंधित दिशा निर्देश दिये एवं खेल के कई पक्षों पर प्रकाश डाला। स्कॉय फेडरेशन ऑफ इंडिया के संयुक्त सचिव मो अली ने कहा कि स्कॉय

सेल्फ डिफेंस के परिप्रेक्ष्य में भी उपयोगी है स्कॉय खेल : डॉ राजेश गुप्ता

कश्मीर का पारंपरिक खेल है। पूर्व में कश्मीर राजा महाराज स्कॉय को सेल्फ डिफेंस की विद्या के रूप में अपने सैनिकों के लिए अनिवार्य कर रखा था। वर्तमान में स्कॉय फेडरेशन ऑफ इंडिया के ग्रैंड मास्टर नजीर अहमद मीर ने इस खेल के विकास का बीड़ा उठाया, उसी का नतीजा है कि बीते दिनों हुए 37वीं राष्ट्रीय खेलों में स्कॉय खेल को शामिल किया गया। अली ने कहा कि झारखंड में इस खेल के सम्पूर्ण विकास के लिए तमाम नैसर्गिक संभावनाएं दिख रही हैं। बैठक में दर्जनों जिला से आए प्रतिनिधियों ने यह आश्वस्त कर दिया है कि झारखंड में यह खेल बहुत लोकप्रियता पायेगा।

वहीं, स्काय एसोसिएशन ऑफ झारखंड के अध्यक्ष डॉ राजेश गुप्ता ने कहा स्कॉय झारखंड के किए नया खेल है पर यह खेल सेल्फ डिफेंस के परिपेक्ष्य में भी बहुत उपयोगी है। हम सभी जिलों में अपने जिला संघों के माध्यम से इस खेल का विकास करने को कटिबद्ध हैं। आने वाले राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में झारखंड के पुरुष-महिला खिलाड़ी राज्य का प्रतिनिधत्व करेंगे और पूर्ण आशा है कि राज्य के किए पदकवीर ड्डी बनेंगे। डॉ राजेश गुप्ता ने कहा कि उन्हें और उनकी टीम को बतौर स्कॉय एसोसिएशन ऑफ झारखंड कार्य करने का अवसर प्रदान करने के लिए हम ग्रैंडमास्टर नजीर अहमद मीर और अली का आभारी हैं। स्कॉय खेल के कई प्रशिक्षण सेंटर पूरे राज्य में जल्द से जल्द स्थापित करने की ओर हम अग्रसर हैं। बैठक में संजीव कुमार, राजेश गुप्ता, राजेश सिंह, नीतीश सिंह, वेदांत कौस्तव, परवाज खान, आशुतोष सिंह, रफिया नाज, गौरव अग्रवाल, रंजित कुमार, बाबर खान, नगीना कुमार, अमित पांडे, नीरज वर्मा, राजेश कुमार, अभिषेक शुक्ला, अंशुतोष कुमार, रोहित यादव, विक्की, विवेक यादव, राकेश कुमार, शुभम, अमरदीप आदि उपस्थित थे।

कर्नल कप में बभंडी ने कोशी को हराया

आजाद सिपाही संवाददाता

खिलाड़ियों के साथ कर्नल संजय सिंह व अन्य।

हुसैनाबाद। अनुमंडल के कर्पूरी मैदान में खेले जा रहे कर्नल कप फुटबॉल प्रतियोगिता 2023 का 5वां मैच बभंडी बनाम कोशी के बीच खेला गया। बभंडी ने आक्रामक खेल दिखाते हुए एक के बाद एक लगातार तीन गोल कर मैच 3-0 से अपने नाम कर लिया। बभंडी की तरफ से सनोज, गोविंद और लव कुश कुमार ने गोल किया। इसके पूर्व इस मैच के मुख्य अतिथि कोशी पंचायत के मुखिया विजय राम ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका मनोबल बढ़ाया। उन्हें अनुशासित होकर खेलने की अपील की। बताया कि खिलाड़ियों को खेल में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन और समय पर ध्यान देना अति आवश्यक है। क्लब के अध्यक्ष मानिक चंद्र सिंह ने कहा कि कर्नल ब्रिगेड स्पोर्ट्स क्लब हुसैनाबाद के युवाओं को आगे बढ़ने का मौका दे रही हैं। आप लोग खेल के माध्यम से अपने हुनर लोगों को दिखाएं। बताते चलें कि यह टूर्नामेंट दर्शकों को भी खूब भा रही है। मौके पर क्लब के संरक्षक कर्नल संजय सिंह, अनुज सिंह उर्फ लड्डू सिंह, गोविंद सिंह, प्रमोद रजक, अभिमन्यु कुमार सिंह, अनिल सिंह, विकास कुमार, नीरज कुमार सिंह, इशरार अहमद (गुड्डू), सुधीर कुमार सिंह, वीर बहादुर सिंह आदि उपस्थित थे।

कार्तिक पूर्णिमा पर लाखों लोगों ने लगायी आस्था की डुबकी

जिले के सभी नदियों के तट पर सुबह से ही जुटने लगी थी स्नान के लिए भीड़

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। कार्तिक पूर्णिमा पर सोमवार को जिले के नदी तटों पर गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। झरिया के मोहलबनी स्थित दामोदर नदी तट, महुदा के तेलमच्चो स्थित दामोदर नदी, चिरकुंडा के बराकर नदी, कतरास के कतरी नदी, गोविंदपुर में खुदिया नदी आदि में सुबह से ही गंगा स्नान के लिए श्रद्धालुओं के जुटने का सिलसिला शुरू हुआ हो गया था जो कि दोपहर तक चलता रहा। श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाकर विधिवत पूजा की। उसके बाद सभी ने दरिद्र नारायणों को अन्न, कपड़े और पैसे दान कर पुण्य का कार्य किया। मान्यता है कि इस दिन गंगा स्नान और दीपदान हवन यज्ञ करने से सांसारिक पाप नष्ट होता है और अगले जन्म में स्वर्ग प्राप्त होता है। कार्तिक पूर्णिमा को त्रिपुरी पूर्णिमा, गंगा स्नान और देवदिवाली के नाम से भी जाना जाता है।

धर्मस्थल लुगुबुरु घंटाबाड़ी में उमड़ा जनसैलाब, टेका मत्था

आजाद सिपाही संवाददाता

ललपनिया। संतालियों के धर्मस्थल बोकारो जिले के ललपनिया स्थित लुगुबुरु घंटाबाड़ी धोरोमगढ़ में रविवार से दो दिवसीय 23वें अंतरराष्ट्रीय संताल सरना धर्म महासम्मेलन का समापन सोमवार को हुआ। बोकारो के ललपनिया का इलाका श्रद्धालुओं से गुलजार रहा। लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का आगमन हुआ। असम, मणिपुर, त्रिपुरा, छतीसगढ़, बंगाल, बिहार के अलावा झारखंड के दुमका, जमशेदपुर, रांची, धनबाद, जामताड़ा, लिट्टीपाड़ा, गुमला, लातेहार, सिमडेगा आदि जिलों से श्रद्धालु पहुंचे। इसके अलावा नेपाल से भी श्रद्धालुओं का एक जत्था लुगुबुरु पहुंचा। इनमें पूर्व सांसद सह नेपाल संविधानसभा के सदस्य मोहन टुडू, संताली विकिपीडिया के संपादक शिबू मुर्मू भी शामिल रहे। नेपाल संविधान सभा के सदस्य सह झापा तीन नंबर आरक्षित सीट से सांसद रहे मोहन टुडू ड्डी महासम्मेलन में भाग लेने पहुंचे। समिति ने उनका स्वागत किया। पूर्व सांसद टुडू ने कहा कि पुरखों की इस महान और विशाल विरासत को देखने, मत्था टेकने और धन्य होने आया हूं। यहां आकर अच्छा लग रहा है। उन्होंने कहा कि नेपाल में संताली कम संख्या में हैं, लेकिन इनके उत्थान और विकास को हम लोग लगे हुए हैं। प्रयासों के बाद कक्षा एक तक ओलचिकी लिपि में पढ़ाई अनिवार्य हुई है। हमारी कोशिश है कि इसे बढ़ा कर कक्षा पांचवीं तक ओलचिकी की पढ़ाई हो। इसे लेकर यहां आने से पहले नेपाल के प्रधानमंत्री कार्यालय से प्रधानमंत्री से मिलने का वक्त मांगा था। समय भी मिल गया है। यहां से जाते ही इस पर काम करेंगे।

सकारात्मक वार्ता के आश्वासन के बाद धरने पर बैठे गिरिडीह सांसद ने की आंदोलन समाप्त करने की घोषणा

विस्थापितों की अनदेखी और अन्याय बर्दाश्त नहीं : चंद्रप्रकाश

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो/बेरमो। बेरमो कोयलांचल में गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में विस्थापितों की विभिन्न मांगों को लेकर सीसीएल के तीनों एरिया ढोरी, बोकारो एंड करगली और कथारा से कोयला डिस्पैंच व ट्रांसपोर्टिंग ठप कर दिया गया। वहीं डीवीसी के बोकारो थर्मल और चंद्रपुरा पावर प्लांट का मेन गेट आंदोलनकारियों ने जाम कर दिया। गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी बोकारो थर्मल में प्लांट के गेट के समक्ष धरने पर बैठ गए। इसके अलावा बेरमो कोयलांचल में घूम-घूम कर आंदोलन का जायजा भी लेते रहे। आंदोलनकारी सड़क पर डट गए। इस बाबत सांसद ने कहा कि हमारा कोयला हमारी जमीन पावर प्लांट और कोलियरी में गया है। विस्थापितों का सब कुछ चला गया, लेकिन इन लोगों को कोई सुविधा या मुआवजा नहीं मिला। दूसरे लोग लाभ उठा रहे हैं। आज कोई जलावन के लिए कोयला ले जाता है तो पुलिस उसे पकड़ लेती है, लेकिन यहां ट्रकों और रेलवे रैक से कोयला चोरी हो रहा है उसको देखने वाला कोई नहीं। जब तक कोल इंडिया के अध्यक्ष और डीवीसी के अध्यक्ष स्तर से वार्ता नहीं होगी तब तक अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा। एक छटाक भी कोयला बाहर नहीं जाने देंगे। मौके पर प्रकाश मिश्रा सोनू चौधरी अर्जुन महतो यशोदा देवी आदि मौजूद थे।

वादे से मुकरने के बाद फिर से वृहत पैमाने पर आंदोलन शुरू करने की चेतावनी

आश्वासन के बाद आंदोलन स्थगित

डीवीसी प्रबंधन द्वारा विस्थापितों के साथ अपनाए जा रहे मनमाने रवैया के विरोध में गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी एवं गोमियां विधायक डॉ लंबोदर महतो के नेतृत्व में सोमवार को आंदोलन शुरू हो गया। विस्थापितों ने डीवीसी के बीटीपीएस का मेन गेट के समीप धरना प्रदर्शन करते हुए गेट जाम कर दिया। सांसद सीपी चौधरी ने कहा कि विस्थापित व स्थानीय ग्रामीणों को झारखंड सरकार द्वारा 75 फीसदी आरक्षण दिया गया है, जो यहां के लोगों को अभी तक नहीं मिल पाया है। बोकारो थर्मल की पूरी सड़के बद से बदतर स्थिति में है। बच्चों का विद्यालयों में नामांकन, हॉस्पिटलों में फ्री इलाज के लिए कोई स्थान नहीं, पानी एवं बिजली कि कोई सुविधा नहीं है। हालांकि सांसद सीपी चौधरी के नेतृत्व में चक्का जाम आंदोलन पहले ही दिन ही सोमवार को वार्ता के आश्वासन के बाद समाप्त हो गया है। सांसद प्रतिनिधि दीपक ने बताया कि सभी समस्याओं को लेकर कोल इंडिया के चेयरमैन के साथ दो दिसंबर और डीवीसी के चैयरमैन के साथ तीन दिसंबर को कोलकाता में वार्ता होगी। सीसीएल के निदेशक (योजना व परियोजना) बी साईराम और डीवीसी के वरीय महाप्रबंधक व परियोजना प्रधान एमके ठाकुर द्वारा निर्गत पत्र के आलोक में बंदी स्थगित किया गया है। चक्का जाम आंदोलन में डीवीसी व सीसीएल के ढोरी, बीएंडके और कथारा के इलाके में मुख्य भूमिका निभाने वालों में बोकारो थर्मल में जितेंद्र यादव, मंजूर आलम, जलेश्वर महतो, जानकी महतो, कारीपनी में काशीनाथ सिंह, सचिन महतो, सुरेश महतो, टिंकू महतो, अमलो में सन्तोष महतो, मनोज महतो, नरेश महतो, शिवलाल रवि, खासमहल में बुचू सिंह, शक्ति महतो, सीताराम महतो, मनोज महतो, युगल महतो, कृष्ण कुमार, बीरु हरि जारंगडीह में मुकेश सिंह, संदीप सिंह, चंद्रपुरा में बिगन महतो, अरविंद पांडे, मनोज दास, बालेश्वर यादव, जितेंद्र यादव, जानकी महतो, नरेश प्रजापति, प्रफुल्ल ठाकुर, करीम असांरी, राजेन्द्र अग्रवाल, विशवनाथ महतो, नरेश महतो, टिकैत महतो, बालमुकुंद प्रजापति, दिनेश यादव, विशवनाथ यादव, फलजीत महतो, कलदीप प्रजापति भुनेशवर सिंह, मंजुर आलम, जदू महतो, सुनील महतो, पप्पू सिंह, यशवंत महतो, अमन कुमार, महेंद्र चौधरी आदि प्रमुख रुप से शामिल थे। मौके पर जिप सदस्य शहजादी बानो, विधायक प्रतिनिधि कुलदीप प्रजापति आदि उपस्थित थे।

सीसीएल और डीएवी चेयरमैन के साथ 2-3 दिसंबर को कोलकाता में वार्ता

विस्थारितों की विभिन्न मांगों को लेकर धरने पर बैठे गिरिडीह के सांसद व अन्य लोग। प्रदर्शनकारियों को संबोदित करते विधायक व सांसद।

पूर्व सांसद बासुदेव आचार्य को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

चिरकुंडा। मैथन के श्रमिक यूनियन कार्यालय में सोमवार को नौ बार के सांसद रहे मजदूर नेता कामरेड बासुदेव आचार्य को श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कॉमरेड वासुदेव आचार्य की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उसके बाद उनकी आत्मा की शांति के लिए एक मिनट मौन रखा गया। श्रद्धांजलि सभा के बाद स्मरण सभा किया गया जिसकी अध्यक्ष श्रमिक यूनियन मैथन शाखा के सचिव कामरेड केके त्रिपाठी ने किया। सभा को डीवीसी श्रमिक यूनियन के सचिव निश्चित मुखर्जी, डीवीसी पेंशनर्स यूनियन के जी राम, डीवीसी स्टाफ एसोसिएशन के नवेंदु चक्रवर्ती, डीवीसी कर्मचारी संघ के भगवान रवानी, भारत की कोलियरी मजदूर सभा यूनियन के सुजित भट्टाचार्य, डीवीसी ठिकेदार वर्कर यूनियन के सचिव विनय गोस्वामी ने संबोधित किया। सभी ने अपने वक्तव्य में बासुदेव आचार्य की जीवनी के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और आज के दिन में मजदूर वर्ग का क्या कर्तव्य है उसके बारे में याद दिलाया। सभा में जनवादी महिला समिति की ओर से कुमारी सपना, सोना चक्रवर्ती, अनिता महतो, कावेरी आड्या, अनुराधा सिन्हा, एवं महिला समिति के राज्य कमेटी की ओर से माया लायक, जिला सचिव छवि धर, डीवीसी श्रमिक यूनियन की ओर से-बी आर मजूमदार, विनय गोस्वामी, पी कविराज, लालजीत चटर्जी, मुन्नू मुर्मू आदि उपस्थित थे।

बिहार में जातीय जनगणना करा कर नीतीश ने पूरे देश में मिसाल पेश की : रामस्वरूप

धनबाद (आजाद सिपाही)। जदयू पिछड़ा प्रकोष्ठ की बैठक सोमवार को धनबाद परिसदन में हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राम ईश्वर यादव ने की। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष राम स्वरूप यादव मौजूद रहे। अपने संबोधन में राम स्वरूप यादव ने कहा कि जदयू पिछड़ा वर्ग को लेकर हमेशा आगे बढ़कर काम करता आया है बीते दिनों बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बिहार में 75 फीसदी आरक्षण लागू किये जाने का स्वागत करते है। यह पूरे देश में आज तक किसी प्रदेश ने पिछड़ो को इतना आरक्षण नहीं दिया है। बिहार में महागठबंधन की सरकार ने जातिय जनगणना कराकर पूरे देश में मिशाल पेश की है। बैठक में जदयू जिलाध्यक्ष पिंटू सिंह, हाजी हसीब खान, प्रदेश सचिव राजू कुमार सिंह, जय प्रकाश यादव, कामेश्वर यादव, सकलदेव राय, नगर अध्यक्ष धनलाल दुबे, झप्पू सिन्हा, डॉ राजेश राम, दिलीप साव, रंजीत यादव, शशी महतो, अनील यादव, सूरज यादव एवं राम सुरेश सिंह आदि उपस्थित थे।

जिला प्रशासन और झारखंड सरकार सनातन धर्म की विरोधी है : सावित्री

आजाद सिपाही संवाददाता

कतरास। चिटाही धाम रामराज्य मंदिर कमेटी ने बाबा धीरेंद्र शास्त्री के तीन दिवसीय कार्यक्रम की अनुमति नहीं देने को लेकर सोमवार को मंदिर परिसर में संवाददाता सम्मेलन कर राज्य सरकार और धनबाद जिला प्रशासन पर जमकर भड़ास निकाली। बता दें कि शुक्रवार को धनबाद एसडीएम उदय कुमार रजक द्वारा पत्र जारी कर बाबा के कार्यक्रम की अनुमति नहीं देने का आधिकारिक आदेश दिया गया। पत्र मिलने के बाद संवाददाता सम्मेलन कर बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो की पत्नी सावित्री देवी ने कहा कि जो प्रभु श्री राम का नहीं वह किसी काम का नहीं। कहा कि जिला प्रशासन ने चिटाही धाम में बाबा के तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत कथा और भक्तों के दरबार लगाने की अनुमति नहीं देकर लाखों भक्तों की आस्था व धार्मिक भावना को ठेस पहुंचाया है। कहा कि धर्म को बढ़ावा देने वाले बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो से पुर्वाग्रह से जिला प्रशासन ग्रसित है। मंदिर कमेटी निराश मन से यह आरोप लगा रहा कि राज्य सरकार और जिला प्रशासन सनातन धर्म की विरोधी है। इस दौरान वक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि जहां-जहां गैर भाजपा शासित सरकार है वहां-वहां बाबा के कार्यक्रम में व्यवधान डालने का प्रचलन बढ़ रहा है। सावित्री देवी ने कहा कि इससे पहले विधायक के नेतृत्व में सनातन धर्म प्रेमियों के सहयोग और शारीरिक श्रम से कई बड़े बड़े धार्मिक अनुष्ठान का सफल आयोजन किया जा चुका है। तो आखिर इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन की क्या दिक्कत है जिला प्रशासन को यह सार्वजनिक करना चाहिए। सरकार तुष्टिकरण के लिए एक धर्म विशेष के तब्लीगी जमात के लोगों को गोविंदपुर में कार्यक्रम करने की इजाजत देती है जिसमें लाखों धर्म विशेष के लोग जुटेंगे लेकिन सनातन धर्म संस्कृति के लिए इजाजत नहीं देती है। बताते चलें कि जिला प्रशासन से अनुमति में देर होने के कारण विधायक ढुल्लू महतो बाबा के कार्यक्रम स्थगन की जानकारी पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दे चुके थे। इस मौके पर मंदिर समिति के अध्यक्ष चंदन महतो, मुख्य पुजारी आशीष पाण्डेय, राजीव मिश्रा, दीपक कुमार, लखेंद्र महतो, विकास पाण्डेय, बाबूलाल महतो, पन्नालाल, खुशवंत देवा, लीलावती देवी, रजनी देवी, राकेश सिंह, भारत शर्मा, बच्चू कुमार राय, राजू शर्मा, राजू चौहान, बैजनाथ प्रसाद, शंकर साव, विजन जी, मानजित सिंह, किशोर ठाकुर, मन्नू सिंह, आकाश पाण्डेय, दीपू पाण्डेय, जगगू ठक्कर, सुधीर पाण्डेय आदि थे।

कथारा में प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा ग्रंथ साहिब अखंड पाठ और संगत का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

कथारा। गुरुनानक देव जी महाराज की जयंती प्रकाश पर्व के अवसर में कथारा के गुरुद्वारा में अखंड पाठ और संगत का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य रूप से क्षेत्र के महाप्रबंधक, अधिकारीगण सहित विभिन्न दल के नेता और पंचायत प्रतिनिधि पहुंचे और गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेका व प्रसाद ग्रहण किया। लंगर में सैकड़ों लोगों ने भोजन किया। यहां भाजपा नेता विक्रम पांडेय ने कहा कि गुरु नानक जी अपना पूरा जीवन समाज सुधार के कार्यों में समर्पित कर दिये। उन्होंने लोगों को इंसानियत और ईमानदारी की एकता के सूत्र में बांधने का प्रयास किया। कथारा क्षेत्र के महाप्रबंधक डीके गुप्ता ने कहा कि गुरुनानक साहब द्वारा समाज सुधार के लिए ज्ञान का प्रकाश फैलाया गया। यही कारण है कि उनकी जयंती को प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। तीन दिनों से चल रहे अखंड पाठ की समाप्ति के उपरांत टाटा से पहुंचे गुरु नानक देव जी का 555 व प्रकाश पर्व पर उत्सव पर इतिहास की जानकारी एवं भजन कीर्तन सुरजीत सिंह, गुरमीत सिंह, अमरीक सिंह द्वारा दी गई। जबकि केंद्रीय कमेटी के अध्यक्ष गुरप्रीत सिंह, सचिव अमृतपाल सिंह, कथारा के अध्यक्ष गुरुनाम सिंह, सचिव बबलू सिंह, निशांत सिंह, राजेंद्र सिंह, बलबीर सिंह, अमरजीत सिंह, सरदूल सिंह, सुरजीत सिंह, लकी सिंह, लाल सिंह, गुरजीत सिंह, शरण सिंह राणा, तरसेन सिंह, सतनाम सिंह, लखविंदर सिंह, अमनदीप सिंह, कमल सिंह, जसप्रीत सिंह, लखबीर सिंह, कुलदीप सिंह, लकी सिंह उपस्थित थे। वहीं, कथारा महाप्रबंधक डीके गुप्ता, महाप्रबंधक उत्खनन जेएस पैकरा, जारंगडीह के पीओ परमानंद गुईन, कथारा कोलियरी के पीओ दुर्गेश कुमार सिन्हा, क्षेत्रीय वित्त पदाधिकारी राजेश कुमार, प्रबंधक नीरज कुमार सिंह, प्रोजेक्ट इंजीनियर कौशल किशोर, निजी सहायक दिनेश कुमार पांडेय ,राजेश कुमार सिंह सहित प्रमोद कुमार सिंह सामाजिक नेता टूटू जायसवाल, विजय नैयर, संजय पांडेय, मुकेश सिन्हा आदि थे।

प्रमुख और जिप सदस्य ने किया प्लास्टिक वेस्ट रिकवरी सेंटर निर्माण कार्य का शिलान्यास

प्लास्टिक इंसानियत के लिए घातक : पूनम देवी

आजाद सिपाही संवाददाता

नावाडीह। डाकघर के समीप बोकारो स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण की ओर से लगभग 7.5 लाख रुपए की लागत से बनने वाले प्लास्टिक वेस्ट रिकवरी सेंटर निर्माण कार्य का शिलान्यास प्रखंड प्रमुख पूनम देवी, जिप सदस्य फूलमती देवी एवं मुखिया किरण देवी ने संयुक्त रुप से किया। प्रखंड प्रमुख पूनम देवी ने कहा कि प्लास्टिक मनुष्य के लिए काफी घातक होता है। उपयोग किए गए प्लास्टिक यत्र-तत्र फेंकने से वह कई बीमारी को जन्म देती है। प्लास्टिक को जलाना भी काफी खतरनाक साबित होता है। लेकिन यहां प्लास्टिक वेस्ट रिकवरी केंद्र बन जाने से लोगों को प्लास्टिक से होने वाली बीमारी से मुक्ति मिल जाएगी। स्वच्छ भारत मिशन नावाडीह के अनवर अंसारी ने बताया कि प्लास्टिक वेस्ट रिकवरी केंद्र निर्माण के बाद जहां-तहां फेंके गए बेकार प्लास्टिक यथा पॉलिथिन, वाटर बोटल को संग्रह कर केंद्र में जमा किया जाएगा। जिसे मशीन से पीस कर पुनः प्लास्टिक से वस्तु निर्माण कर बाहर भेजा जाएगा। यह भी बताया कि यहां बेकार प्लास्टिक पहुंचाने वाले से प्लास्टिक की खरीददारी की जाएगी। मौके पर जिप सदस्य फूलमती देवी, मुखिया किरण देवी, एसबीएम के अनवर अंसारी, सुरेश महतो, केवल कानू, बसंत महतो, चिंता देवी, खगिया देवी, वीणा देवी, यशोदा देवी सहदेव कानू आदि की उपस्थिति रही।

प्लास्टिक वेस्ट रिकवरी सेंटर निर्माण कार्य का शिलान्यास करती प्रखंड प्रमुख व अन्य।

नीदरलैंड के पीवीवी नेता गीर्ट विल्डर्स ने कहा

मुसलमान नीदरलैंड छोड़कर चले जायें

एजेंसी

एम्सटरडैम। नीदरलैंड में अगले प्रधानमंत्री बनने की दौड़ में सबसे आगे चल रहे गीर्ट विल्डर्स ने कुरान में ज्यादा विश्वास रखने वाले मुसलमानों को देश छोड़ने के लिए कहा है। फ्रीडम पार्टी (पीवीवी) के नेता गीर्ट ने कहा है कि वो मुसलमान किसी इस्लामिक देश में जाकर रह सकते हैं, जिनका भरोसा कुरान पर है। गीर्ट ने अपने बयान में कहा कि ऐसे मुसलमान नीदरलैंड छोड़ कर चले जायें, जो धर्मनिरपेक्ष कानूनों से ज्यादा कुरान को महत्व देते हैं और कुरान के कानून को देश से ज्यादा महत्वपूर्ण मानते हैं। उनके लिए किसी इस्लामिक देश में जाकर रहना ठीक होगा। नीदरलैंड में उनके लिए जगह नहीं है।

गीर्ट ने अपने बयान में कहा कि मेरा नीदरलैंड में रहने वाले सभी मुसलमानों के लिए साफ संदेश है कि अगर आप हमारे देश के संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों को नहीं मानते हैं, तो आपके लिए यहां जगह नहीं है। ऐसे बहुत हैं, जो देश से ज्यादा कुरान को मानते हैं। प्रोफेसर कूम्पंस की रिपोर्ट कहती है कि 7 लाख मुसलमान ऐसे हैं। मैं इन सभी को गेट आउट कहना चाहता हूं। जाइए और जाकर इस्लामिक देश में रहिए, क्योंकि वो आपका कानून है। ये आपका देश नहीं है।

मैं ही बनूंगा प्रधानमंत्री

गीर्ट विल्डर्स ने ये भी कहा है कि वह अगले पीएम बनने जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर उन्होंने लिखा है कि आज, कल या परसों, पीवीवी सरकार का हिस्सा होगी और मैं इस खूबसूरत देश का प्रधानमंत्री बनूंगा। एक पोस्ट में उन्होंने उनकी पीवीवी के साथ सहयोग करने की अनिच्छा के लिए अन्य पार्टियों के रुख पर पर निराशा भी व्यक्त की है। गीर्ट विल्डर्स नीदरलैंड में विपक्षी नेता के तौर पर बीते कुछ सालों में लगातार इस्लाम विरोधी बयानबाजी करते रहे हैं। इस्लाम और मुस्लिमों का विरोध गीर्ट और उनकी पार्टी पीवीवी के राजनीतिक अभियान का हिस्सा रही है। पार्टी नेताओं ने चुनाव प्रचार के दौरान कई विवादास्पद वादे किये हैं। इनमें सार्वजनिक स्थानों पर इस्लामिक हेडस्कार्फ पहनने को गैरकानूनी घोषित करने, मस्जिदों को बंद करने और कुरान पर प्रतिबंध लगाने का सुझाव भी शामिल है।

कटक बाली यात्रा शुरू

- आठ दिनों तक चलेगी ऐतिहासिक कटक बाली यात्रा

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। ऐतिहासिक कटक बाली यात्रा सोमवार से शुरू हुई। बारबाटी किला पड़िआ और महानदी पठा समेत करीब 43 एकड़ क्षेत्र में आयोजित होने वाली यह यात्रा इस बार 8 दिनों तक चलेगी। ओरमास जातीय पलीश्री मेले में 420 स्टॉल सहित कुल 1 हजार 896 स्टॉल तैयार किया गया है। इस वर्ष बाली यात्रा में लगभग 80 लाख लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

पिछले साल से बाली यात्रा का नया आकर्षण बन चुके कटक-इन-कटक गांव में इस बार बदलाव होने जा रहा है। कटक में कटक ने ग्रामीण परिवेश का निर्माण किया है, जहां ग्रामीण ओड़िशा के सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश को देखा जा सकता है। इसी तरह पहली बार चेन्नई से 200 फीट का टनल एक्वेरियम बाली यात्रा में शामिल किया गया है। हमेशा की तरह इस बार भी सभी शामों पर रोचक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तैयारी पूरी कर ली गयी है।

इस वर्ष बाली जात्रा में यात्रियों की संख्या और भी अधिक बढ़ेगी। बाली यात्रा के लिए करीब 80 लाख लोगों के आने की संभावना है। ऐसे में लोगों को कुछ नया से परिचित कराने के प्रयास में कटक इन कटक के वातावरण को खूबसूरती से सजाया गया है। कटक को ग्रामीण क्षेत्र बनाने के लिए पिछले 15 दिनों से 80 कारीगर दिन-रात काम कर रहे हैं। इसी तरह एक निजी एजेंसी द्वारा बाली में लाये गये टनल एक्वेरियम में 16 मिमी ग्लास लगाया गया है। इस एक्वेरियम में छोटी शार्क, व्हेल, ऑक्टोपस समेत कई तरह की रंग-बिरंगी मछलियां होंगी। इसके बाद प्रतिदिन वैष्णव मंच और अक्षय महांति मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। हॉलीवुड और बॉलीवुड कलाकारों की मौजूदगी में विभिन्न प्रकार के शास्त्रीय नृत्य संगीत मंच की शोभा बढ़ायेंगे।

उद्घाटन दिवस को छोड़कर हर दिन पथोत्सव होगा। सुबह 6:30 बजे से 9:30 बजे तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। शाम को महानदी में आलती कार्यक्रम किया गया है। महानदी में आलती के बाद मंच कार्यक्रम प्रारंभ होगा। लोग सिल्वर सिटी बोटिंग कॉम्प्लेक्स में जाकर बोटिंग का आनंद ले सकते हैं। बाली यात्रा में सुरक्षा के लिए 70 प्लाटून फोर्ष ओर 300 अधिकारी तैनात किये गये हैं। ऊपरी और निचले इलाकों में सीसी कैमरे लगाये गये हैं। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया है कि दिव्यांग और महिलाओं के लिए विशेष सहायकों की नियुक्ति की गयी है।

पूर्व आइएएस अधिकारी वीके पांडियन बीजेडी में शामिल हुए

भुवनेश्वर (आजाद सिपाही)। बीजू जनता दल (बीजेडी) में सोमवार को शामिल हुए पूर्व आईएएस अधिकारी वी के पांडियन । उन्होंने कहा कि वह ओडिशा के लोगों के लिए काम करेंगे। पार्टी में शामिल होने के बाद पांडियन ने कहा कि मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के मार्गदर्शन से, मैं समर्पित और निस्वार्थ तरीके से ओड़िशा के लोगों के लिए काम करूंगा।

यूपी में मस्जिदों सहित अन्य धार्मिक स्थलों से उतरवाये गये लाउडस्पीकर

लखनऊ (आजाद सिपाही)। उत्तर प्रदेश में लाउडस्पीकर से होने वाले ध्वनि प्रदूषण के खिलाफ सोमवार को पूरे प्रदेश में अभियान चलाया गया। इस दौरान कई मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर उतरवाये गये, जबकि कई जगह आवाज कम करवायी गयी। सुबह पांच बजे शुरू किये गये अभियान में सात हजार से ज्यादा लाउडस्पीकर की आवाज कम करवायी गयी, जबकि तीन हजार से ज्यादा लाउडस्पीकर हटाये गये। अभियान के तहत जिलों में अधिकारियों के नेतृत्व में चेकिंग टीमें बनायी गयीं और धार्मिक स्थलों व सार्वजनिक स्थलों पर लगे अवैध लाउडस्पीकर व ध्वनि विस्तारक यंत्र चेक करवाये गये। इस दौरान निर्धारित सीमा से अधिक डेसीमल पर पाये जाने पर लाउडस्पीकर उतरवा लिये गये।

कंट्री क्रिकेट क्लब के चुनाव में राजेश वर्मा उर्फ बॉबी की टीम ने बाजी मारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। कंट्री क्रिकेट क्लब के चुनाव का परिणाम आ गया है। चुनाव में अध्यक्ष के रूप में राजेश वर्मा उर्फ बॉबी और उनकी टीम ने जीत दर्ज की है। उन्होंने सुनील कुमार साहू को हराया है। बता दें इस चुनाव में एक अध्यक्ष और 12 कमेटी मेंबर चुने गये हैं।

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से संचालित कंट्री क्रिकेट क्लब का चुनाव शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, 779 वोटरों में से 619 वोटर ने ही इस चुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसमें सात वोट रद्द भी हुए हैं।

सीसीसी बनने के बाद पहली बार मतदान

बता दें कि 2012 में कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) बनने के बाद पहली बार मतदान के जरिए यह चुनाव हुआ है। अब तक जेएससीए के सदस्य सर्वसम्मति से क्लब के पदाधिकारियों का चुनाव करते थे।

राजेश वर्मा बॉबी की टीम ने बाजी मारी

इसमें संजय पांडेय 392 वोट, भानु प्रताप सिंह को 385, राहुल झा को 377, अजीत कुमार 363, गुरुदयाल नामधारी 361, नीतिन सर्राफ 348, अर्शे आलम 345, विशाखा झा 343, इंद्र शेखर 342, राजीव रंजन 337,सुशील कुमार 329, पवन कुमार को 315 वोट मिले हैं।

भानुप्रताप सिंह ने आभार जताया

कमेटी में सेकंड हाइएस्ट वोट प्राप्त करनेवाले जेसीए के आजीवन सदस्य भानुप्रताप सिंह ने मतदाताओं के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि सही मायने में यह अमिताभ चौधरी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने जो सपना देखा था, कमेटी उस सपने को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि कोशिश होगी कि सभी सदस्यों के मान-सम्मान की रक्षा हो सके। उन्होंने कहा कि क्लब की मर्यादा को रखना हम सबकी अहम जिम्मेदारी है। भानुप्रताप की जीत पर बधाई देनेवालों में आइपीएस अखिलेश पांडेय, जेसीए के सचिव देवाशीष चक्रवर्ती, अजयनाथ शाहदेव, रंजीत सिंह, राजकुमार शर्मा, पीएन सिंह, अर्चित आनंद शामिल हैं। जेएससीए के उपाध्यक्ष अजय नाथ शाहदेव ने राजेश वर्मा की टीम और भानु प्रताप सिंह की जीत पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि एक बेहतर टीम जीतकर आयी है। विजयी टीम को शुभकामनाएं हैं उम्मीद है बेहतर काम करेंगे।

भुवनेश्वर-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। भुवनेश्वर-राउरकेला वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को भुवनेश्वर-संबलपुर रेल लाइन के ढेंकनाल-अंगुल रेलवे खंड में मेरामंडली और बुधपंक के बीच पत्थरबाजों ने निशाना बनाया है। इस घटना के कारण एक्जीक्यूटिव क्लास कोच की खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया है। यह पहली बार नहीं है कि देश में वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को निशाना बनाया गया है। इसी तरह की घटनाएं देश के अन्य हिस्सों में भी हुई हैं। हालांकि, अभी तक किसी भी घटना में किसी भी यात्री को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

घटना की सूचना ऑन ड्यूटी आरपीएफ एस्कॉर्टिंग स्टाफ ने दी। पूर्व तट रेलवे की सुरक्षा शाखा ने इसे गंभीरता से लिया है और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और सरकारी रेलवे पुलिस (जीआरपी) को सतर्क कर दिया है। कटक से आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त को घटनास्थल पर भेजा गया है।

भारतीय रेलवे विशेष रूप से पूर्व तट रेलवे जनता को विशेष रूप से रेल लाइन के आसपास रहने वाले लोगों को, रेलगाड़ियों पर पत्थर न फेंकने के लिए जागरूक करने के लिए लगातार अभियान चला रहा है, जिससे यात्रियों, उनके करीबी रिश्तेदारों को नुकसान हो सकता है। मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को भी दे दी गयी है। पथराव करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जायेगी।

संविधान दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

सोआ छात्रों ने नाटक प्रस्तुत किया

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। शिक्षा ओ अनुसंधान (सोआ) द्वारा संचालित सोआ नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ (स्मिल) में कानून की पढ़ाई कर रहे छात्रों ने रविवार को संविधान दिवस के अवसर पर उन्होंने शहर के एक भीड़ भरे शॉपिंग मॉल में एक नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें समानता, बंधुत्व और धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों और आदर्शों पर प्रकाश डाला गया। विद्यार्थियों ने संविधान, उसके कार्यान्वयन, कर्तव्य और जिम्मेदारी के बारे में लोगों को जागरूक करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत अंग्रेजी और हिंदी में संविधान के पाठ के बाद हुई। एक रचनात्मक कविता के माध्यम से उन्होंने भारत को एक कल्याणकारी राष्ट्र बनाने वाले संवैधानिक अधिकारों, कर्तव्यों और सिद्धांतों के महत्व को समझाया। एसोसिएट प्रोफेसर स्मिल ने कहा कि इससे पता चलता है कि शैक्षणिक संस्थान हर नागरिक के लिए महत्वपूर्ण ज्ञान के प्रसार में कैसे सक्रिय रूप से योगदान दे सकते हैं।

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक* :** विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**